RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

PRINT | WEB | VIDEO

बोकारो, सोमवार

9.2.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 111

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत-मलेशिया के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2026 की पहली विदेश यात्रा भारत और मलेशिया के बीच 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली साबित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को पुत्राजाया स्थित पर्दाना पुत्र परिसर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की सार्थक वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की मौजूदगी में कुल 11 महत्वपूर्ण दस्तावेज और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इनमें डिजिटल भुगतान और सुरक्षा सहयोग, सेमी कंडक्टर विकास और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, भ्रष्टाचार निवारण और आपदा प्रबंधन, भारतीय कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा तकनीकी शिक्षा और मलेशिया का अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होना है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का आज मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम ने पर्दाना पुत्र परिसर में औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद, दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के आधिकारिक आवास सेरी पर्दाना में सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की।नेताओं ने व्यापक चर्चा की और 2024 में दोनों देशों के बीच स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने साझेदारी की नींव रखने वाले भारत-मलेशिया के सदियों पुराने संबंधों और घनिष्ठ जन-संबंधों को याद किया। नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा, अवसंरचना, स्टार्टअप, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुर्वेद, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण परिदृश्य की समीक्षा की। नेताओं ने सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय डिजिटल परिषद के माध्यम से दोनों देशों के बीच डिजिटल सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की सराहना की और फिनटेक सहयोग को बढ़ाने के लिए यूपीआई और पे-नेट के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने संसदीय और विश्वविद्यालयीय आदान-प्रदान के माध्यम से युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया। इसी बीच भारत के नालंदा विश्वविद्यालय और मलाया विश्वविद्यालय तथा मलेशिया के आईआईटी मद्रास और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर अकादमी के बीच चल रहे सहयोग का स्वागत किया गया। मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के पहले वाणिज्य दूतावास के खुलने से वाणिज्यिक और जन-संबंधों को मजबूती मिलेगी।दोनों नेताओं ने वैश्विक शासन सुधार, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और भारत-आसियान साझेदारी में वृद्धि सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

भारत-मलेशिया साझेदारी को मिलेगी नई गति, आतंकवाद पर नो डबल स्टैंडर्ड्स, नो कंप्रोमाइज

पुत्राजाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मलेशिया दौरे के दूसरे दिन कहा कि मलेशिया में भारत के श्रमिकों के संरक्षण के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, पर्यटन के लिए ग्रेटिस ई-वीजा तथा डिजिटल इंटरफेस यूपीआई का मलेशिया में लागू होना जैसे कदम दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। भारत-मलेशिया शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे और आतंकवाद के मुद्दे पर दोनों देशों का संदेश स्पष्ट है- नो डबल स्टैंडर्ड्स, नो कंप्रोमाइज। मलेशिया की प्रशासनिक और न्यायिक राजधानी पुत्राजाया में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया के संबंध अत्यंत विशेष हैं। दोनों देश समुद्री पड़ोसी हैं और सदियों से उनके लोगों के बीच गहरे और आत्मीय संबंध रहे हैं। आज मलेशिया भारतीय मूल की आबादी वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो दोनों देशों के बीच मानवीय रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष वह आसियान से जुड़े कार्यक्रम के लिए मलेशिया नहीं आ पाए थे, लेकिन आज वर्ष 2026 की पहली विदेश यात्रा में मलेशिया आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत-मलेशिया संबंधों ने नई गति पकड़ी है, जिसमें प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का विशेष योगदान रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा, अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग मजबूत हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, बायोटेक और आईटी में आपसी निवेश बढ़ा है, जबकि पर्यटन और लोगों के बीच संपर्क भी गहरे हुए हैं।

मलेशिया में खुलेगा भारतीय महा वाणिज्यिक दूतावास

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मलेशिया की आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली है। यात्रा के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, डिजिटल, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े महत्वपूर्ण समझौतों के साथ जनहित से जुड़ी अहम घोषणाएं भी की गईं, जो भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, यात्रा के दौरान भारत और मलेशिया के बीच ऑडियो-विजुअल सह-निर्माण, आपदा प्रबंधन, भ्रष्टाचार की रोकथाम, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना, सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में समझौता ज्ञापन, सहमति पत्र और अन्य दस्तावेजों का आदान-प्रदान हुआ। इसके साथ ही 10वें भारत-मलेशिया सीईओ फोरम की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई, जिसमें व्यापार और निवेश सहयोग को आगे बढ़ाने से जुड़े सुझाव शामिल हैं। डिजिटल और वित्तीय क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत की एनपीसीआई इंटरनेशनल लिमिटेड और मलेशिया की पेनेट एसडीएन बीएचडी के बीच सीमा-पार भुगतान को लेकर समझौता किया गया, जिससे दोनों देशों के नागरिकों, पर्यटकों, छात्रों और कारोबारियों को तेज, सुरक्षित और किफायती डिजिटल भुगतान की सुविधा मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग के तहत आयुर्वेद से जुड़े शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को भी आगे बढ़ाने पर सहमति बनी है।

जानें प्रधानमंत्री की यात्रा में क्या-क्या हुई घोषणाएं

- यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं में मलेशिया में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की स्थापना का निर्णय शामिल है, जिससे वहां रह रहे भारतीय समुदाय को कांसुलर सेवाएं और अधिक सुलभ होंगी।
- डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एनपीसीआई इंटरनेशनल लिमिटेड और पेनेट एसडीएन बीएचडी के बीच सीमा-पार भुगतान समझौता।
- यूनिवर्सिटी ऑफ साइबरजया और आयुर्वेद प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के बीच शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर सहमति
- कुआलालंपुर स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया में एक समर्पित तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने और मलेशियाई नागरिकों के लिए तिरुवल्लुवर छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की गई।

संक्षिप्त समाचार

आस्था, खान-पान अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब एक समाज और देश का हिस्सा: भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर मुंबई में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने भी शिरकत की। वे फिल्ममेकर सुभाष घई और गीतकार प्रसून जोशी के साथ वहां पहुंचे और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को सुना। इस कार्यक्रम में संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू ही है और कोई है ही नहीं। किसी खास रस्म या प्रार्थना से जुड़े धर्म को नहीं दिखाता है, न ही यह किसी खास समुदाय का नाम है। उन्होंने कहा कि आरएसएस किसी के खिलाफ नहीं है और न ही उसे सत्ता या पावर की इच्छा है। संघ राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, संघ के कुछ लोग राजनीति में सक्रिय हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने कहा कि बहुत से लोग कहते हैं कि नरेंद्र भाई आरएसएस के प्रधानमंत्री है। उनकी पॉलिटिकल पार्टी बीजेपी अलग है। उसमें बहुत स्वयंसेवक है, लेकिन संघ की नहीं। संघ के स्वयंसेवक उसमें हैं। भागवत ने कहा कि भारत का बंटवारा धर्म की वजह से हुआ। हमने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। इस्लाम, ईसाई धर्म अभी भी भारत में मौजूद हैं। झड़पें होती हैं, लेकिन देश एकजुट रहता है। हिंदू भाव को भुला देना भी बंटवारे का कारण बना। संघ देश में चल रहे सकारात्मक प्रयासों को समर्थन और मजबूती देने पर फोकस करता है। संघ कोई पैरामिलिट्री फोर्स नहीं है।

लंदन में बैठे भगोड़े हीरा कारोबारी मामा-भांजे को ब्रिटेन की अदालतों ने दिया झटका

नई दिल्ली। लंदन में बैठे भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी, दोनों के लिए बुरी खबर है। अलग-अलग मामलों में ब्रिटेन की अदालतों ने साफ संकेत दे दिया कि अब देरी, बहाने और साजिश के आरोप काम नहीं आएंगे। लंदन हाई कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया के बकाया ऋण मामले में नीरव मोदी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने दृष्टिहीनता, अवसाद और जेल की परेशानियों का हवाला देकर ट्रायल टालने की मांग की थी। नीरव इस समय एचएमपी पेंटनविले जेल में बंद है और वीडियो लिंक के जरिए सुनवाई में पेश हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट जज ने साफ कहा कि नीरव को ट्रायल में 'समान अवसर' मिलेगा और उसे किसी तरह की 'महत्वपूर्ण क्षति' नहीं होगी। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि यह याचिका देरी करने के पैटर्न का हिस्सा लगती है। मतलब साफ बीमारी और हालात का सहारा लेकर समय खींचने की कोशिश अब कोर्ट को मंजूर नहीं। नीरव पर भारत में पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े करीब 2 अरब डॉलर की धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और गवाहों से छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप हैं।

पेट्रोलियम मंत्री ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरी: असदुद्दीन ओवैसी

एजेंसी। हैदराबाद

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अमेरिका के धमकी भरे बयान पर केंद्र की मोदी सरकार पर कड़ा हमला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदेगा, तब उस पर 25 प्रतिशत टैक्स लगेगा। करीमनगर में जनसभा को संबोधित कर एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने सीधे सवाल उठाया कि भारत का पेट्रोलियम मंत्री डोनाल्ड ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरी। सांसद ओवैसी ने कहा कि अमेरिका में बैठे एक "गोरी चमड़ी वाले इंसान" भारत को धमकी दे रहे हैं, जबकि देश में केंद्रीय मंत्री मौजूद हैं। उन्होंने मोदी सरकार और बीजेपी पर कटाक्ष कर कहा कि यह देशभक्ति नहीं बल्कि जनता के लिए परेशानी पैदा करने वाला राष्ट्रवाद है। उन्होंने आर्थिक पहलू पर भी ध्यान दिलाया कि अगर भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा, तब इसका फायदा चीन को मिलेगा, जो सस्ता तेल खरीद लेगा। सांसद ओवैसी ने रूसी कंपनी 'नयारा' का उदाहरण देकर पूछा कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस पर भी टैक्स लगाएंगे। उन्होंने बीजेपी नेताओं के पाखंडी स्वरूप का उल्लेख कर कहा कि चेहरा दाढ़ी वाला, सिर पर टोपी और शरीर पर शेरवानी हो, लेकिन उनके फैसले आम जनता के लिए परेशानी खड़ी करते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के बयान को भारत की संप्रभुता पर हमला बताकर केंद्र सरकार को विदेशियों के दबाव में देश की नीतियों को प्रभावित करने वाला करार दिया।

सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही: वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही है। इस दौरान उन्होंने घरेलू स्टार्टअप सर्वम एआई द्वारा जारी किए गए एक एडवांस्ड मॉडल की तारीफ की। पिछले साल इस स्टार्टअप को देश का पहला एआई फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए चुना गया था। 67 प्रपोजल में से सर्वम एआई को भारत का पहला स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। मंत्री वैष्णव

सर्वम एआई को स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने किया शॉर्टलिस्ट

ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारे एआई मिशन के हिस्से के रूप में सर्वम द्वारा जारी किए गए टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड मॉडल की सबसे ज्यादा आलोचना करने वाले लोग भी तारीफ कर रहे हैं। हमारे स्मार्ट युवा इंजीनियर मटेरियल साइंस, हेल्थकेयर और साइबर सिक्योरिटी में ऐसे इनोवेशन पर काम कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया पाथब्रेकिंग मॉडल के तौर पर देखेगी। सर्वम एआई ने भारतीय भाषाओं के लिए सबसे अच्छे टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-टेक्स्ट और ओसीआर मॉडल बनाए हैं। पिछले साल दिसंबर में सर्वम एआई के को-फाउंडर प्रत्युष कुमार ने इंडियाएआई मिशन के तहत मल्टीलिंगुअल एआई सिस्टम दिखाए, जिसमें भारतीय भाषाओं के लिए भारत का पहला सॉवरेन फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) भी शामिल था। भारत के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 2024 में 10,300 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। अगले पांच सालों में मिलने वाली यह फंडिंग इंडियाएआई मिशन के अलग-अलग हिस्सों को बढ़ावा देने में मदद करेगी। पिछले महीने पीएम मोदी ने स्टार्टअप्स से सामाजिक भलाई के लिए एआई का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। पीएम मोदी ने बताया था कि भारत 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेज़बानी करेगा, जिसके ज़रिए देश टेक्नोलॉजी सेक्टर में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल अलग होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी कंटेंट और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

तीन मंजिला इमारत ढहने से कोचिंग छात्र समेत दो की मौत, कई घायल

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा नगरी कोटा के तलवंडी इलाके में शनिवार देर रात एक हृदय विदारक हादसा हुआ, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। यहाँ स्थित एक तीन मंजिला इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई, जिसमें दबने से पश्चिम बंगाल के 20 वर्षीय कोचिंग छात्र आर्यन और एक अन्य व्यक्ति की दुखद मौत हो गई। हादसे के समय इमारत के भूतल पर संचालित एक रेस्टोरेंट में कई लोग भोजन कर रहे थे, जो मलबे के नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने मौके पर पहुँचकर रात भर सघन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर स्थिति अत्यंत भयावह थी; मलबे के बीच फंसे लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं और कुछ लोगों के हाथ-पैर बाहर दिखाई दे रहे थे। इस दुर्घटना में कुल 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 5 अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। मृतकों में शामिल छात्र आर्यन कोटा में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था और रोज की तरह वहां खाना खाने गया था। इमारत गिरने के पीछे निर्माण कार्य और निरंतर हो रहे कंपन को बड़ी वजह माना जा रहा है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा- अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने डॉ. जाकिर हुसैन को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को देश के तीसरे राष्ट्रपति रहे डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने डॉ. जाकिर हुसैन के योगदान को स्मरण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. जाकिर हुसैन का जन्म 08 फरवरी 1897 को हुआ था। वे भारत के तीसरे राष्ट्रपति थे और देश के पहले ऐसे राष्ट्रपति रहे जो शिक्षाविद् पृष्ठभूमि से आए थे। वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति और जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

विशेष चुनावी पैकेज : मेयर, अध्यक्ष, वार्ड पार्षद प्रत्याशियों के लिए

सशक्त प्रचार का अवसर

नगरपालिका चुनाव-2026 के दौरान हर दिन

6-6 प्रसिद्ध अख़बारों / न्यूज़ पोर्टलों पर

व्यापक पहुंच, मजबूत विश्वसनीयता और सीधा जनसंपर्क!!

अपना विज्ञापन प्रकाशित कराएं —मात्र ₹10,000/- में।

हमारे संघ के प्रमुख अख़बार / न्यूज़ पोर्टल :

राष्ट्रीय मुख्यधारा PRINT | WEB | VIDEO · ग्रामवार्त्ता voice of the villagers · PRESS www.vyawasthavarta.in व्यवस्था वार्त्ता · अपराह्नवार्त्ता · अभिरक्षक लोक · नगाड़ा आदिवासी आवाज़

आज ही बुक करें और अपनी बात हर घर तक पहुंचाएं।

+91 9288319159, +91 8873319159

आर्मेनिया ने पहली बार सीडीएस जनरल चौहान के सामने दिखाए भारत से खरीदे हथियार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत से खरीदे गए हथियारों का आर्मेनिया ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शन किया है। भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल अनिल चौहान इस समय आर्मेनिया दौरे पर हैं। उनके सामने आर्मेनियाई और भारतीय हथियारों के अलग-अलग यूएवी और आर्मेनिया में बनाए गए हवाई बमों के लिए सुधार मॉड्यूल भी दिखाए गए। प्रदर्शित किये गए हथियारों में भारत से मिले आकाश एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम, पिनाका मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम और सेल्फ प्रोपेल्ड हॉवित्जर हैं। हाल के वर्षों में आर्मेनिया के साथ भारत के रक्षा संबंध और भी गहरे हुए हैं। आर्मेनिया ने साल 2022 में पहले विदेशी खरीदार के तौर पर भारत को 720 मिलियन डॉलर में 15 आकाश मिसाइल

भारत और आर्मेनिया में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और रणनीतिक सहयोग मजबूत करने पर हुई वार्ता

प्रणालियों का ऑर्डर दिया था। यह आकाश-1एस प्रणाली लड़ाकू विमानों, निर्देशित मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई खतरों के खिलाफ विश्वसनीय सुरक्षा प्रदान करती है। डीआरडीओ निर्मित यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों का 30 किलोमीटर पहले ही पता लगाकर उसे नीचे ला सकती है। आकाश मीडियम रेंज की हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, भारत डायनामिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने तैयार किया है। चीन के साथ तनाव की शुरुआत के समय से ही पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारत ने स्वदेश निर्मित आकाश एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर रखा है। भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट 155 मिमी/52 कैलिबर टोड गन की उपयोगिता अपने पड़ोसी अजरबैजान से आत्मरक्षा में लगे आर्मेनिया को भी पसंद आई है। इसलिए नवंबर, 2022 में आर्मेनिया ने आर्टिलरी गन की आपूर्ति के लिए भारत को 155.5 मिलियन डॉलर का ऑर्डर दिया था, जो 155 मिमी हथियार प्रणाली के लिए किसी स्थानीय कंपनी को दिया गया पहला ऑर्डर था। भारत से 06 एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) खरीदने के बाद आर्मेनिया ने मार्च, 2024 में 84 गन के दूसरे बड़े बैच का ऑर्डर दिया है।

इंडिया-यूएस ट्रेड डील के खिलाफ किसानों का एलान, 12 फरवरी को देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर देश के प्रमुख किसान संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम), उसके नॉन-पॉलिटिकल धड़े और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) सहित कई संगठनों ने इस प्रस्तावित ट्रेड डील को भारतीय कृषि और डेयरी सेक्टर के लिए गंभीर खतरा बताया है। ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस और शनिवार को जारी बयान में एसकेएम नेताओं ने आरोप लगाया कि यह समझौता भारतीय कृषि को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सामने आत्मसमर्पण करने जैसा है। उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। किसान संगठनों का कहना है कि सरकार का यह दावा गलत है कि कृषि और डेयरी क्षेत्र को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से बाहर रखा गया है।

we will make your Epaper & NEWS PORTAL

MAXIMUM PERFORMANCE

आपकी डिजिटल और प्रिंट पहचान एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर

हम तैयार करते हैं:
- ✔ प्रिंट-रेडी ई-पेपर व न्यूज़लेटर (PDF अख़बार)
- ✔ साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र/पत्रिका
- ✔ किताबों व रिपोर्ट की PDF
- ✔ ब्रोशर, फ्लायर, कैटलॉग व ई-सोवीनियर
- ✔ रिसर्च जर्नल व डॉक्यूमेंट सेटअप
- ✔ News Portal (Making to News Uploading)

किसके लिए:
- मीडिया हाउस
- संस्थान व स्कूल
- लेखक व कवि
- कार्यक्रम आयोजक
- शोधकर्ता
- Web Journalists/Publishers

PDF PRESS SERVICES

✔✔ क्यों चुनें ?
- प्रोफेशनल लेआउट • आकर्षक डिज़ाइन
- समय पर डिलीवरी • बजट फ्रेंडली पैकेज
- आपकी जरूरत के मुताबिक कस्टम काम

संपर्क करें आज ही

pdfpresssolutions@gmail.com +91 9288319159, 9576159316

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

संक्षिप्त समाचार

पीएलवी की सजगता से बुजुर्ग महिला की जान बची

जामताड़ा : जामताड़ा रेलवे स्टेशन पर पैरालीगल वॉलंटियर की सतर्कता और प्रशासन की तत्परता से एक बुजुर्ग महिला की जान बच गई। देवघर जिले के बागदाहा गांव निवासी आरती देवी घरेलू प्रताड़ना से मानसिक रूप से टूटकर आत्महत्या के इरादे से रेलवे स्टेशन पहुंची थी। ड्यूटी पर तैनात पीएलवी अमित कुमार ने महिला की स्थिति भांपते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया और उसे आत्मघाती कदम उठाने से रोक लिया।

घटना की सूचना मिलते ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव पवन कुमार सक्रिय हुए और महिला थाना प्रभारी सीमा कुमारी को अवगत कराया। इसके बाद वे स्वयं स्टेशन पहुंचे और पीड़िता से बातचीत कर पूरी जानकारी ली। महिला ने पुत्र और पुत्रवधू से प्रताड़ना के कारण घर छोड़ने की बात कही।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की पहल पर जामताड़ा पुलिस से समन्वय कर महिला को सुरक्षित उसके घर भिजवाया गया। ठंड से परेशान महिला को मौके पर कंबल भी उपलब्ध कराया गया। इस दौरान प्रशासन की मानवीय भूमिका भी सामने आई।

पीएलवी अमित कुमार की सूझबूझ और संवेदनशीलता की स्थानीय लोगों ने सराहना की। समय रहते की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया और एक बुजुर्ग महिला का जीवन सुरक्षित बचाया जा सका।

शहीद सोमा उरांव की पुण्यतिथि पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दी श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मांडर प्रखंड के शकरपदा गांव में शहीद स्वर्गीय सोमा उरांव की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने शहीद सोमा उरांव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के प्रति समाज को हमेशा विशेष सम्मान और संवेदना रखनी चाहिए। उन्होंने शहीद की पत्नी द्वारा विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही एक सशक्त, जागरूक और विकसित समाज की मजबूत नींव होती है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों और उनके गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके। मौके पर यह भी बताया गया कि हवलदार स्वर्गीय सोमा उरांव ने 8 फरवरी 2010 को जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में देश की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए थे। उनके बलिदान की स्मृति में प्रत्येक वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। श्रद्धांजलि सभा में शहीद की पत्नी पूनिया उरांव, मांडर प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, पौलूस तिर्की, बंधु टोप्पो, लालू तिर्की, कलीम अंसारी, कुर्बान अंसारी, राजू मिंज, विनोद तिर्की, कुंदन तिर्की, मनोज तिर्की, कलिंदर तिर्की सहित राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बजरंग दल–गौ रक्षा दल ने नौ गायों को कराया मुक्त, दो आरोपित हिरासत में

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा)थाना क्षेत्र अंतर्गत मोची साईं इलाके में शनिवार देर रात गौ तस्करी के खिलाफ बजरंग दल और गौ रक्षा दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करों के चंगुल से नौ गायों को सुरक्षित मुक्त कराया। इस दौरान दो संदिग्ध तस्करों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया। पूरी कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। जानकारी के अनुसार बजरंग दल के गौ रक्षकों को देर रात सूचना मिली थी कि कुछ लोग गौ तस्करी के उद्देश्य से गायों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही गौ रक्षकों ने तत्परता दिखाते हुए मामले की जानकारी तत्काल स्थानीय थाना प्रभारी को दी। इसके बाद बजरंग दल, गौ रक्षा दल और प्रशासन की संयुक्त टीम ने मोची साईं इलाके में घेराबंदी कर कार्रवाई की और कसाइयों के हाथों से पहले ही नौ गाय को सुरक्षित बचा लिया। मौके से पकड़े गए दोनों व्यक्तियों से जब प्राथमिक पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम नारायण सुंडी और शेरो सिटी बताया। दोनों आरोपित सनको साईं गांव के निवासी बताए गए हैं। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे गायों को जगन्नाथपुर के कुचेरा गांव से चाईबासा की कसाई बस्ती की ओर ले जा रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि उनके साथ दो भैंसों को भी ले जाया जा रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी नेटवर्क में और कौन कौन शामिल है। इस मौके पर बजरंग दल के जिला गौ रक्षक अध्यक्ष समीर पॉल, भाजपा युवा नेता द्वारिका शर्मा, संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में गौ रक्षक और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से बिजली बिल होगा शून्यः मनुज त्यागी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो० काजीरुल शेख : पाकुड़: शहर के होटल मुस्कान में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम के दौरान श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स (गोड्डा) की फ्रेंचाइजी पार्टनर मनुज त्यागी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाकर आम नागरिक अपने बिजली बिल को पूरी तरह शून्य कर सकते हैं।मनुज त्यागी ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश में परंपरागत बिजली की खपत को कम करना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और आम लोगों को आर्थिक राहत प्रदान करना है।उन्होंने बताया कि योजना के लाभ के लिए सरकार द्वारा एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है। इच्छुक उपभोक्ता पोर्टल पर आवश्यक जानकारी भरकर श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स, गोड्डा का चयन कर सकते हैं। इसके बाद इंस्टॉलेशन से जुड़ी पूरी प्रक्रिया श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स द्वारा पूरी की जाएगी।त्यागी ने बताया कि योजना के तहत सरकारी सब्सिडी का प्रावधान है और आवश्यकता पड़ने पर बैंक ऋण लेकर भी सोलर सिस्टम लगाया जा सकता है। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए उपभोक्ता मोबाइल नंबर 8340748665 पर संपर्क कर सकते हैं।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स गोड्डा जल्द ही पाकुड़ शहर में रिटेलरों की नियुक्ति करेगी, जिससे आम लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधा मिल सके।कार्यक्रम में बताया गया कि व्यावसायिक प्रतिष्ठान जैसे आटा चक्की, तेल चक्की, होटल, क्रेशर आदि सौर ऊर्जा अपनाकर हर साल लाखों रुपये की बचत कर सकते हैं।

मनुज त्यागी ने कहा कि सौर ऊर्जा आज समय की सबसे बड़ी जरूरत है। लोगों को आगे आकर इस योजना का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि पाकुड़ जिले से बड़ी संख्या में लोगों ने संपर्क किया है और जल्द ही जिले में सोलर सिस्टम लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत जामा में चार दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : जिले के जामा प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष राजू पुजहर, मुखिया बिमला किस्कू और गोकुल सोरेन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य प्रशिक्षक जोन सोरेन ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचायत सचिव और पंचायत सहायकों को गांव के समग्र विकास से जुड़े अहम विषयों पर जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य पंचायतों में योजनाओं का प्रभावी संचालन, पारदर्शिता, वित्तीय प्रबंधन और जनहितकारी कार्यों को मजबूती देना है। प्रशिक्षण सत्र में पंचायती राज व्यवस्था का परिचय, पंचायत सहायक का संकल्प, संविधान की प्रस्तावना, समानता, स्वतंत्रता, न्याय, बंधुत्व और मौलिक अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

साथ ही सतत और सशक्त पंचायत की अवधारणा पर जोर देते हुए पंचायत हेल्प डेस्क को सुदृढ़ करने और पंचायत सचिवालय को अधिक सक्रिय बनाकर आम लोगों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच आसान बनाने की बात कही गई। कार्यक्रम में राज्य पदाधिकारी सौरभ बाग, प्रशिक्षक सेबेस्टियन सोरेन, धीरज महतो सहित कई मुखिया, पंचायत प्रतिनिधि और कर्मी मौजूद रहे।

श्री श्री नवाह्न परायण महायज्ञ के शुभारंभ कलश स्थापना कर किया गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत पारगामा में प्राचीनकालीन शिव मन्दिर प्रागंण में कलश स्थापना कर नो दिवसीय श्री श्री नवाह्न परायण महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। इस महायज्ञ का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी शिव रात्री के उपलक्ष्य में महायज्ञ आयोजन स्थल से कलश यात्रा निकाल कर दूधी जुड़िया से पवित्र जल लेकर कलश स्थापित किया गया। कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र वैदिक मंत्रोच्चारण एवं धार्मिक नारों से गुंजायमान हुआ।

श्री श्री नवाह्न परायण महायज्ञ शुभारंभ कलश स्थापना के साथ किया गया, यह महायज्ञ का आयोजन पिछले पांच दशक से किया जा रहा है। सोमवार को नवाह्न परायण महायज के जागरण रात्रि एवं मंगलवार को नवाह्न परायण महायज पूर्णाहुति एवं कलस बिसर्जन किया जाएगा। यज्ञ में घृतढाली एवं व्यास आसान पर अरून पाण्डे एवं विजय पाण्डे द्वारा किया जाएगा।

प्रवचनकर्ता के रूप में संजय पाण्डे, हेमन्त दुवे, सुधीर दास, दयाल दास, अतित मुखार्जी, भबानन्द दास एवं गायक, गायिका रूप में शिला देवी, दिनबन्धु दास, तरनी दास शामिल हे।

इस दौरान सोलोआना कमिटी के राकेश रंजन महतो ने बताया महायज्ञ का आयोजन प्रत्येक वर्ष धूमधाम एवं से श्रद्धापूर्वक मनाते आए हे,ग्रामीणों के सफल सहयोग से तकरीबन पांच दशक से अधिक समय से सफल आयोजन हो रहा हे।

मौके पर पारगामा पंचायत के मुखिया लालू माझी, पंचायत समिति सदस्य बुधनी सिंह मुंडा, उप मुखिया महेंद्रनाथ महतो, ग्राम प्रधान भरत चंद्र महतो , पूर्व पंचायत समिति सदस्य मनोरंजन सिंह, राकेश रंजन महतो, अनादि कुमार महतो, साहेबराम महतो, राजाराम महतो, परीक्षित महतो, शंशाकर महतो, युधिष्ठिर महतो सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने माँ छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना कर समस्त राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रजरप्पा : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन संग शनिवार को रजरप्पा पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ छिन्नमस्तिका मंदिर में विधिवत् पूजा-अर्चना कर माता रानी से समस्त राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। मुख्यमंत्री ने नारियल बलि देकर रक्षा सूत्र बंधवाया तथा शीश झुकाकर माँ छिन्नमस्तिका से आशीर्वाद मांगा। मौके पर धार्मिक पुरोहितों ने परम्परा के अनुरूप पूरे विधि-विधान से पूजा सम्पन्न कराई। इस अवसर पर रजरप्पा मंदिर न्यास समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन को सप्रेम प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही जिला प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ओनर दिया गया। मौके पर विधायक ममता देवी,डीसी फैंक अहमद मुमताज, एसपी अजय कुमार सिंह, एसडीओ अनुराग तिवारी, बिनोद किस्कू, मुखिया जीतलाल टुडू, पुजारी असीम पंडा, सुबोध पंडा, सुभाशीष पंडा,थाना नवीन पांडेय आदि मौजूद थे।

अमित ब्रदर्स ने जीता सारजोम बेडा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 का खिताब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : बिरसा मुंडा आउटडोर स्टेडियम, दुमका में आयोजित तीन दिवसीय सारजोम बेडा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 का रविवार को समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में अमित ब्रदर्स, बोंडामुंडा (ओडिशा) ने लिंडा ब्रदर्स, रांची (झारखंड) को 1–0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।हजारों दर्शकों की मौजूदगी में खेले गए मुकाबले में दोनों टीमों ने संतुलित खेल दिखाया, लेकिन निर्णायक गोल के साथ अमित ब्रदर्स ने बढ़त बनाते हुए जीत सुनिश्चित की।विजेता टीम को मुख्य अतिथि जामा विधायक डॉ. लुईस मरांडी द्वारा 5 लाख की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता लिंडा ब्रदर्स को 4 लाख की राशि दी गई।सेमीफाइनल मुकाबलों में लिंडा ब्रदर्स ने एसएसबी तालबान्ध, बीरभूम को 1–0 से हराया, वहीं अमित ब्रदर्स ने राइजिंग संथाल एफसी, कोलकाता को 3–1 से पराजित किया। टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार एडविन तिर्की को दिया गया।समापन समारोह में कई जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्हें आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इस प्रकार खेल भावना और उत्साह के साथ प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ।

गोविंदपुर बस्ती में सोलर स्ट्रीट लाइट का शिलान्यास, बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में डीवीसी की नई पहल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : डीवीसी बोकारो थर्मल की सीएसआर योजना के माध्यम से रविवार को विकास के कार्यों को ग्रामीण अंचलों तक पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया। गोविंदपुर-ई पंचायत के अंतर्गत गोविंदपुर बस्ती में विकास कार्यों को नया विस्तार देते हुए मुख्य अतिथि डीवीसी के जीएम (एचआर) ए.ए. कुजूर और सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने महत्वपूर्ण योजना का शुभारंभ किया। पंचायत के मुखिया विश्वनाथ महतो एवं पंसस अनीता देवी की उपस्थिति में संयुक्त रूप से 25 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने के कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया गया। इस योजना के शुरू होने से गांव की गलियां अब रात के अंधेरे में भी दूधिया रोशनी से नहाई रहेंगी।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने डीवीसी की इस पहल का पुरजोर स्वागत किया, लेकिन साथ ही गांव के प्रमुख चौराहों पर हाईमास्ट लाइट लगाने की अपनी पुरानी मांग को एक बार फिर अधिकारियों के समक्ष पुरजोर तरीके से रखा। ग्रामीणों की बात सुनते हुए जीएम (एचआर) और सीएसआर प्रबंधक ने आश्वासन दिया कि डीवीसी अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सोलर स्ट्रीट लाइट लगने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि सुरक्षा की भावना भी बढ़ेगी। जहां तक हाईमास्ट लाइट का प्रश्न है, इसे आगामी सीएसआर बैठक में प्राथमिकता के आधार पर शामिल कर प्रस्तावित किया जाएगा। इस अवसर पर सुनील महतो, जलेश्वर महतो, नीलकंठ महतो, द्वारिका प्रसाद महतो सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

सिजुआ पहाड़ी के नीचे जुआ अड्डे पर छापा, छह गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : में जुआ के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 8 फरवरी 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर राजेन्द्र नगर के आर्या विहार स्थित सिजुआ पहाड़ी के नीचे जुआ खेले जाने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक बोकारो को अवगत कराया गया, जिसके बाद वालीडीह थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिजुआ पहाड़ी के पास घेराबंदी कर छापा मारा, जहां छह लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। मौके से जुआ खेलने में इस्तेमाल की जा रही सामग्री भी बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों में सोनु कुमार, राहुल कुमार, अनिल कुमार, मनीष कुमार राय, राजेश कुमार और रिक्की स्वर्णकार शामिल हैं, जो बोकारो और बिहार के अलग-अलग इलाकों के निवासी बताए गए हैं।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 32 हजार 690 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन, तास के दस पैकेट, दो स्कूटी और चार चटाई जब्त की है।

सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इस छापामारी अभियान में संदीप कुमार, जितेन्द्र कुमार यादव, वीरमणि कुमार, अजय कुमार राय, चन्द्रदेव कुमार, नवीन कुमार, वनेश्वर महतो, अजय पासवान, कृष्णदेव राय, विपत शोभानंद मिज और वैजनाथ राउत सहित कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

संक्षिप्त समाचार

महिला दिवस की तैयारी को लेकर कसमार में बैठक का आयोजन

कसमार (बोकारो) : कसमार स्थित स्कूल चौक में आगामी 08 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन की तैयारी को लेकर ग्रामीणों बैठक गोलक नाथ ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान सेवानिवृत्त वरीय पुलिस अधिकारी सूर्य भूषण शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक महिला दिवस में कार्यक्रम, रैली से लेकर जागरूकता अभियान को लेकर सभी ने जनसंपर्क अभियान को तेज करने का संकल्प लिया। इस दौरान वरीय सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी सूर्य भूषण शर्मा ने कहा कि महिलाओं के हक अधिकार से लेकर उनके मुद्दे पर आयोजित इस तरह के कार्यक्रम में उनका हर संभव सहयोग रहेगा। उन्होंने सभी लोगों को इस कार्यक्रम के व्यापक प्रचार प्रसार व जागरूकता के लिए सक्रिय रहने की बात कही। बैठक में कमलेश जायसवाल, बिगन कपरदार, आरिफ अंसारी, परमेश्वर गोसाई, विजय पासवान, साधु चरण गोसाई, महेश गोस्वामी, धीरेंद्र नाथ महतो, योगेंद्र कुमार मिश्रा, कृष्णा कुमार पांडेय, दिलीप महाराज, सागर महतो व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

कसमार में 25 साल बाद सहपाठियों का हुआ मिलन समारोह

कसमार (बोकारो) : कसमार स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के वर्ष 2000 मैट्रिक बैच के सहपाठियों का मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम रविवार को मंजूरा के आईटीआई कॉलेज लाहरटांड़ में आयोजित की गयी।

इस अवसर पर पूर्ववर्ती छात्रों ने एक दूसरे से मिलकर बचपन की यादें ताजा की और जमकर मस्ती की। इस दौरान सभी सहपाठियों ने स्कूली जीवन की खट्टी मीठी यादों के सुनहरे दिनों को यादें ताजा की। इस अवसर पर सहपाठियों ने विद्यालय में बिताए खूबसूरत पलों को याद करते हुए कहा कि माता पिता व गुरुजनों की शिक्षा व आशीर्वाद से कसमार हाई स्कूल के सभी पूर्ववर्ती छात्र अपनी अपनी विभिन्न सेवाओं व अन्य कार्यों में एक सफल मुकाम व पहचान स्थापित किया है। इस अवसर पर पूर्ववर्ती छात्रों ने सहपाठियों के संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। मौके पर मो शेरे आलम, कपिल देव मुंडा, अजीत कुमार प्रजापति, वरुण कुमार चौबे, विक्रांत साव, महमूद आलम, प्रसन्नजीत सहार, परमेश्वर महतो, वीरेंद्र महतो, मनोज कुमार, मुकेश महतो, धनंजय महतो, जहीर अब्बास, नयनेन्दु मुखर्जी, इमरान अंसारी, निर्मल महाराज, गौतम गंझू, कालिदास टुडू, मनीष भगत, भोला साव, संजय कपरदार, प्रदीप प्रजापति, मुकेश कुमार, चंदन व अन्य सहपाठी मौजूद थे।

मांदर-नगाड़ों की गूंज में सरना स्थल बना सांस्कृतिक संगम

- स्टील सिटी बोकारो में आदिवासी हो समाज ने धूमधाम से मनाया मागे पर्व

बोकारो। स्टील सिटी बोकारो के सेक्टर-8 स्थित सरना स्थल में आदिवासी हो समाज कमिटी की ओर से पर्व मागे पोरोब पारंपरिक रीति-रिवाज और उल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। कोल्हान सहित झारखंड के विभिन्न जिलों के आदिवासी समुदाय के लोगों ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिऊरी (पुजारी) गंगाधर पुरती, सहयोगी नरसिंग पुरती एवं मनोज पुरती द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद मांदर-नगाड़े (दमा-दुमंग) की गूंजती थाप पर सामूहिक पारंपरिक नृत्य और गीतों ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया। युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे-सभी पारंपरिक वेशभूषा में झूमते नजर आए, जिससे शहर में भी गांव के पर्व जैसा माहौल बन गया। कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि हो फिल्म एवं एल्बम एक्ट्रेस मिताली होनहागा की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। आयोजन समिति के संरक्षक ललित पूर्ति व संजय पूर्ति ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति प्रकृति से गहराई से जुड़ी है और बोकारो में हो समाज की बड़ी आबादी होने के कारण अपनी भाषा व संस्कृति को सहेजने की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि 'मागे' का अर्थ है स्त्री तुम ही हो तथा यह पर्व सृष्टि की उत्पत्ति और मानव रचना का प्रतीक है। समिति अध्यक्ष मुनेश बारी ने कहा कि मागे पर्व फसलों की कटाई और खेत-खलिहान के कार्य पूर्ण होने के बाद मनाया जाता है। हो समुदाय की मान्यता के अनुसार सृष्टि रचना के समय प्रथम मानव लुकू और लुकुमी की उत्पत्ति हुई, जिनकी संतान हम सभी हैं। मौके पर सचिव अनु बिरुली, कोषाध्यक्ष सुखसेन देवगाम, उप-कोषाध्यक्ष ब्रजमोहन तुबिद, निरंजन कुंकल, कृष्णा गगराई, तिरला चांपिया, दीपक मेलगांडी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। पर्व को सफल बनाने में दिकू, माणिक, बीरेंद्र, सीडीयू, बिशु, राजीव, कमल, जगत, सुनीता, लक्ष्मण, सिकन्दर, नंदनेश्वर, रमेश, मिरन समेत कई सदस्यों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

बोकारो में कुल 10439 अभ्यर्थियों ने दी सीटेट की परीक्षा, दूसरे दिन 736 रहे अनुपस्थित

सुचारू व सफल आयोजन को ले सिटी कोऑर्डिनेटर ने प्रशासन सहित सभी सहयोगियों के प्रति जताया आभार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से विद्यालयों में शिक्षण पेशे के लिए योग्य एवं कुशल उम्मीदवारों के चयन को लेकर आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट)- फरवरी 2026 बोकारो में रविवार को पूर्णतया शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 7 एवं 8 फरवरी को आयोजित दो दिनों की इस परीक्षा में कुल पंजीकृत 11522 में से 10439 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 1083 अनुपस्थित रहे। रविवार को दूसरे दिन दोनों ही पालियों को मिलाकर कुल पंजीकृत 7803 में 7067 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 736 अनुपस्थित रहे। इसके पूर्व, शनिवार को परीक्षा के पहले दिन शिफ्ट- 1 के एग्जाम में कुल निबंधित 3719 में 3372 परीक्षार्थी शामिल थे और 347 अनुपस्थित रहे। सीटेट के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के अनुसार, रविवार को प्रथम पाली में कुल आवंटित 5040 में 4594 कैंडिडेट परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 446 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली के लिए कुल पंजीकृत 2763 अभ्यर्थियों में से 2473 उपस्थित तथा 290 अनुपस्थित रहे।

दूसरे दिन की परीक्षा को लेकर केन्द्रवार जानकारी साझा करते हुए डॉ. गंगवार ने बताया कि डीपीएस बोकारो सेक्टर- 4 स्थित परीक्षा केंद्र में प्रथम पाली में 432, द्वितीय में 425, चिन्मय विद्यालय सेक्टर 5 में प्रथम पाली में 492, द्वितीय में 486, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 4 में प्रथम पाली में 483 एवं द्वितीय में 480, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 5 स्थित सेंटर पर पहली पाली में 494 और दूसरी में 476, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 4 में पहली पाली में 489 व द्वितीय पाली में 491, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 में पहली पाली में 446 तथा दूसरी पाली में 115 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। इसके अलावा, रविवार को पहली पाली में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 में 440, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल चास में 438, होली क्रॉस स्कूल रेलवे कॉलोनी में 433 तथा श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल सेक्टर 5 में 447 कैंडिडेट परीक्षा में शामिल रहे। इन परीक्षा केंद्रों पर सेकेंड शिफ्ट की परीक्षा नहीं हुई।

परस्पर समन्वयन एवं सहयोग से ही सफल रही परीक्षा : डॉ. गंगवार

दोनों दिन की परीक्षाओं के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने इसके लिए जिला प्रशासन के भरपूर सहयोग के साथ-साथ सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों तथा वीक्षकों सहित समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सभी के परस्पर समन्वयन एवं सहयोग से ही परीक्षा पुनः पूरी सफलता के साथ संपन्न हुई। विदित हो कि सीटीईटी सीबीएसई की ओर से ली जाने वाली एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है, जिसमें सभी अभ्यर्थी विद्यालयों में शिक्षक के पद पर बहाली हेतु सुयोग्य माने जाते हैं। सीटेट (सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) में दो पेपर की परीक्षा आयोजित की जाती है। पहला पेपर उन अभ्यर्थियों के लिए होता है, जो पहली से 5वीं तक पढ़ाने के लिए आवेदन करते हैं। वहीं, दूसरा पेपर उनके लिए होता है, जो कक्षा 6 से 8वीं तक पढ़ाने के लिए अपना आवेदन करते हैं।

लेंस प्रत्यारोपण के लिए 59 मरीजों को जीएम (एचआर) ने पुरुलिया के लिए किया रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : नर सेवा ही नारायण सेवा है, इसी संकल्प को दोहराते हुए रविवार को बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी ऑफिसर्स क्लब से सेवा की एक नई कड़ी जोड़ी गई। डीवीसी सीएसआर, डीवीसी अस्पताल और नेताजी आई अस्पताल, रामचंद्रपुर (पुरुलिया) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पुनीत कार्य के तहत 59 मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए पुरुलिया भेजा गया। इन मरीजों की आंखों की ज्योति लौटाने के इस मिशन को डीवीसी के जीएम (एचआर) ए.ए. कुजूर और सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सभी वे मरीज हैं, जिनका चयन बीते 4 फरवरी को आयोजित विशाल नेत्र मोतियाबिंद जांच सह ऑपरेशन शिविर में किया गया था।

डीवीसी प्रबंधन ने घोषणा की है कि चयनित सभी मरीजों के ऑपरेशन का पूरा खर्च, दवाएं, चश्मा और रहने-खाने की व्यवस्था मुफ्त में की जाएगी। इस अवसर पर जीएम (एचआर) ए.ए. कुजूर ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि डीवीसी का उद्देश्य केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भागीदारी निभाना भी हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने जोर दिया कि डीवीसी अपने सामाजिक दायित्वों (CSR) के निर्वहन हेतु स्वास्थ्य, शिक्षा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करता आ रहा है और भविष्य में भी ऐसे मानवीय शिविरों का सिलसिला जारी रहेगा, ताकि जरूरतमंदों को आधुनिक चिकित्सा का लाभ मिल सके। मौके पर रमेश यादव, संदीप कुमार, किशोर ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में उल्लास के साथ मना महाशिवरात्रि महोत्सव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बोकारो थर्मल शाखा में रविवार को महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और आध्यात्मिक चेतना के साथ मनाया गया। स्थानीय सेवा केंद्र पर आयोजित इस महोत्सव का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य शहजादी बानो, विशिष्ट अतिथि डीवीसी सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी, संस्थान की वरिष्ठ बहन कुसुम व सुमन, सीआईएसएफ के निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून और मुखिया चंदना मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। पूरा वातावरण शिव भक्ति के भजनों और आध्यात्मिक तरंगों से सराबोर नजर आया।

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने महाशिवरात्रि के गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों पर प्रकाश डाला। संस्थान की बहन कुसुम और सुमन ने कहा कि शिवरात्रि का वास्तविक अर्थ अज्ञानता के अंधकार को समाप्त कर ईश्वरीय ज्ञान के प्रकाश की ओर अग्रसर होना है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य शांति के लिए बाहर की दुनिया में भटक रहा है, जबकि सच्ची शांति हमारे भीतर मौजूद शिव तत्व को पहचानने में है। उन्होंने आह्वान किया कि परमात्मा शिव की आराधना का सच्चा अर्थ अपने भीतर के विकारों और बुराइयों का त्याग करना है। सकारात्मक सोच और ईश्वरीय स्मृति ही हमें तनाव-मुक्त और स्वस्थ जीवन दे सकती है। इस अवसर पर डॉ. संगीता रानी और शहजादी बानो ने भी जीवन को व्यसन मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों को ईश्वरीय सौगात और प्रसाद वितरित किया गया। मौके पर शैलेश भाई, बहन सीमा, प्रियंका प्रिया सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की चन्द्रपुरा प्रखंड कमेटी का गठन, आंदोलनकारियों ने मांगा 50 हजार सम्मान पेंशन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखण्ड राज्य निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले आंदोलनकारियों को संगठित करने और उनके अधिकारों की लड़ाई को धार देने के उद्देश्य से रविवार को चन्द्रपुरा प्रखंड के तारानारी स्थित शनिचर बाजार में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की चन्द्रपुरा प्रखंड कमेटी का सर्वसम्मति से चुनाव संपन्न हुआ।

मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सह पूर्व मुखिया जगदीश महतो की अध्यक्षता और रासबिहारी रजक के संचालन में आयोजित इस सभा में आंदोलनकारियों का जोश देखते ही बन रहा था। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजदेव माहथा ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि धरातल स्तर पर मोर्चा को सशक्त बनाने के लिए जिले के सभी प्रखंडों में लोकतांत्रिक तरीके से कमेटियों का गठन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज चन्द्रपुरा की टीम तैयार की गई है, जो भविष्य के आंदोलनों और रणनीतियों को अमलीजामा पहनाएगी।

बैठक के माध्यम से जिलाध्यक्ष राजदेव माहथा ने प्रदेश सरकार के समक्ष आंदोलनकारियों की ज्वलंत समस्याओं को रखते हुए स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने मांग की कि आंदोलनकारियों के लिए जेल जाने की बाध्यता को तत्काल समाप्त किया जाए। मोर्चा ने मांग की है कि प्रत्येक आंदोलनकारी को प्रति माह 50,000 रुपये सम्मान पेंशन राशि दी जाए। इसके अलावा, आंदोलनकारियों के आश्रितों को क्षैतिज आरक्षण के तहत सरकारी नौकरियों में सीधी नियुक्ति देने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि राज्य के निर्माण में खून-पसीना बहाने वालों को उनका वाजिब हक मिलना ही चाहिए।

नई कार्यकारिणी में चयनित पदाधिकारी-बैठक के दौरान सर्वसम्मति से नई प्रखंड कमेटी की घोषणा की गई, जिसमें अनुभवी और सक्रिय सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसमें अध्यक्ष बानेश्वर महतो, संरक्षक जगदीश महतो (पूर्व मुखिया), उपाध्यक्ष शमिद, डॉ प्रेमचंद महतो, भोलाराम महतो एवं प्रेमचंद महतो, महासचिव सुनील कुमार टुडू, सचिव रासबिहारी रजक, घनश्याम महतो एवं गोपाल महतो, संगठन सचिव मो. फारुख, कोषाध्यक्ष यदु महतो चुने गए। समारोह में जिला सचिव खगेन्द्र नाथ वर्मा, राजकिशोर महतो, संयुक्त सचिव परमेश्वर मंडल, टिकु राम महतो, तुलसी हजाम सहित सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जिला संयुक्त सचिव परमेश्वर मंडल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

15 साल से सेविका को नहीं मिला आंगनबाड़ी केंद्र का भवन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जरीडीह प्रखंड तांतरी दक्षिणी पंचायत के अम्बेदकर नगर में विगत 15 साल पहले बना आंगनबाड़ी केंद्र का भवन विभाग के द्वारा सेविका को नहीं मिलने के कारण केंद्र किराए के मकान में चल रहा है। सेविका लक्ष्मी देवी ने बताया कि केंद्र का भवन निर्माण होने के बाद से ही प्रखंड सीडीपीओ से कई बार आवेदन पत्र देकर मांग करती रही हूं, लेकिन आज तक भवन में लगे ताला का चाभी हमें नहीं मिला। किराए के मकान में केंद्र संचालित करने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इधर अंचल सीओ सह प्रभारी सीडीपीओ प्रणव ऋतुराज ने बताया कि सेविका के हांथ से आवेदन मिला है, जल्द ही उक्त भवन सेविका को देने का काम किया जाएगा।

हर्षोल्लास के साथ मना अम्बिका पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रविवार को अम्बिका पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कई आकर्षक कार्यक्रम मसलन नृत्य, नाटक, देश प्रेम के गीत, भजन आदि प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसएल के भू-अर्जन विभाग के महाप्रबंधक सह बोकारो स्टील अफसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एके सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी एक-एक प्रस्तुति काबिले तारीफ है। पढ़ाई के साथ साथ खेल में भी खूब नाम कमाएं। यही आशीर्वाद देता हूं। स्कूल के निदेशक दिनेश सिंह ने कहा कि प्राचार्य विजय सौरभ ने बीएस सिटी से दूर जैनामोड़ जैसे स्थान पर स्कूल का सफल संचालन और विद्यार्थियों को तराशने का काम किया है। प्रखंड प्रमुख देव शरण भगत, व्यवसायी संघ के अध्यक्ष पंकज जायसवाल, थाना प्रभारी बिपिन महतो ने भी विद्यार्थियों की प्रस्तुति की प्रशंसा की। मौके पर अभिभावक व स्कूल के शिक्षक शिक्षिकायें मौजूद रहे।

झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट कसमार प्रखंड कमिटी का हुआ गठन

» शेखर शरदेंदू प्रखंड अध्यक्ष एवं रमेश चंचल चुने गये सचिव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (जेयूजे) से जुड़े बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के पत्रकारों की एक बैठक रविवार को बहादुरपुर में हुई। इस दौरान पर्यवेक्षक के रूप में बोकारो जिला अध्यक्ष कृष्णा चौधरी, कोषाध्यक्ष पंकज सिन्हा एवं सचिव सब्बीर अंसारी मौजूद थे। बैठक में कसमार प्रखंड कमेटि गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से शेखर शरदेंदू को अध्यक्ष एवं रमेश चंचल सचिव के रूप में चुने गये। इसके अलावे मौके पर ही कसमार प्रखंड कमिटी का विस्तार भी किया गया। जिसमें हेमंत कुमार महतो को उपाध्यक्ष, विकास कुमार गोस्वामी को कोषाध्यक्ष तथा अशोक कुमार महतो को सह सचिव चुना गया। इसके अलावे सदस्य के रूप में कमलेश जायसवाल, राजेश्वर महतो, लालेंदू शेखर मुखर्जी, सुभाष महतो, अनिल महतो एवं जय प्रकाश प्रसाद महतो चुने गये। इस दौरान जिलाध्यक्ष

कृष्णा चौधरी ने कहा कि जेयूजे विश्व स्तर के जर्नालिस्ट संगठन से संबद्ध पत्रकारों का सबसे बड़ा संगठन है। जिसमें झारखंड सहित बोकारो जिले के प्रखंडों में कमिटी गठित कर मजबूत किया जा रहा है। कसमार प्रखंड के बाद बोकारो जिले के अन्य सभी प्रखंडों में सदस्य बनाकर कमेटी गठित की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हक अधिकार से लेकर उनके सुख दुख में यह संगठन हमेशा भागीदार बनकर एक छत्रछाया की तरह सुरक्षा कवच का काम करेगा। इसके लिए सभी पत्रकारों को एकजुट होकर संगठन की मजबूती की दिशा में कार्य करना है। इस दौरान आगामी 14 मार्च को जेयूजे के बोकारो जिला सम्मेलन को सफल बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की गयी। मौके पर पत्रकार मिथिलेश कुमार सिन्हा, राहुल कुमार बसु, अविनाश कुमार के अलावा अन्य कई पत्रकार मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

नगर निकाय चुनावः सभी मतदान केंद्रों पर रहेगी सुरक्षा की व्यवस्था, एफएसटी, एसएसटी, चेक पोस्ट, कंट्रोल रूम एक्टिव

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

» प्रत्याशियों को मतगणना तक रखना होगा खर्च का हिसाब, सभी 1016 बूथ रहेंगे मॉडल बूथ

» आमजन भी कर सकते हैं प्रेक्षकों से आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

धनबादः नगर निकाय चुनाव को निष्पक्ष, शतिपूर्ण एवं त्रुटि रहित तरीके से संपन्न कराने तथा मतदाताओं को निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। 23 फरवरी को चुनाव के दिन धनबाद नगर निगम के 468 भवनों में 974 तथा चिरकुंडा नगर परिषद के 32 भवनों में 42 मतदान केंद्रों में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबल रहेंगे। सभी मतदान केंद्रों में एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी तथा पीडब्ल्यूडी वॉटर के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी। चुनाव में सभी सुविधाओं के साथ हर बूथ मॉडल बूथ होगा।

उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन ने चुनाव की तैयारियों को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में मीडिया से कही।

उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड टीम, स्टेटिक सर्विलांस टीम, सीसीटीवी कैमरे, चेक पोस्ट के साथ अनुमंडल दंडाधिकारी के कार्यालय में कंप्लेन मॉनिटरिंग सेल तथा एक्सपेंडिचर सेल कार्यरत है। चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर आमजन कंप्लेंट मॉनिटरिंग सेल के साथ-साथ प्रेक्षकों से शिकायत कर सकते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र में 158 सामान्य, 648 संवेदनशील एवं 168 अति संवेदनशील मतदान केंद्र है। जबकि चिरकुंडा नगर परिषद में 40 सामान्य एवं दो संवेदनशील मतदान केंद्र है। अति संवेदनशील मतदान केंद्रों में एक्स्ट्रा पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।

मतदान के दिन 23 फरवरी 2026 को, बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कंपलेक्स से मतदान सामग्री डिस्पैच की जाएगी। वहीं मतदान संपन्न होने के बाद धनबाद पॉलिटेक्निक में मतदान सामग्री रिसीव की जाएगी। 27 फरवरी को पॉलिटेक्निक में ही मतों की गिनती की जाएगी। मतदान को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 6000 से अधिक मानवबल तथा 180 बस सहित 500 से अधिक वाहनों की व्यवस्था की गई है।

उपायुक्त ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कोषांग भी एक्टिव कर लिया गया है। पिछले चुनाव में जहां मतदान प्रतिशत कम रहा वैसे क्षेत्र में विशेष जागरुकता अभियान चलाकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि चुनाव को त्रुटि रहित संपन्न कराने के लिए मतदान कर्मियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा सभी 13 कोषांग अपने-अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

पत्रकार वार्ता के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार ने कहा कि हर मतदान केंद्र पर पुलिस पदाधिकारी रहेंगे। अति संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान क्विक रिस्पांस टीम भ्रमणशील रहेगी। इसके अलावा एक रशिंग पार्टी रहेगी।

उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल 24 घंटे कार्यरत है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप इत्यादि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हर सामग्री पर नजर रहेगी।

उन्होंने मीडिया से फेक न्यूज़, भ्रामक न्यूज़, पक्षपातपूर्ण न्यूज, आपसी सौहार्द और विधि व्यवस्था बिगाड़ने वाली न्यूज सामग्री से परहेज करने का अनुरोध किया। साथ ही कहा कि प्रत्याशी द्वारा मतदाताओं को प्रलोभन देने की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिले में 1016 लाइसेंसी शस्त्र है। इसमें से 189 ने अपने शस्त्र जमा कर दिए हैं। जबकि लाइसेंस धारी शस्त्र धारकों को 15 फरवरी तक अपने शस्त्र नजदीकी थाना में जमा कराना अनिवार्य है। उसके एक्सेंप्शन के लिए प्रशासन को आवेदन देना है। वैसे शस्त्रधारी जो अपने शस्त्र जमा भी नहीं कराते और आवेदन भी नहीं देते, उनका लाइसेंस कैंसिल करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

चुनाव के दौरान नगद रशि लेकर चलने पर उन्होंने कहा कि 1.99 लाख से अत्यधिक नगद राशि मिलने पर संबंधित व्यक्ति को उसके स्रोत व किस कार्य में उपयोग होगा, की वास्तविक जानकारी देनी होगी। वहीं 10 लाख से अधिक नगद राशि मिलने पर आयकर विभाग को सूचित किया जाएगा। चुनाव के नगद राशि के लेन-देन पर निगरानी रखने के लिए जिले के सभी बैंक को ऐसे अकाउंट पर विशेष नजर रखने का भी निर्देश दिया गया है।

पत्रकार वार्ता में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बावरी के अलावा सभी निर्वाची पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

आईआईटी (आइएसएम) में इसरो की "स्पेस ऑन व्हील्स" ने हजारों को किया प्रेरित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय स्कूल ऑफ माइंस), धनबाद में आयोजित इसरो की "स्पेस ऑन व्हील्स" मोबाइल अंतरिक्ष प्रदर्शनी उत्साह और वैज्ञानिक जिज्ञासा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का समापन रविवार सायं GJLT के समीप आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ।

प्रदर्शनी के दौरान 10,000 से अधिक छात्रों एवं 2,000 से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया और भारत की अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित हुए। प्रदर्शनी में उपग्रह प्रणालियों, पृथ्वी अवलोकन, रिमोट सेंसिंग, ग्रह मिशनों तथा इसरो की भावी अंतरिक्ष योजनाओं से संबंधित मॉडल, चित्र एवं विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

समापन समारोह में छात्र, अभिभावक, शिक्षक एवं आगंतुक उपस्थित रहे। सभी ने प्रदर्शनी की गुणवत्ता, संवादात्मक स्वरूप और शैक्षणिक महत्व की सराहना की। इस पहल ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईआईटी (आइएसएम) धनबाद ने आयोजन हेतु भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एवं राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (NRSC) के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्थान ने कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान देने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों एवं छात्रों के सहयोग को भी सराहा।

यह आयोजन संस्थान की जन-सम्पर्क एवं शैक्षणिक गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ और विज्ञान, नवाचार तथा अंतरिक्ष अन्वेषण के प्रति नई पीढ़ी को प्रेरित करने की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध हुआ।

बसंत 2026 में डीएलसी के लाइव स्टॉल रहे आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः बसंत 2026, वार्षिक एलुमनी मिलन समारोह के दौरान दीप्टी लेडीज़ क्लब (डीएलसी) द्वारा लगाए गए स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल तीनों दिनों तक लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। डीएलसी की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला मिश्रा के नेतृत्व में पूरी टीम ने बेहतरीन समन्वय के साथ लाइव फूड स्टॉल का संचालन किया।

स्टॉल पर गोलगप्पा (4 पीस) मात्र 20 में उपलब्ध था, जबकि दही बड़ा (2 पीस) 50 और आलू दम दही बड़ा 80 में परोसा गया। चाट प्रेमियों के लिए पापड़ी चाट 50 तथा झालमुड़ी 30 प्रति प्लेट में लोगों ने खूब पसंद की। मीठे में तिल लड्डू 15 प्रति पीस और गुलाब जामुन 30 में उपलब्ध रहे, जिन्हें हर आयु वर्ग के लोगों ने चाव से खाया।

इसके अलावा चावल बड़ा 50, चिकन बिरयानी 200 प्रति प्लेट, मालपुआ 30, चेना पोड़ा 50 तथा पानी पुरी (4 पीस) 20 ने भी खूब वाहवाही बटोरी। लाइव काउंटर पर आलू टिक्की चाट, लिट्टी चोखा, डोसा, इडली, वडा पाव, मोमो, फर्रा, चिकन पकौड़ा और गाजर का हलवा जैसे व्यंजनों की खुशबू पूरे परिसर में फैलती रही।

तीनों दिनों तक एलुमनी, अतिथियों और छात्रों की भीड़ स्टॉल पर उमड़ती रही। स्वाद और आत्मीय सेवा के संगम ने इस स्टॉल को कार्यक्रम की सबसे जीवंत जगह बना दिया। डीएलसी की पूरी टीम ने अपने समर्पण और आतिथ्य से बसंत 2026 को और भी यादगार बना दिया।

लोन रिकवरी एजेंट की अपहरण के बाद हत्या, गिरफ्तार आरोपी के घर से शव बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः अमित कुमार अग्रवाल नामक लोन रिकवरी एजेंट की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार को सदर थाना क्षेत्र के सूर्य हाइलैंड सोसाइटी स्थित विकास खंडेलवाल के आवास से अमित कुमार अग्रवाल का शव बरामद हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

इससे पहले परिजनों ने पहले ही अमित कुमार अग्रवाल के लापता होने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया था कि अमित कुमार के मोबाइल फोन पर 15 लाख रुपये की फिरौती की मांग की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर जांच तेज की।

वहीं डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम के अनुसार, मोबाइल लोकेशन के आधार पर विकास खंडेलवाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर अमित अग्रवाल का शव बरामद किया गया है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी और मृतक के बीच करीब एक करोड़ रुपये के लोन सेटलमेंट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि शनिवार दोपहर अमित कुमार अग्रवाल का अपहरण किया गया था और रविवार को शव बरामद होने के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

बसंत 2026 के समापन समारोह में 25 विभूतियों को सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में बसंत 2026 का समापन पेनमैन ऑडिटोरियम में भव्य समारोह के साथ हुआ, जहां 25 विशिष्ट पूर्व छात्र और पूर्व शिक्षकों को बसंत सम्मान–2026, डिस्टिंग्विश्ड एलुमनस अवॉर्ड–2025 तथा विशेष शताब्दी सम्मान से नवाजा गया।

कार्यक्रम को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो.प्रेम व्रत ने ऑनलाइन संबोधित किया। मंच पर निदेशक प्रो.सुकुमार मिश्रा, उपनिदेशक प्रो. धीरज कुमार, पीएम प्रसाद, पद्मश्री प्रो.हर्ष कुमार गुप्ता, पूर्व निदेशक प्रो. एसपी बनर्जी, प्रो.आरएम भट्टाचार्जी तथा प्रो. राजीव उपाध्याय उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि शताब्दी वर्ष में ऐसे सम्मान संस्थान की गौरवशाली विरासत और वैश्विक पहचान को और मजबूत करते हैं।

डिस्टिंग्विश्ड एलुमनस अवॉर्ड के तहत यंग एलुमनस अचीवर अवॉर्ड शुभांकर प्रत्युष पाठक को दिया गया, जबकि एंटरप्रेन्योरशिप अवॉर्ड बॉबी मोहंती को मिला। नागेंद्र कुमार मेमोरियल अवॉर्ड डॉ.अजय कुमार मोइत्रा, ओम प्रकाश सिन्हा और श्रीनिवासन पद्मनाभन को प्रदान किया गया। रिसर्च एंड एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड डॉ. इंद्रनील बर्धन, डॉ. ओपी मिश्रा और डॉ.जितेंद्र किकानी को मिला।

भास्कर भट्टाचार्य मेमोरियल अवॉर्ड संजीव कुमार सिंह को दिया गया। डायरेक्टर अवॉर्ड फॉर कंट्रीब्यूशन टू सोसाइटी केएपी सिन्हा (आईएएस) और डॉ.विपुल कुमार (आईपीएस) को प्रदान किया गया। जसवंत सिंह गिल मेमोरियल इंडस्ट्रियल सेफ्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड ऑल-वुमन माइन रेस्क्यू टीम को दिया गया।

विशेष शताब्दी सम्मान प्रो.एसपी बनर्जी, नरेश वशिष्ठ, अमृत सागर चोपड़ा, पीएम प्रसाद, पद्मश्री प्रो.हर्ष कुमार गुप्ता, डॉ.मोहिंदर सिंह गुलाटी, प्रो.ओपी वर्मा, स्व.जसवंत सिंह गिल (मरणोपरांत) और स्व.आरएन शर्मा (मरणोपरांत) को प्रदान किया गया।

बसंत सम्मान–2026 डॉ.रंजीत रथ, डॉ.अरुण कुमार नायक, प्रो.पीएस गुप्ता और प्रो.फाल्गुनी सेन को दिया गया। समारोह का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और एलुमनस संवाद के साथ हुआ।

ट्रैक्टर चालक की मौत के बाद मचा बवाल हुआ तोड़फोड़, नकदी समेत आभूषण की लूट

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद)ः खरखरी ओपी क्षेत्र के न्यू परसबनिया कॉलोनी के समीप रविवार दोपहर अवैध मिट्टी खनन के दौरान एक ट्रैक्टर चालक की संदेहास्पद मौत हो गई। मृतक की पहचान फुलारीटांड़ बस्ती निवासी विश्वनाथ रवानी उर्फ लाला रवानी के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके से दर्जनों ट्रैक्टर और एक जेसीबी चालक अपने-अपने वाहन लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आक्रोशित भीड़ ने मिट्टी खनन स्थल के समीप शिक्षक सरयू रविदास के घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। उपद्रवियों ने घर में रखे फ्रीज, वाशिंग मशीन, पंखा, कुलर सहित घरेलू सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही सोने-चांदी के आभूषण और नगदी लगभग 40 हजार रुपये भी लूट लिए। उपद्रवियों के भय से शिक्षक ने अपनी पत्नी और पुत्र के साथ एक कमरे में बंद होकर जान बचाई। ग्रामीणों का आरोप था कि जिस जमीन पर अवैध मिट्टी खनन हो रहा था, वह शिक्षक की है। जबकि हकीकत यह है कि जमीन गैर-आबाद है। घटना से क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सूचना पाकर महुदा पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। शाम करीब 4:30 बजे बाघमारा विधायक शत्रुघन महतो भी घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों व पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा फरार ट्रैक्टर और जेसीबी चालकों की तलाश की जा रही है। खबर लिखे जाने तक मृतक का शव घटनास्थल पर पड़ा हुआ था और परिजन, पुलिस व ट्रैक्टर मालिकों के बीच वार्ता जारी है।

ऑल इंडिया पोस्टल / आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की आम सभा हुई सम्पन्न

» 12 फरवरी 2026 को देश व्यापी हड़ताल में भाग लेने का लिया गया निर्णय

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः रविवार को ऑल इंडिया पोस्टल / आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की आम सभा प्रधान डाकघर धनबाद में ब्रह्मदेव वर्णवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। शहर में निकाय चुनावों को लेकर 144 धारा लगने के बावजूद काफी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के कार्यक्रम में पेंशनर्स एसोसिएशन के सचिव जय प्रकाश झा ने सांगठनिक, आर्थिक एवं सदस्यता तथा अन्य विषयों पर प्रकाश डाला। खास कर सरकार द्वारा पारित मजदूर विरोधी कानून पर चर्चा हुई एवं सर्वसम्मति से इस काले कानून को वापस लेने का आग्रह किया। 12 फरवरी 2026 को देश व्यापी हड़ताल में भाग लेने का निर्णय लिया गया। साथ ही 28 एवं 29 मार्च को आसाम की राजधानी गोवाहाटी में होने वाला ऑल इंडिया पोस्टल / आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन को सफल बनाने का निर्णय एवं भाग लेने का आग्रह किया।

बैठक में ब्रह्मदेव वर्णवाल, रामनरेश प्रसाद, मिहिर उपाध्याय, नील कंठ, आरके मंडल, सपन कुमार चंद्रा, जय नारायण महतो, दिनेश वर्मा आदि उपस्थित थे।

अंत में अध्यक्ष ब्रह्मदेव वर्णवाल ने संगठन को व्यवस्थित एवं मजबूत करने का सुझाव के साथ धन्यवाद ज्ञापन किया।

भाजपा कोर कमेटी की नगर निगम चुनाव की व्यापक तैयारी एवं संगठनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने को लेकर हुई बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः रविवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, धनबाद में भाजपा कोर कमेटी की अति आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी नगर निगम चुनाव की व्यापक तैयारी एवं संगठनात्मक मजबूती सुनिश्चित करना था।

बैठक में विशेष रूप से चुनाव संचालन समिति, मुख्य चुनाव कार्यालय, प्रचार गाड़ी, नुक्कड़ सभा, मीडिया, सोशल मीडिया, युवा सम्मेलन, महिला सम्मेलन, घोषणा पत्र सहित विभिन्न विभागों की संरचना एवं कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई तथा कई अहम और निर्णायक निर्णय लिए गए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से-प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा, धनबाद विधायक राज सिन्हा, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से चुनाव को संगठनात्मक मजबूती, अनुशासन और समन्वय के साथ लड़ने का आह्वान किया गया तथा भाजपा समर्थित प्रत्याशी संजीव कुमार की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पे प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा ने कहा कि "धनबाद नगर निगम चुनाव भाजपा के लिए निर्णायक अवसर है। संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर हम जनता के बीच विकास और विश्वास के मुद्दों को लेकर जा रहे है।

धनबाद विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि धनबाद की जनता विकास स्वच्छता बेहतर नागरिक सुविधा है और भ्रष्टाचार मुक्त नगर निगम चाहती है भाजपा की नीति और नीयत पर जनता को पूर्ण विश्वास है हम सब मिलकर एक मजबूत टीम भावना के साथ कार्य करेंगे तो धनबाद नगर निगम में भाजपा समर्थित महापौर प्रत्याशी संजीव कुमार के ऐतिहासिक जीत निश्चित है। भाजपा कार्यकर्ता चुनावी मैदान में पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ उतरे चुके है। यह चुनाव धनबाद के विकास की दिशा तय करेगा।"

प्रदेश मंत्री सरोज सिंह ने कहा कि "महिला शक्ति, युवा शक्ति और संगठन की ताकत के साथ भाजपा नगर निगम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।" जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि, "आज की बैठक में चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दिया गया है। संगठन के हर कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका से भाजपा समर्थित प्रत्याशी की विजय सुनिश्चित होगी।

आज के कोर कमेटी की बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश राही, मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, शेखर सिंह,जिला मंत्री सह मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, रवि सिन्हा, निर्मल प्रधान, कपिलदेव पासवान, गीता सिंह, विभा रानी सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, प्रीतपाल सिंह आजमानी, नितिन भट्ट, नीरज शर्मा, कपूर रवानी आदी थे

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार का अंजामः बाइक दुर्घटनाग्रस्त, युवक अस्पताल में भर्ती

पाकुड़ः लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के रांगा गांव के समीप रविवार को तेज रफ्तार केटीएम बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल युवक की पहचान रांगा गांव निवासी मुंशी हेंब्रम (25) के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक काफी तेज गति में थी, इसी दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क किनारे जा गिरी। हादसे में युवक को गंभीर चोटें आई हैं।दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए लिट्टीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ड्राइवरों के साथ मारपीट पर महासंघ सख्त, थाना में सौंपा ज्ञापन

पाकुड़ : ऑल राइट्स ड्राइवर मजदूर महासंघ एसोसिएशन के बैनर तले ड्राइवरों का एक प्रतिनिधिमंडल मालपहाड़ी ओपी पहुंचकर थाना प्रभारी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने थाना क्षेत्र में चंदा वसूली के दौरान एक ड्राइवर के साथ हुई मारपीट की घटना की जानकारी देते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। महासंघ ने कहा कि चंदा के नाम पर ड्राइवरों से बदसलूकी और मारपीट से भय का माहौल बन रहा है। संगठन ने स्पष्ट किया कि ड्राइवरों की सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। थाना प्रभारी ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया। मौके पर जर्जिस शेख, फिरोज शेख, आजफुल शेख, अनवर शेख, हजरत शेख सहित कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मतदान केंद्र से 100 मीटर के भीतर आइडेंटिटी स्लिप केंद्र पर रोक

जामताड़ा : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड से प्राप्त निर्देशों के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त रवि आनंद ने मिहिजाम नगर परिषद और जामताड़ा नगर पंचायत क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद पद के अभ्यर्थियों तथा उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं को स्पष्ट किया है कि मतदान केंद्र की 100 मीटर की परिधि में अनऑफिशियल आइडेंटिटी स्लिप निर्गत करने के लिए किसी भी प्रकार का निर्वाचन केंद्र स्थापित करना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

निर्देश में कहा गया है कि 100 मीटर की सीमा के बाहर स्थापित निर्वाचन केंद्र पर अभ्यर्थी केवल एक टेबल और एक कुर्सी रख सकेंगे। निर्वाचन केंद्र स्थापित करने से पूर्व इसकी सूचना निर्वाची पदाधिकारी को देना अनिवार्य होगा। केंद्र पर अभ्यर्थी के नाम और निर्वाचन प्रतीक के साथ अधिकतम 3 फीट गुणा 4.5 फीट का केवल एक बैनर लगाने की अनुमति दी गई है। ऐसे केंद्रों पर भीड़-भाड़ पर भी रोक रहेगी। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित अभ्यर्थी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

पूरे उत्साह से किया गया श्याम बाबा की भव्य शोभा यात्रा का स्वागत

दुमकाः मारवाड़ी चौक में मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा रविवार को श्याम बाबा की भव्य शोभा यात्रा का स्वागत पूरे उत्साह व जोश से किया गया।रविवार को श्याम बाबा की भव्य शोभा यात्रा छोटीठाकुरबाड़ी से निकाली गई जो नगर भ्रमण करते हुए दादी श्याम मंदिर पहुंची। जय श्री श्याम के नारे व अबीर-गुलाल से पूरा वातावरण श्याममयी हो रहा था।शोभा यात्रा की झांकी अनुपम व आकर्षक थी।मारवाड़ी युवा मंच केद्वारा सभी श्याम प्रेमीयों के बीच जूस पानी और टोफी का वितरण किया गया।लगभग 1500 श्याम प्रेमीयों के बीच जूसऔर पानी का वितरण किया गया।इस अवसरपर मारवाड़ी युवा मंच केअध्यक्ष राजेश अग्रवाल सचिव अमित जालान निवर्तमान अध्यक्ष रमेश अग्रवाल बालाजी युवा सदस्य मनीष झुनझुनवाला केशव हिम्मतसिंहका बलराम सरार्फ सचीन भालोटिया अजय भालोटिया राजकुमार अग्रवाल सौरभ संथालीया सौरभ दारूका व समाजके अन्य लोग उपस्थित थे।

उमाशंकर चौबे तथा राधे बल्लभ भलोटिया ने रचा इतिहास

दुमकाः 6से 8 फरवरी तक गुमला में 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पुरुषों के लिए आयोजित झारखंड राज्य स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप के युगल फाइनल मुकाबले में उमाशंकर चौबे तथा राधेबल्लभ भलोटिया की जोड़ी ने मेजबान गुमला के मनोज कुमार तथा अनिल कुमार साहू को दो लगातार सेटों में 21-09 एवं 21-19 के अंतर से परास्त कर फाइनल का खिताब जीत दुमका के लिए एक नया इतिहास गढ़ दिया है। इसके साथ ही गोवा में 16 से 23 मार्च तक आयोजित होने वाले राष्टीय प्रतियोगिता में यह जोड़ी झारखंड का प्रतिनिधित्व करने की पात्रता हासिल कर ली है। दोनों खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर टीम के कोच सहित जिला खेलकूद संघ के तमाम अधिकारियों तथा खिलाड़ियों ने दोनों बुजुर्ग खिलाड़ियों को बधाई दी है।

मेहनत ही असली शॉर्टकट है—डीसी

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 10वीं-12वीं की छात्राओं को डीसी ने दिए परीक्षा टिप्स

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो॰ काजीरुल शेख : पाकुड़ः सीबीएसई बोर्ड की 10वीं और 12वीं परीक्षा में शामिल होने वाली छात्राओं के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पाकुड़ में उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार ने छात्राओं को परीक्षा की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए और आत्मविश्वास के साथ मेहनत करने का संदेश दिया।उपायुक्त ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, अनुशासन और सकारात्मक सोच से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने, नियमित अभ्यास करने और पाठ्यक्रम का बार-बार दोहराव करने की सलाह दी। कहा कि बोर्ड परीक्षा जीवन का अहम पड़ाव होती है, जो आगे की दिशा तय करती है, इसलिए इसे गंभीरता से लें लेकिन अनावश्यक तनाव से बचें।उपायुक्त ने परीक्षा से जुड़े व्यवहारिक टिप्स भी साझा किए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुंचें, शांत मन से प्रश्नपत्र पढ़ें और आत्मविश्वास के साथ उत्तर लिखें। यदि किसी प्रश्न का पूरा उत्तर न आए, तो उससे जुड़े जरूरी बिंदु अवश्य लिखें। उत्तर पुस्तिका में साफ-सुथरा और व्यवस्थित लेखन रखें तथा आवश्यकता अनुसार आरेख और फ्लोचार्ट का प्रयोग करें। उन्होंने छात्राओं से नकल और अनुचित साधनों से दूर रहने की अपील की।

10 से 25 फरवरी तक फाइलेरिया रोधी दवा सेवन की अपील-कार्यशाला के दौरान उपायुक्त ने एमडीए-आईडीए अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 10 से 25 फरवरी तक फाइलेरिया रोधी दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन पूरी तरह रोकी जा सकने वाली बीमारी है और दवा का नियमित सेवन करने से संक्रमण की कड़ी टूटती है। उपायुक्त ने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं दवा लें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए लगातार प्रयासरत है। छात्राओं की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से इस वर्ष जिले का परीक्षा परिणाम और बेहतर होने की उम्मीद है।कार्यक्रम में एडीपीओ पीयूष कुमार, एपीओ रघुवर तिवारी, एपीओ राजेश कुमार सहित प्रभारी वार्डेन उपस्थित थे।

वार्ड 11 के विकास का भरोसा, शमशाद खान बने जनता की उम्मीद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा : चपरासी मोहल्ला स्थित वार्ड नंबर 11 लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। स्थानीय लोगों को स्वच्छ पेयजल, नाली, सड़क, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएं अब तक संतोषजनक रूप से नहीं मिल पाई हैं। लोगों का कहना है कि पिछले कार्यकाल में चुने गए प्रतिनिधि द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की गई, जिससे वार्ड की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

वार्ड नंबर 11 से उम्मीदवार शमशाद खान ने इन समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए जनता के सामने अपना विकास विजन रखा है। स्वर्गीय सलीम खान के पुत्र शमशाद खान सामाजिक सरोकारों से लंबे समय से जुड़े रहे हैं और स्थानीय लोगों के सुख-दुख में सक्रिय भूमिका निभाते आए हैं। इसी कारण वार्डवासियों में उनके प्रति गहरा भरोसा देखा जा रहा है।

शमशाद खान ने बताया कि वार्ड में फिलहाल एक अस्थायी कार्यालय शुरू किया गया है, जहां लोगों की समस्याएं सुनी जा रही हैं। चुनाव जीतने पर इसे स्थायी कार्यालय का रूप दिया जाएगा, जो वार्ड के सभी प्रशासनिक और जनहित कार्यों का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि इसी कार्यालय के माध्यम से आवेदन, शिकायत और योजनाओं से जुड़े कार्य कराए जाएंगे।

उन्होंने वार्ड के प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने, नियमित साफ-सफाई और नालियों की सफाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। शमशाद खान ने कहा कि जनता का समर्थन मिला तो वार्ड 11 को विकास, सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से आदर्श वार्ड बनाया जाएगा।

नगर निकाय चुनाव से पहले गोड्डा में भड़काऊ घटना, इलाके में तनाव

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोड्डा : नगर निकाय चुनाव से ठीक पहले भतडीहा इलाके में एक भड़काऊ घटना सामने आई है। शनिवार 07 फरवरी 2026 की शाम भतडीहा अग्निशमन कार्यालय के सामने सड़क किनारे गोवंश का कटा हुआ सिर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य बताते हुए आक्रोश व्यक्त किया।

आक्रोशित लोगों ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि नगर निकाय चुनाव को प्रभावित करने और सामाजिक तनाव फैलाने के उद्देश्य से जानबूझकर यह कृत्य किया गया है।

सूचना मिलने पर गोड्डा नगर थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस की समझाइश के बाद जाम हटाया गया और स्थिति सामान्य हुई, जिसके बाद यातायात बहाल किया जा सका।

पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। संदिग्धों की पहचान के लिए पूछताछ जारी है। घटना के बाद एहतियातन इलाके में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने आम लोगों से अफवाहों से दूर रहने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

हर मज़हब देता है अमन और सच्चाई का पैग़ाम— उपासना

मो0 पालियादहा में अकीदत व रूहानियत के साथ सजा अज़ीमुश्शान जलसा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मो॰ काजीरुल शेख : पाकुड़ः पाकुड़िया प्रखंड के पालियादहा (सूजनपाड़ा) गांव में शनिवार की रात रोज़ा-ए-अज़ीमुश्शान गुम्बद-ए-खजरा कांफ्रेंस के तहत एक अज़ीम-उश-शान और रूहानी माहौल से भरा विराट इस्लामी जलसा मुनअक़िद किया गया। जलसे में अकीदतमंदों का हुजूम उमड़ पड़ा और हर ओर ज़िक्र-ए-इलाही व दुआओं की गूंज सुनाई दी।इस मुक़द्दस महफ़िल में झामुमो की केंद्रीय कमेटी सदस्य उपासना मरांडी ने ख़ास तौर पर शिरकत की। जलसा कमेटी के दिलदार साहब, क़समुद्दीन साहब और सिकंदर अंसारी ने उन्हें गुलदस्ते पेश कर इज़्ज़त-ओ-इकराम के साथ ख़ैरमक़दम किया।महफ़िल को मुख़ातिब करते हुए उपासना मरांडी ने कहा कि तमाम मज़हब इंसानियत, सच्चाई और अमन-ओ-सलामती का पैग़ाम देते हैं। उन्होंने कहा कि आज ज़रूरत इस बात की है कि बच्चे दिनी तालीम के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा भी हासिल करें, ताकि वे समाज और मुल्क के लिए कारआमद बन सकें।

उन्होंने नौजवानों से मुख़ातिब होते हुए कहा कि झूठ, नशा और ग़लत राहों से दूर रहकर सच्चे रास्ते पर चलना ही कामयाबी की कुंजी है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी दुआओं में झारखंड की तरक़्क़ी, अमन-चैन, आपसी भाईचारे और सद्भाव को शामिल करें।जलसे में कोलकाता, नवादा (बिहार) और भागलपुर से तशरीफ़ लाए उलमा-ए-किराम ने क़ुरआन-ओ-हदीस की रोशनी में इत्तेहाद, मोहब्बत और समाजी भाईचारे पर ख़िताब फरमाया।

इस मुक़द्दस जलसे में थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष नज़रुल इस्लाम, झामुमो युवा सचिव नेगार अंसारी, मौलाना मोहम्मद ग़ाज़ी, मौलाना मुक़लेसूर रहमान, मौलाना शाकिर नूरी, हफाज़ुद्दीन अंसारी, लालबाबू शेख, क़ुद्दूस अंसारी, अब्दुल रज़्ज़ाक, अबुल हुसैन समेत हज़ारों की तादाद में अकीदतमंद मौजूद रहे।जलसा दुआ-ए-ख़ैर के साथ अमन-ओ-सलामती की फ़िज़ा में संपन्न हुआ।

अनियंत्रित डंपर दुकान में घुसा, गरीब दुकानदार की रोजी-रोटी उजड़ी, हुआ जख्मी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः महेशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल माइंस सड़क पर तसरिया के पास शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित चाय दुकान में जा घुसा। हादसे में दुकान चला रहे श्यामसुंदर साहा गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जबकि दुकान और उससे सटा घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खाली डंपर आमड़ापाड़ा की ओर जा रहा था। तसरिया के समीप चालक का संतुलन बिगड़ते ही डंपर सीधे चाय दुकान में जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान में रखा सारा सामान नष्ट हो गया और मकान का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और घायल दुकानदार को इलाज के लिए भेजा गया। इधर, घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित दुकानदार को उचित मुआवजा देने और भारी वाहनों की रफ्तार पर सख्ती से नियंत्रण की मांग की है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः महेशपुर थाना क्षेत्र के शहर ग्राम के समीप कालू पाड़ा गांव में एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अखरासोल निवासी माइकल हेंब्रम (33 वर्ष) के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार, घटना की जानकारी मिलते ही महेशपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता का नाम पुलिस हेंब्रम बताया जा रहा है।

फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

रामगढ़ थाना में सेवानिवृत्त पुलिस अवर निरीक्षक रामलखन पाल सिंह का सम्मानपूर्वक विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका : जिले के रामगढ़ थाना परिसर में रविवार को पुलिस अवर निरीक्षक रामलखन पाल सिंह के सेवानिवृत्त होने पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में काठीकुंड पुलिस इंस्पेक्टर दयानंद प्रसाद, रामगढ़ थाना प्रभारी मनीष कुमार सहित थाने के सभी पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी, रामगढ़ बाजार के गणमान्य लोग और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने माला पहनाकर और उपहार देकर रामलखन पाल सिंह को सम्मानित किया तथा उनके सेवाकाल को याद किया।

थाना प्रभारी मनीष कुमार ने कहा कि रामलखन पाल सिंह ने रामगढ़ थाना में आठ वर्षों तक पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाह किया। उन्हें जो भी मामले सौंपे गए, उन्होंने समय-सीमा के भीतर समाधान किया। पूरे कार्यकाल में उनके विरुद्ध किसी प्रकार की शिकायत सामने नहीं आई और उन्होंने कभी लंबी छुट्टी भी नहीं ली। उनके कार्यशैली से अन्य पुलिसकर्मियों को भी सीखने का अवसर मिला।

काठीकुंड पुलिस इंस्पेक्टर दयानंद प्रसाद, एएसआई रमेश भगत, जीप उपाध्यक्ष सुधीर मंडल, जीतलाल राय सहित अन्य वक्ताओं ने भी उनके व्यवहार, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना की। समारोह में अजय कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मानव चेतना का उत्कर्षः आध्यात्मिक जागरण और सामाजिक समरसता

प्रो.(डा) मनमोहन प्रकाश

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भौतिक संपदा की प्रचुरता के बीच मानवीय संवेदनाओं का अकाल एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। आज की महती आवश्यकता केवल सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि नहीं, बल्कि व्यक्ति को प्रबुद्ध मनुष्य, समाज को संवेदनशील इकाई और विश्व को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में रूपांतरित करने की है।मानव जीवन मात्र दैहिक क्षुधा की तृप्ति या लोलुपतापूर्ण भौतिक प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है। मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता उसकी परिष्कृत चेतना में अंतर्निहित है। यही चेतना तर्क से विवेक की ओर ले जाती है। जब यह संकीर्ण स्व की परिधि को लांघकर सर्व के कल्याण हेतु प्रवाहित होती है, तभी मानव चेतना का सच्चा उत्कर्ष प्रकट होता है।चेतना का ऊर्ध्वगमन आकस्मिक घटना नहीं, अपितु सतत स्व-साधना है। इसका प्रारंभ आत्मबोध से होता है। सुकरात के "स्वयं को जानो" से लेकर उपनिषदों के "तत् त्वम् असि" तक, सभी महापुरुषों ने आध्यात्मिक जागरण पर बल दिया है। यांत्रिकता का परित्याग कर जब मनुष्य अस्तित्वपरक प्रश्न करता है, तब विवेक जागृत होता है। यही विवेक जैविक दासता और आवेगों से मुक्ति देकर उद्देश्यपूर्ण जीवन प्रदान करता है।प्रगति के पथ पर मूल्यबोध महत्वपूर्ण चरण है। सत्य, करुणा, अपरिग्रह और न्याय जैसे शाश्वत मूल्य सामाजिक मेरुदंड हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन ने ठीक कहा था कि "धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है और विज्ञान के बिना धर्म अंधा।" तकनीकी प्रगति और नैतिक मूल्यों का समन्वय ही विनाशकारी विकास को कल्याणकारी सभ्यता में बदल सकता है।संकीर्ण पहचानें जैसे भाषा, जाति, उग्र राष्ट्रवाद या सांप्रदायिकता आदि चेतना को कुंठित कर पृथकतावाद की ओर धकेलती हैं। विविधता में एकता का बोध चेतना को वैश्विक विस्तार देता है। भारतीय मनीषा का "वसुधैव कुटुम्बकम्" आध्यात्मिक जागरण की पराकाष्ठा है, जहाँ परायापन समाप्त होकर ब्रह्मांड एक परिवार प्रतीत होता है।चेतना का उत्कर्ष दार्शनिक विमर्श से आगे है, निष्काम कर्मयोग से सिद्ध होता है। श्रीमद्भगवद्गीता सिखाती है कि जब व्यक्ति अपनी सामर्थ्य वंचितों के सशक्तिकरण में लगाता है, तो अहं करुणा में विलीन हो जाता है। यही व्यष्टि का समष्टि में विलय है, जो सामाजिक समरसता की नींव रखता है।सूचना विस्फोट के युग में हम डेटा से परिपूर्ण होते जा रहे हैं, किंतु प्रज्ञा से रिक्त। ऐसे समय में शिक्षा का लक्ष्य जीविकोपार्जन न होकर शील और चरित्र निर्माण होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद के शब्दों में, "शिक्षा मनुष्य में अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है।" सच्ची उन्नति अंतर्मुखी है। आंतरिक द्वंद्व शांत होकर जब प्रज्ञा प्रज्वलित होती है, तब व्यक्ति और समाज दोनों शांति एवं दिव्यता अनुभव करते हैं। चेतना का यह उत्कर्ष ही आध्यात्मिक जागरण से उपजी सामाजिक समरसता की गारंटी है।

प्रधानमंत्री संसद में ही सुरक्षित नहीं? नागरिकों की सुरक्षा के लिए कौन जिम्मेदार

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के अंदर सुरक्षित नहीं हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का इस आशय का कथन अपने आप में गंभीर है। संसद केवल एक भवन नहीं है, लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद में नागरिकों की रक्षा के लिए नियम और कानून बनाए जाते हैं। उन्हीं नियमों और कानूनों से कार्यपालिका नागरिकों को यह भरोसा दिलाती है कि सरकार उनके हित में काम कर रही है। सरकार उनकी सुरक्षा, उनके जीवन-यापन तथा शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विषयों पर काम कर रही है। 1947 के बाद से आम जनता का भरोसा संसद पर बना हुआ है। यदि उसी संसद में सदन का नेता सुरक्षित नहीं है? इस लोकसभा के अध्यक्ष जो सदन में सभी निर्वाचित सदस्यों के संरक्षक हैं। संविधान ने उन्हें सत्ता पक्ष और विपक्ष को संविधान का पालन कराने का अधिकार दिया हुआ है। यदि वह इस तरह की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से 140 करोड़ जनता के मन में यह सवाल उठता है, यदि इतनी सुरक्षा प्राप्त प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं हैं, जिस सदन में मार्शल हटाकर सीआरपीएफ सुरक्षा बल के जवान लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों का क्या होगा? यदि यह आरोप सार्वजनिक विचार-विमर्श का हिस्सा बनता है तो उसका असर केवल सुरक्षा बहस तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह राजनीतिक संदेश, संसदीय मर्यादा, जनविश्वास और विश्व में भारत के लोकतंत्र को लेकर सवाल वाली स्थिति बनती है। यहां पर सवाल प्रधानमंत्री की सुरक्षा का है। संसद देश के सबसे सुरक्षित स्थलों में मानी जाती है। बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, खुफिया निगरानी और प्रोटोकॉल पहले से मौजूद हैं। ऐसे में यदि कहा जाए कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर असुरक्षित हैं, तो यह सुरक्षा एजेंसियों, लोकसभा सचिवालय और लोकसभा अध्यक्ष के लिए चिंता और समीक्षा का विषय है। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर सदन की तथा सदस्यों की सुरक्षा और उनके कार्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है। सदन की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। यदि वही कहते हैं कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं है। ऐसे में यह उनकी ही अक्षमता का प्रमाण माना जा सकता है। उन्हें राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर तथ्यों के आधार पर स्थिति को बिना किसी भेदभाव के स्पष्ट करनी चाहिए। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में प्रधानमंत्री का नहीं बोलना और लोकसभा अध्यक्ष का यह कहना कि प्रधानमंत्री के ऊपर हमला हो सकता था, इसलिए उन्होंने उन्हें सदन में आने से मना किया था। लोकसभा अध्यक्ष का यह कथन स्वयं लोकसभा अध्यक्ष और सत्तापक्ष के लिए दोधारी तलवार बन गया है। इससे सत्ता पक्ष के समर्थकों में यह संदेश जायेगा कि प्रधानमंत्री निरंतर खतरे में रहकर भी काम कर रहे हैं। जिससे सत्ता पक्ष नरेंद्र मोदी को सहानुभूति मिल सकती है। दूसरी ओर विपक्ष इसे राजनीतिक नाटकीयता बताकर सवाल उठायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इतनी ज्यादा सुरक्षा है वह प्रधानमंत्री होते हुए जब वह सदन के अंदर ही सुरक्षित नहीं हैं उनकी छवि पर विपक्ष तीखा प्रहार करते हुए इसका राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास करेगा। इसका असर आम जनता के बीच में हो सकता है कि जब प्रधानमंत्री ही सदन के अंदर सुरक्षित नहीं हैं तो वह हमारी रक्षा किस तरह से कर पाएंगे। जो छवि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बना रखी है उनकी उस छवि पर विपक्ष गहरा आघात करने का कोई मौका नहीं छोड़ेगा। सरकार के सुरक्षा तंत्र पर प्रधानमंत्री को भरोसा नहीं है। वही तंत्र आम आदमी को कैसी सुरक्षा दे पाएगा। इस विवाद में भाजपा को अल्पकालिक राजनीतिक लाभ अपने पेंशेस को और समर्थकों से मिल सकता है। आम जनता और सरकारी मशीनरी की संस्थाओं पर अविश्वास और सत्ता पक्ष की कमजोरी का संदेश जाना तय है। इस मामले में लोकतांत्रिक संस्कृति जिसमें संसद में बहस, असहमति और जवाबदेही का लोकतंत्र का जो सबसे बड़ा मंच है, यदि वहां राजनीतिक टकराव और साजिश के कारण इस तरह के उदाहरण और भाषा का उपयोग होने लगे तो उसके बाद देश की सुरक्षा ओर लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है। असहमति को खतरे के रूप में नहीं, लोकतंत्र की शक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। पिछले 70 सालों में सदन के अंदर बहुत तीखे वाद विवाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में हुए हैं। 2004 में भी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर तत्कालीन विपक्ष भाजपा के नेताओं और सांसदों ने उनके खिलाफ बेल में जाकर वर्तमान की तुलना में और ज्यादा हंगामा किया था। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है लेकिन उस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सरकार का पक्ष रखा, विपक्ष विरोध भी करता रहा। सदन पक्ष और विपक्ष से मिलकर बनता है। सदन के अध्यक्ष सभी सदस्यों के पालक होते हैं। पिछले कुछ समय से अध्यक्ष की भूमिका को लेकर विपक्षी सदस्यों द्वारा शिकायतें दर्ज होती रही हैं। विपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद भी अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह चाहे सत्ता पक्ष का सांसद हो या विपक्ष का सांसद हो सभी के साथ समान रूप से व्यवहार करें। प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और सभी राजनीतिक दलों की सामूहिक जिम्मेदारी है, संसद को राजनीतिक संघर्ष और व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए अखाड़ा नहीं बनने दें। संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में संवाद बनाने के लिए अध्यक्ष की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण होती है। इसके पहले भी समय-समय पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में सदन के अंदर भारी टकराव देखने को मिले हैं, ऐसी स्थिति में अध्यक्ष की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती थी। वह सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाने की भूमिका अपनाते थे, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अध्यक्ष और विपक्ष के रिश्ते में जो विश्वास होना चाहिए था वह देखने को नहीं मिलता है, जो समस्या का सबसे बड़ा कारण भी बनता चला जा रहा है। सदन के अंदर प्रधानमंत्री, मंत्री की नहीं बरन सभी सांसदों की सुरक्षा जरूरी है। उससे भी अधिक जरूरी है, जनता का विश्वास संसद और जनप्रतिनिधियों पर बना रहे। जनता का विश्वास संविधान, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं पर बना रहे। सबसे शीर्ष संस्था संसद है। इसकी स्वतंत्रता, निष्पक्षता और जवाबदेही लोकतंत्र की असली सुरक्षा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में संवाद होने तथा सदन के अंदर किसी भी विषय पर चर्चा होने के बाद यह माना जाता है कि सरकार अच्छे नियम और कानून तैयार करेगी जिससे लोगों का भला हो। वर्तमान में जो स्थिति बनी है उसके लिए लोकसभा के अध्यक्ष की भूमिका अति महत्वपूर्ण है लेकिन ऐसा लगता है सत्ता पक्ष का दबाव उनके ऊपर बहुत ज्यादा है। पिछले 10 सालों से विपक्ष आक्रामक नहीं था, लेकिन अब विपक्ष आक्रामक है। ऐसी स्थिति में लोकसभा अध्यक्ष को निष्पक्षता के साथ लोकसभा की कार्यवाही चलाने तथा सत्ता पक्ष और विपक्ष को सही मौका मिले इसके लिए एक अच्छे मध्यस्थ और एक अच्छे जज की भूमिका में काम करने की जिम्मेदारी है।

आज का कुविचार : यात्रा और यात्री

डॉ प्रशान्त करण

साधो! यह जीवन साँसों की एक यात्रा है। इसे सफलता और सम्पन्नता के पड़ावों पर तनिक रुक-रुक कर, नई सफलताओं के साथ सम्पन्नता की नई ऊँचाइयों पर दौड़ते हुए, यात्रा का आनंद ही कुछ और होता है। लेकिन इसके लिए साधक यात्री को घनघोर साधना करनी पड़ती है।

साधो! इस साधना के कई चरण हैं। पहले चरण की यात्रा में यात्री को गंतव्य निर्धारित कर चलना है। साधक की चाल महत्वपूर्ण है। चलन के अनुसार चाल करने से यात्री भीड़ में खो जाता है। चाल धीमी करके अन्य यात्रियों में यह भ्रम उत्पन्न करना होता है कि उस यात्री से अन्य निश्चिन्त रहें। फिर समय-समय पर पगडंडियों की खोज में साधक लगता है। पगडंडियाँ मिली नहीं कि साधक सब की दृष्टि से ओझल हो उधर लपक लेता है। दौड़ते हुए एक गंतव्य तक पिछले द्वार में घुसकर दम साधकर बैठ जाता है। इस गंतव्य के आनंद के अतिरेक तक पहुँचता है। इसी सिद्धांत से अपने एक के बाद एक गंतव्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करता जाता है। साधक को समझना होता है कि उसका रास्ता सही होता, तो अपनी क्षमता से वह कभी गंतव्य तक नहीं पहुँच सकता। बस छोटी पगडंडी ही उसके भाग्य का निर्धारण करती है। इस पगडंडी में न तो थकान और न ही कष्ट उसे मिलता है, क्योंकि यह बहुत छोटी और छिपी रहती है।

साधो! साधकों के लिए जीवन की यात्रा में चुनौतियों से निबटने का सिद्धांत अन्य यात्रियों के प्रचलित वैध सिद्धांतों से हटकर भिन्न होता है। साधक चुनौती आते ही उसे हल्के जुगाड़ से दूसरे क्षमतावान और तेज चल रहे यात्री की ओर चतुराई, चपलता से, सब की दृष्टि बचाकर खिसका देता है। क्षमतावान यात्री चुनौतियों से पूरी ऊर्जा, क्षमता से ध्यान केंद्रित कर निबटने में समय गँवाने लगता है। साधक तभी चुपके से अन्य कई चुनौतियों के चट्टान उसकी ओर धकेलकर, उन चट्टानों से रिक्त स्थान से ही पगडंडी पकड़ लेता है। अपनी ओर असफलताओं के आते ही उन असफलताओं के नुकीले पत्थरों को सही मार्ग पर उछालकर अपना रास्ता साफ करता लपकता रहता है। साधक का पूरा ध्यान रास्ते की नैतिकता, वैधता पर नहीं, अपितु मीठे फल की ओर केंद्रित होता है। वह इस मीठे फल पर चढ़ते, ढेला फेंककर तोड़ते यात्रियों का विश्वास जीतता है और उन्हें शीघ्र फल तोड़ने को उकसाता है। लेकिन जैसे फल वृक्ष से नीचे गिरने को होता है, उसी समय यात्री साधक ऊँचा उछलकर उस मीठे फल को लपक लेता है। फल हाथ लगते ही वह इतनी तीव्रता से रफू-चक्कर हो जाता है कि क्षमता की पूँजी लगाकर फल तोड़ने वाला भी भौंचक्का रह जाए। वह यात्री साधक सब की दृष्टि से ओझल होकर आनंद से मीठे फल का आनंद लेता है।

साधो! फल टूटने की प्रतीक्षा करनी चाहिए। वृक्ष के आस-पास मंडराते हुए किसी अन्य यात्री को अथक प्रयास करने के लिए उकसाते रहना चाहिए। जैसे फल टूटा, साधक उसे झपट्टा मारकर छीनकर क्षण भर में उदरस्थ कर ले। यही उत्तम साधक है।

साधो! उत्तम साधकों की कोई कमी नहीं है। बस उस सूची में तुम्हें अपना नाम ऊपर लिख भर लेना है। तुम्हारी साधना सफल हो! अस्तु!

खराब कचरा प्रबंधन पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती

मनोज कुमार मिश्र

कचरा अब केवल शहरों की समस्या नहीं है। शहरीकरण और आधुनिकीकरण की होड़ में गांव-देहात भी कचरे की समस्या को झेलने को मजबूर हो गए हैं। पर्यावरण के लिए घरों के निकलने वाले कूड़ों से अधिक प्लास्टिक कचरा, मेडिकल कचरा, इलेक्ट्रोनिक कचरा ज्यादा नुकसानदेह है। एक अनुमान के मुताबिक देशभर से हर रोज निकलने वाले करीब तीन लाख मीट्रिक टन कचरे में तमाम नए तरह के कूड़ा पैदा होने के चलते केवल एक चौथाई कूड़े का निबटान आसानी से हो पा रहा है। हिमालय की ऊंची चोटियों से लेकर पवित्र केदारनाथ धाम भी कचरा और खास कर प्लास्टिक कचरे से तबाह है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने मन की बात में इसके लिए अपील करनी पड़ी। दिल्ली, मुंबई या दूसरे बड़े शहरों में कचरों के पहाड़ (लैंडफिल) से लोगों को खतरा है ही, उसे खत्म करने के कई प्रयासों के दौरान निकलने वाले गैस से बड़ी संख्या में लोग बीमार हो रहे हैं। जिस तरह से आए दिन दिल्ली के गाजीपुर, भलस्वा और ओखला या मुंबई के मुलूंग के कूड़े के पहाड़ों में आग लगती रहती है वैसी ही आग दिल्ली, मुंबई, देहरादून आदि के कूड़े घर में लगने लगी है। प्लास्टिक और दूसरे कचरों से बड़ी संख्या में समुद्री जीव लगातार मर रहे हैं। शहरों और देहातों में गाय और पालतू जानवरों की मौत का एक बड़ी कारण प्लास्टिक और मेडिकल कचरा है। उत्तराखंड के जंगलों में हाथियों के लीद ((शौच) में प्लास्टिक कचरा मिलने के बाद तो वन जीवों पर संकट के बादल छाने लगे हैं। घरों से हर निकलने वाले कूड़े प्रबंधन एक समस्या है ही क्योंकि माना जाता है कि अगर अलग-अलग कूड़े की छंटाई शुरुवात में घरों से नहीं हुई तो बाद में उन्हें अलग करना कठिन हो जाता है। बड़ी समस्या दूसरे प्रकार के कूड़े से है। अब घरों को तोड़ने से होने वाले मलबे को सड़क बनाने में उपयोग किया जाने लगा है। प्लास्टिक के पुराने बोतलों आदि को भी री-साईकिल कर दूसरी चीज बनाए जाने लगे हैं। बड़ी समस्या मेडिकल कूड़े की है। एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के दौरान हर रोज 710 टन मेडिकल कचरा निकल रहा था। मेडिकल कचरो का सही प्रबंधन न करने पर तो उनमें आपस में ही रासायनिक प्रतिक्रिया होने से खतरनाक गैस निकलने लगते हैं। इसी तरह इलेक्ट्रोनिक कचरा प्रबंधन बड़ी समस्या बन चुका है। अब मोबाइल, टीवी, फ्रिज, एसी, कूलर, गीजर, हीटर इत्यादि सामान हर घर तक पहुंच गया है। उनके बेकार होने पर उसके पुराने सामानों का उपयोग एक हद तक ही होता है। बाद में तो वह कूड़ा ही बन जाता है। इस कूड़े की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है। समस्या इसलिए ज्यादा विकराल होती जा रही है कि हम जिन दुनियां के अमीर देशों की नकल करके आधुनिकता के अंधी दौड़ में फंसे हुए है, वहां भी कचरा प्रबंधन समस्या है लेकिन वहां अपने देश जैसी न तो भारी आबादी है और न कम संसाधन। कुछ दशक पहले तक कूड़ा प्रबंधन शहरों की समस्या थी। गांव में गिनती के पक्के मकान थे। मिट्टी या बांस-फूस के मकानों को तोड़ तक वापस कुछ और मिट्टी या बांस-फूस से नया मकान बनाया जाता था। घरों से निकलने वाला कूड़ा खाद बन जाता था क्योंकि उसमें मिलावटी चीजें नहीं या कम से कम होती थी। गांव में प्लास्टिक के थैलों और बोतलों आदि का उपयोग तो कुछ दशकों से शुरू हुआ है। लोग सामान लाने-ले-जाने के लिए अपने थैलों आदि का उपयोग करते थे। गांव में इलेक्ट्रोनिक सामान गिनती के थे। अब गांव में भी ज्यादातर घर पक्के बन गए।

मेष राशिः आज का दिन आपका खुशियों भरा रहेगा। अपने परिवार के साथ कुछ समय बितायें अच्छा लगेगा। सोचे हुए काम खुद के दम पर पूरे कर सकते हैं। कई मामलों पर आपके पास कुछ नए और अच्छे विचार होंगे। अपनी वाणी से आप सभी काम पूरे करवा लेंगे। न्याय संगत बातें करेंगे। पुरानी मेहनत रंग लाएगी।

वृष राशिः आज का दिन बेहतरीन रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन कुछ खट्टा-मीठा बीतेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है। कॉलेज में आज आपकी गुड एक्टीविटी की वजह से टीचर्स आपसे खुश रहेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। अगर आज लकड़ी का फर्नीचर खरीदने की सोच रहे है तो खरीद लीजिये।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों मे ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। जीवन में अच्छे बदलाव आएंगे।

कर्क राशिः आज किए गए कामों का फायदा भी मिलेगा। समय आपके फेवर में होने के कारण मन खुश रहेगा, जीवन में भी अच्छे परिवर्तन आएंगे। ज्यादा मेहनत करके थोड़ा धन लाभ भी मिल सकता है। आज बहस बाजी से बचें व्यर्थ में किसी पंगे में पड़ सकते हैं। आज वाहन संभाल कर चलाएं। नौकरी या बिजनेस में फायदे के एक से अधिक मौके मिल सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका ध्यान अध्यात्म के प्रति अधिक लगा रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जा सकते है, इससे पारिवारिक क्लेश कम होगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगे तो जल्द ही पूरे हो जाएंगे। पारिवारिक निर्णय लेने से पहले किसी बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें तो आपको फायदा होगा। बिजनेसमैन को नया काम स्टार्ट करने के लिए आज का दिन शुभ है जो आने वाले समय में अधिक फायदा कराएगा।

कन्या राशिः इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है। कम्पटेटिव एग्जाम के रिजल्ट में आज आपको सफलता मिलेगी। काम अधिक होने से आज आपको भाग - दौड़ करनी पड़ सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा ठीक रहेगा। बिल्डर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है।

तुला राशिः आज काम के प्रति आपकी एकाग्रता बढ़ी रहेगी। किसी जरूरी काम को प्री-प्लानिंग करके करेंगे तो काम आसानी से पूरा हो जाएगा। परिवार में आज किसी सदस्य से आपकी अनबन हो सकती है। बेहतर होगा कि आज आप गुस्से पर कंट्रोल रखें। इस राशि के आविवाहित लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। व

वृश्चिक राशिः आज आप प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगना कर देगा। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। किसी बहुत उपयोगी व्यक्ति से मुलाकात होगी। आप सकारात्मक सोच रखेंगे, तो आनंद से दिन बिता सकेंगे। लगभग हर कोशिश में आपको सफलता मिल सकती है। कुछ फैसले ठीक रहेंगे।

धनु राशिः आज के दिन आप किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें तो आपके लिए अच्छ होगा। आज आफिस के जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वो सकारात्मक तरीके से पूरे होंगे। ऑफिस में आज का दिन ठीक रहेगा साथ ही सहकर्मी काम निकलवाने के लिए आपको प्रलोभन दे सकता है।

मकर राशिः आज जिस काम को आप शुरू करेंगे उसे पूरा करके ही राहत की सांस लेंगे इस वजह से हो सकता है ऑफिस में काफी देर तक काम करना पड़े। किसी काम को पूरा करने के लिए शार्टकट अपनाने से बचें। निश्चित ही काम थोड़े विलम्ब से ही लेकिन पूरे हो जाएंगे। इस राशि के बिजनेसमैन को आज एक्स्ट्रा इनकम कहीं से मिल सकता है

कुम्भ राशिः आज किसी धार्मिक कार्य में सहयोग करने से नौकरी में तरक्की होगी। ऑफिस में हर काम बारीकी से निपटाने की कोशिश करेंगे। कार्यक्षेत्र में जो भी रुकावटें आएंगी, उनसे कुछ सीख सकते हैं ऐसे ही आपको आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं। बिजनेस में फायदा होगा। साथ वाले लोगों या दोस्तों से गिफ्ट मिल सकता है।

मीन राशिःआज भाग्य आपका साथ देगा। बिजनेस के सिलसिले में आज बिदेश यात्रा करनी पड़ेगी। घूमने-फिरने और मनोरंजन में समय बीतेगा। दूसरों की मदद करने से पीछे न हटें। छोटे भाई बहनों की ओर से आपको सुखद समाचार मिल सकते हैं। उनके साथ आपके संबंधों में भी मधुरता आयेगी। इस समय परिवार या फिर अपने पार्टनर के साथ कहीं घूमने की योजना भी आप बना सकते हैं।

संसदीय व्यवधान के विकल्प

हृदयनारायण दीक्षित

संसद की गरिमा के प्रश्न स्थाई भाव बन रहे हैं। संसद देश काल का दर्पण होती है। यह केवल बजट पास करने या कानून बनाने का ही संवैधानिक निकाय नहीं होती। सदन की गरिमा और मर्यादा बहुधा तार-तार हो रही है। संसद की गरिमा को उच्च स्तर पर बनाए रखने का कर्तव्य सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का है। उत्तरदायित्व का निर्वाहन शोर-शराबे से नहीं होता। कांग्रेस दीर्घकाल तक सत्ता में रही है। देश की संसदीय राजनीतिक संस्कृति को विकसित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की ही रही है। लेकिन विपक्षी दल की भूमिका में कांग्रेस वैचारिक विकल्प नहीं दे पाई। दुनिया भर के संसदीय जनतंत्रों में सत्ता पक्ष का विकल्प देने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। सदन में अचानक किसी मुद्दे पर उबाल आ जाना बड़ी बात नहीं है। तीखी नोकझोंक भी संभव है। लेकिन योजना बनाकर सदन के भीतर उत्पात करना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता। भारतीय संसद में बहुत कुछ अप्रिय घटित हो रहा है। ऐसा उत्पात सदन की मर्यादा का हनन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि, "कांग्रेस के सांसद किसी अप्रत्याशित घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देना चाहते थे।" बिरला ने कहा कि उन्होंने नेता सदन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सतर्क किया था कि ऐसी कोई बड़ी घटना संभव थी। बिरला ने यह भी कहा कि अभी बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने जैसा व्यवहार किया वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ। यद्यपि कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के दावे को झूठ बताया है। लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के आसन के सामने तीन महिला सदस्यों का खड़े होना किस दृष्टि से संसदीय है। लोकसभा अध्यक्ष के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया था कि वे सदन में न आएं। 18वीं संसद में प्रेरक घटनाएं नहीं दिखाई पड़ती। विपक्ष अपने संसदीय दायित्वों के निर्वाहन में सफल नहीं रहा। व्यवधान और शोर बार-बार के स्थगन और संसदीय शब्दों का प्रयोग लगातार हो रहा है। राष्ट्रीय विमर्श के प्रश्न बहस का मुद्दा नहीं बन पाए। वैकल्पिक विषयों पर सदन के पटल पर विकल्प देना, विकल्प के क्रियान्वयन के लिए सुझाव देना विपक्ष की जिम्मेदारी है। यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला टू प्रपोज दि गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा टू अपोज दि गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज दि गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है। लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं। संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री सदन का नेता होता है। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए उसे सरकार की नीतियों की आलोचना करनी चाहिए। उस आलोचना का आधार होना चाहिए। सदन में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा संसदीय व्यवहार का प्रमुख हिस्सा है। अपशब्द विचार प्रकट करने का सही माध्यम नहीं होते। अपशब्दों का प्रयोग संसदीय कर्तव्य के आदर्श निर्वाहन का विकल्प नहीं होता। लेकिन यहां प्रधानमंत्री के आसन के समक्ष खड़े होकर शोर मचाना, महिला सांसदों का आसन को घेर कर खड़े होना जैसे प्रसंग रोजमर्रा की कार्यवाही का हिस्सा बन रहे हैं। प्रधानमंत्री के विरुद्ध किसी अनहोनी के सम्बंध में बिरला का रहस्योद्घाटन गंभीर प्रकृति का है। यह छोटी-मोटी घटना नहीं है। योजना बनाकर संसद की कार्यवाही को किसी भी रूप में प्रभावित करने की इच्छा भी खतरनाक है। यह सदन के विशेषाधिकार का भी उल्लंघन है। लोकसभा अध्यक्ष को घटना के सभी तथ्यों की जानकारी है। इसलिए ऐसे गंभीर मुद्दे पर विशेषाधिकार के अवमान की कार्यवाही होनी चाहिए। यद्यपि ब्रिटिश संसद को संसदीय मामलों में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, लेकिन ब्रिटिश संसद के जन्म के बहुत पहले भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं थीं। लुडविग जैसे विद्वानों ने वैदिक काल में ही भारत की संसदीय संस्थाओं का उल्लेख किया है। सभा और समितियां ऋग्वेद में हैं। अथर्ववेद में हैं। महाभारत में हैं। वैदिक साहित्य में सभा के सदस्य सभासद कहलाते थे। जो सभेय थे, सभा में सुंदर बोलते थे, वे सभ्य कहे जाते थे। उत्तर वैदिक काल और पुराणों के समय भिन्न-भिन्न जनहितकारी विषयों पर विचार गोष्ठियां होती थीं। भाषा में मधुरता थी। आचार और विचार मर्यादित थे। लेकिन आधुनिक भारत की संसद तमाम प्रतिभाओं के बावजूद मर्यादित रूप में नहीं चलती। संसदीय कार्यवाही प्रेरित नहीं करती। यह हताश और निराश करती है। संविधान सभा की कार्यवाही लंबे समय तक चली थी। सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. आम्बेडकर, कमलापति त्रिपाठी, विशंभर दयालु त्रिपाठी, मौलाना हजरत मोहानी, हरि विष्णु कामथ, हृदयनाथ कुंजरू, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे विद्वान सदस्य थे। इस लंबी कार्यवाही में कहीं कोई कटुता नहीं दिखाई पड़ी। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सभा की अध्यक्षता कर रहे थे। संविधान सभा ने देश को एक राज व्यवस्था दी। राष्ट्रवादी मूल और आदर्श दिए लेकिन आश्चर्य है कि ऐसी परंपराओं के उत्तराधिकारी होकर भी हम अपनी संसद को सुव्यवस्थित नहीं चला पा रहे हैं। दुर्भाग्य का विषय है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास नीतियों के स्तर पर कोई विकल्प नहीं है। शोर स्थाई भाव है। सदन राष्ट्रीय विमर्श के संवैधानिक मंच हैं। विपक्ष को तथ्य और तर्क सहित चर्चा करनी चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि प्रश्नों का उद्देश्य क्या है? क्या लोकतंत्र की मजबूती हंगामे से ही संभव है। क्या शोर शराबा और हंगामा ही बहस का उपकरण हो सकते हैं। लोकसभा के मंच से लगातार विपक्ष द्वारा यही कहा जा रहा है कि हंगामा हथियार हो गया है। विपक्ष के पास तथ्य नहीं है। विपक्ष को लगता है कि विपक्ष के पास तथ्य और तर्क से ज्यादा हंगामा और नारेबाजी के उपकरण ही हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

संक्षिप्त समाचार

गांधी की कर्मभूमि से प्रशांत किशोर की हुंकार, पश्चिम चंपारण से किया बदलाव यात्रा का आगाज

पटना, एजेंसी। चुनावी रणनीतिकार और जनसुराज के नेता प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में मजबूत इरादों के साथ डटे हैं. प्रशांत संगठन की मजबूती के लिए एक बार फिर यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं और महात्मा गांधी के कर्मभूमि को उन्होंने चुना है. प्रशांत किशोर सरकार को घेरने की तैयारी भी कर रहे हैं. बगहा से प्रशांत किशोर की बिहार यात्रा : बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो चुकी है. प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति के मैदान में उतर चुके हैं और आगामी कार्यक्रम को लेकर सक्रिय हैं. संगठन को धार देने के लिए प्रशांत एक बार फिर यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं. जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी नई बिहार यात्रा की शुरुआत पश्चिम चंपारण के बगहा से कर रहे हैं. सीमावर्ती इलाकों से यात्रा शुरू करने के फैसले को राजनीतिक तौर पर काफी अहम माना जा रहा है, सीमावर्ती जिले लंबे समय से विकास, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों को लेकर चर्चा में रहे है. प्रशांत किशोर की यात्रा को लेकर तैयारी पूरी की जा चुकी है और बगहा से प्रशांत यात्रा शुरू कर रहे हैं. बगहा पहुंचते ही प्रशांत किशोर ने स्थानीय लोगों से सीधा संवाद किया और कहा कि उनकी यात्रा का मकसद सत्ता नहीं, बल्कि सिस्टम में सुधार है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बिहार की राजनीति अब जाति और चेहरे के इर्द-गिर्द नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी सवालों पर होनी चाहिए. यात्रा के दौरान प्रशांत किशोर पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर आम लोगों और कार्यकर्ताओं से मिलेंगे इसके साथ ही प्रशांत हम लोगों की समस्यायें भी सुनेंगे.जन सुराज अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह यात्रा आने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी का भी आधार बनेगी, हालांकि प्रशांत किशोर ने यात्रा का नाम 'जन संवाद' बताया है. बिहार में एनडीए की सरकार ने चुनाव के दौरान लंबे चौड़े वायदे और दावे किए थे. गरीब परिवार को स्वावलंबी बनाने के लिए शुरुआती दौर में 10000 दिए गए थे और 2 लाख देने का वादा किया गया था इसके अलावा पेंशन की राशि बढ़ाई गई थी साथ ही साथ मुफ्त बिजली की बात कही गई थी तमाम मुद्दों पर प्रशांत किशोर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे. प्रशांत किशोर 889 फरवरी को बगहा में रहेंगे इसके अलावा 10 फरवरी को प्रशांत किशोर पूर्वी चंपारण पहुंचेंगे. प्रशांत किशोर 11 फरवरी को दरभंगा में रहेंगे. प्रशांत किशोर 12 फरवरी को मुजफ्फरपुर पहुंचेंगे. 13 फरवरी को प्रशांत किशोर की यात्रा वैशाली पहुंचेगी. यात्रा के दौरान प्रशांत संगठन की मजबूती को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे.प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रशांत किशोर बिहार के तमाम जिलों का दौरा करेंगे. जन सुराज संगठन को नए सिरे से सशक्त करने संगठनात्मक पुनर्गठन और नवनिर्माण के उद्देश्य से प्रशांत किशोर का दौरा हो रहा है.

1पीएमसीएच में शिफ्टिंग की तारीख तय, 21 और 28 फरवरी को नए भवन में जाएंगे शिशु और स्त्री-प्रसूति विभाग

पटना, एजेंसी। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) के नवनिर्मित भवन में शिशु विभाग, स्त्री-प्रसूति विभाग और आंख विभाग को शिफ्ट करने में आ रही समस्याओं को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को अस्पताल का दौरा किया। स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग, बीएमएससीआइएल और निर्माण एजेंसी एलएंडटी के अधिकारियों ने इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में शिशु विभाग और स्त्री-प्रसूति विभाग को 21 और 28 फरवरी को शिफ्ट करने की तारीख तय की गई। शिफ्टिंग से पहले इन विभागों में आवश्यक संसाधनों की कमी को पूरा करने की योजना बनाई गई। शिशु विभाग के नीकू और पीकू में 55 बेड, सामान्य शिशु मरीजों के लिए 66 तथा थैलसिमिया, एनआरसी और सामान्य शिशु रोगियों के लिए 30 बेड निर्धारित किए गए हैं। साथ ही, स्त्री-प्रसूति विभाग के लिए 90 सामान्य बेड, दो अत्याधुनिक आपरेशन थिएटर, एक पोस्ट आपरेटिव और रिकवरी रूम के साथ 10 आइसीयू भी आवंटित किए गए हैं। इन दोनों विभागों के शिफ्ट होने के बाद आंख विभाग को शिफ्ट किया जाएगा। पीएमसीएच के रेडियोलाजी विभाग में स्थित दो सीटी स्कैन और एक एमआरआई मशीन को चालू करने पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि सीटी स्कैन के लिए भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) से पत्राचार किया गया है और एमआरआई को चालू करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए बीएमएससीआइएल के माध्यम से प्रशिक्षित कर्मी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कदम से मरीजों को मुफ्त सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।स्वास्थ्य सचिव के साथ बैठक के बाद, पीएमसीएच के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। इस बैठक में सभी विभागाध्यक्षों से उनके विभागों में ओपीडी, ओटी, माइनर ओटी आदि में आवश्यक उपकरणों और वस्तुओं की जानकारी ली गई। सभी विभागाध्यक्षों ने अपनी आवश्यकताएं बताई।

सीएम नीतीश ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का किया निरीक्षण,

मार्च में बिदुपुर तक शुरू होगा परिचालन

राघोपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कच्ची दरगाह बिदुपुर निर्माणाधीन सिक्स लेन पुल का रविवार की सुबह निरीक्षण किया। नीतीश कुमार आला अधिकारियों के साथ सिक्स लेन पुल के पाया नंबर 54 के निकट पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूरा किया जाए.

उसके बाद सीएम नीतीश कुमार पटना के लिए निकल गए। जानकारी के अनुसार नीतीश कुमार ने पुल निर्माण करने वाली एजेंसी के अधिकारियों को जल्द से जल्द बिदुपुर तक सिक्स लाइन पुल चालू करने का निर्देश दिया।

फिलहाल कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल को राघोपुर तक चालू कर दिया गया है। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।मार्च 2026 में तक बिदुपुर तक पुल शुरू किए जाने की उम्मीद है। सिक्स लेन पुल बिदुपुर तक शुरू किए जाने के बाद गांधी सेतु पर दबाव कम होगा।

गौरतलब हो सीएम नीतीश कुमार ने बीते 9 दिसंबर 2025 को कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल का निर्माण कार्य का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान नीतीश कुमार ने निर्माण कार्य में लगी एजेंसी को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया था।

मालूम हो कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल के प्रथम चरण में एन एच 31 से राघोपुर तक 4.57 किलोमीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया।

उद्घाटन के बाद राघोपुर के लोगों के लिए पटना आना-जाना और पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है. पुल के चालू हो जाने से उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला एक मजबूत वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध हो गया।

करीब 5000 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल गंगा नदी पर कच्ची दरगाह और बिदुपुर को जोड़ता है।इसका शिलान्यास 31 जनवरी 2016 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था।यह पुल कुल 22.76 किलोमीटर लंबा है, जिसमें गंगा नदी पर 9.76 किलोमीटर और पहुंच पथ की लंबाई 13 किलोमीटर है।

इस पुल की विशेषता इसका एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टे डिज़ाइन है।इसमें केबल्स को सीधे टावर से जोड़ने के बजाय डेक के नीचे एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक जोड़ने की तकनीक अपनाई गई है, जिससे यह संरचना अधिक सुदृढ़ और टिकाऊ बनती है। यह तकनीक देश के कुछ ही पुलों में उपयोग की गई है।

19 किलोमीटर इस लंबे पुल में करीब 9.76 किलोमीटर हिस्सा गंगा नदी पर एक्स्ट्रा डोजड केवल स्टे ब्रिज है।इसकी चौड़ाई 32 मीटर है और इसे 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के अनुरूप डिजाइन किया गया है। पुल निर्माण एशियन डेवलपमेंट बैंक से करीब 3000 करोड़ रुपए लोन व बिहार सरकार द्वारा 2000 करोड़ रुपए राशि खर्च की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य पत्र विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज पाल, पटना के जिलाधिकारी डॉक्टर त्याग राजन एस एम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा सहित विभाग के अधिकारी एवं पुल निर्माण कार्य एजेंसी के अधिकारी मौजूद रहे।

एक साथ 8 लोगों को उम्रकैद ; क्यों चर्चित हुआ था बिहार में यह हत्याकांड

जहानाबाद, एजेंसी। व्यवहार न्यायालय, जहानाबाद ने हत्या के एक चर्चित मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए पिता-पुत्र समेत आठ अभियुक्तों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला जहानाबाद जिले के कड़ौना थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां 25 वर्षीय युवक मंटू यादव की हत्या कर दी गई थी। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय संजय कुमार सिन्हा के न्यायालय ने सभी अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक पर 30-30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने की स्थिति में दोषियों को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए गए अभियुक्तों में लतुफुलाह चक, थाना कड़ौना निवासी सूरज कुमार, मनोज कुमार, सीताराम यादव, सुदामा यादव, प्रमोद यादव, राम पूजन यादव, चांद कुमार और श्याम कुमार शामिल हैं। सभी को मंटू यादव की हत्या के मामले में दोषी पाया गया।

सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए अपर लोक अभियोजक बिंदु भूषण प्रसाद ने बताया कि इस मामले में सूचक सूर्य देव सिंह, ग्राम लतुफुलाह चक, थाना कड़ौना, जिला जहानाबाद निवासी द्वारा कड़ौना थाना कांड संख्या 634/21 दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी के अनुसार, 5 अक्टूबर 2021 की रात करीब नौ बजे सूचक अपने पुत्र मंटू कुमार के साथ दालान पर बैठा था। इसी दौरान सभी अभियुक्त वहां पहुंचे और मंटू कुमार को मछली मारने के बहाने अपने साथ लेकर चले गए। रात में मंटू कुमार के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने अभियुक्तों के घर जाकर पूछताछ की, लेकिन सभी अभियुक्त घर से फरार पाए गए। इसके बाद दो दिनों के पश्चात मंटू कुमार का शव अन्यत्र स्थान से बरामद किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या का कारण पुरानी रंजिश था। मृतक मंटू कुमार ने पहले कुछ अभियुक्तों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जिसे वापस लेने के लिए अभियुक्त उस पर लगातार दबाव बना रहे थे। इसी रंजिश में उसकी हत्या कर दी गई।मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से चिकित्सक, अनुसंधानकर्ता (आईओ) समेत कुल नौ गवाहों का साक्ष्य न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सभी साक्ष्यों और तर्कों के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्तों को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई।

ग्रामोद्योग 'वोकल फॉर लोकल' से आत्मनिर्भर भारत बन रहा मजबूत

पटना, एजेंसी। भारत सरकार की ओर से खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने शनिवार को गांधी मैदान में राज्यस्तरीय खादी प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम व खादी प्रदर्शनी और ग्रामोद्योग विकास कार्यक्रम में 'खादी महोत्सव-2026' का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री जीतन राम मांझी ने की। इसमें उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, सांसद रवि शंकर प्रसाद, एमएसएमई निदेशक अमन समीर के साथ अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में जीतन राम मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं ग्रामोद्योग विकास योजना समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से युवाओं, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को स्वरोजगार से जोड़कर रोजगार को बढ़ाया जा रहा है। खादी और ग्रामोद्योग 'वोकल फॉर लोकल' और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में भूमिका निभा रहा है।

दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे आयोजन न केवल उत्पादों को बाजार दिलाते हैं, बल्कि लाभार्थियों को आत्मविश्वास भी बनाते हैं। इसमें ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को टूलकिट वितरित किए गए। इससे वे अपना काम शुरू कर सकें।

बिहार के सूर्य शेखर ने रचा इतिहास, अंतरराष्ट्रीय कोडिंग प्रतियोगिता 2026 में हासिल किया पहला स्थान

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार की मिट्टी ने एक बार फिर अपनी मेधा का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया है। पूर्णिया जिले के निवासी सूर्य शेखर ने अहमदाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कोडिंग प्रतियोगिता 2026 में पहला स्थान हासिल कर न केवल अपने जिले, बल्कि पूरे भारत का नाम वैश्विक मंच पर रोशन किया है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही सूर्य शेखर अब दुनिया के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ सॉफ्टवेयर डेवलपर्स की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

यह विश्वस्तरीय प्रतियोगिता दुनिया की प्रतिष्ठित टेक कंपनियों के सहयोग से और प्रसिद्ध वेब फ्रेमवर्क लारावेल की देखरेख में आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और जापान समेत 20 से अधिक विकसित देशों के करीब 1200 चुनिंदा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

प्रतियोगिता के दौरान कोडिंग के जटिलतम लॉजिक्स को सुलझाने, तकनीकी दक्षता दिखाने और आधुनिक सॉफ्टवेयर चुनौतियों का समाधान करने जैसे कई कड़े राउंड आयोजित किए गए थे। सूर्य शेखर ने अपनी तार्किक क्षमता और बेहतरीन कोडिंग स्किल्स के दम पर सभी वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए सर्वोच्च स्थान हासिल किया।

सूर्य की इस असाधारण सफलता पर लारावेल फ्रेमवर्क के संस्थापक और दुनिया के दिग्गज प्रोग्रामर टेलर ओटवेल ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया। सम्मान के तौर पर सूर्य को नवीनतम मैकबुक एम4 प्रदान किया गया। सूर्य शेखर ने बताया कि टेलर ओटवेल जैसे तकनीकी विजनरी से मिलना और उनसे भविष्य की तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वेब डेवलपमेंट पर चर्चा करना उनके जीवन का सबसे सुखद अनुभव रहा।

अपनी इस बड़ी उपलब्धि पर सूर्य शेखर भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि उनकी इस सफलता के पीछे उनके माता-पिता और बड़े भाई राजशेखर का मार्गदर्शन है। उल्लेखनीय है कि राजशेखर खुद एक अनुभवी सॉफ्टवेयर डेवलपर हैं, जिन्होंने सूर्य को तकनीक की बारीकियों से रूबरू कराया। सूर्य ने कहा, 'यह जीत मेरे करियर का एक बड़ा पड़ाव है। मुझे उम्मीद है कि इससे छोटे शहरों के दूसरे छात्रों को भी बड़े वैश्विक लक्ष्यों की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।'

सूर्य शेखर की इस अंतरराष्ट्रीय सफलता की खबर मिलते ही पूर्णिया समेत पूरे बिहार में जश्न का माहौल है। सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार बधाइयाँ दी जा रही हैं। शिक्षाविदों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस उपलब्धि को बिहार के युवाओं के लिए एक मील का पत्थर बताया है। यह सफलता इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यदि युवाओं को सही मार्गदर्शन और उचित अवसर मिलें, तो वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी किसी से पीछे नहीं हैं।

सहरसा में 4 दोस्तों ने नशा करने के लिए कीटनाशक को पानी में मिलाकर पीया, तीन की मौत

सहरसा, एजेंसी। सहरसा में नशा करने के लिए कीटनाशक को पानी में मिलाकर पीने से 4 दोस्तों की हालत बिगड़ गई। इसमें तीन युवकों की मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। घटना शनिवार की कनरिया थाना क्षेत्र के फरेवा गांव की है। मृतकों की पहचान फरेवा गांव निवासी मुरारी सदा (18), राजा कुमार (20) और सनी देओल कुमार (20) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक का नाम सनोज कुमार (18) है। चारों गांव में लौंडा डांस का कार्यक्रम करते थे।

परिजनों ने बताया कि राजा कुमार अपने पीछे दो बेटियों को छोड़ गए हैं, जबकि सनी देओल कुमार की करीब छह महीने पहले शादी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायल सनोज कुमार ने बताया, 'शनिवार को हम सभी दोस्तों ने नशा करने का प्लान बनाया। फिर मैं दुकान गया और डिस्पोजल ग्लास खरीदकर लाया। हम सभी दोस्त फिर खेत की ओर निकल गए। हम सबने सोचा का आज कुछ अलग करके देखते हैं। इसलिए कीटनाशक को पानी में मिलाया और पीने लगे। कुछ देर बाद हम सबकी हालत खराब होने लगी। जैसे तैसे हम अपने घर पहुंचे और उसके बाद हमें कुछ पता नहीं क्या हुआ।'

सन्नी कुमार
मृतक

मृतक मुरारी कुमारी की मां सिरजेन देवी ने बताया, 'उनके दो बेटों में सबसे बड़ा मुरारी था। मुरारी को बचपन से ही नाच गाने का शौक था और अक्सर गांव घर में शादी विवाह समेत अन्य कार्यक्रम में लड़की का ड्रेस पहनकर नाचने जाता था। राजा, सन्नी देवल और सनोज और मुरारी चारों में नाच गाना को लेकर अच्छी दोस्ती थी। शनिवार के सुबह रोज के तरह वो सुबह 8 बजे उठा और बिना कुछ खाए घर से निकल गया। वह दोपहर करीब 1 बजे लड़खड़ाते हुए घर आया और गिर गया।

उसको उठाकर देख तो मुंह से झाग निकल रहा था। उसे उठाकर हमलोग नजदीक के अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे खगड़िया ले जाने को कहा। लेकिन रास्ते में मुरारी ने दम तोड़ दिया।' वहीं राजा सादा के पिता ने बताया, 'वह शादीशुदा था। वह दिल्ली पंजाब में मजदूरी भी किया करता था। 2 महीने पहले ही घर आया था। गांव घर में ही वो शादी में डांस किया करता था। राजा को दो पुत्री है एक ढाई साल की और दूसरा पांच महीने की है।'

सहरसा एसपी हिमांशु ने बताया, 'घटना दोपहर करीब एक बजे की घटना है। चारों दोस्त अपने घर से लगभग एक किलोमीटर दूर एक मक्के के खेत में गए थे, जहां उन्होंने कीटनाशक (फ्यूराडान) खाया। जहर खाने के बाद वे लड़खड़ाते हुए गांव की ओर लौटे, लेकिन घर पहुंचते ही गिर पड़े। उनके मुंह से झाग निकलता देख गांव वालों ने पुलिस को जानकारी दी।

मुजफ्फरपुर में कभी भी धंस सकती है जमीन, सीवर लाइन के घटिया निर्माण ने बढ़ाई राहगीरों की मुश्किल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सावधान, स्मार्ट सिटी की सड़क कहीं और कभी भी धंस सकती। इसकी चपेट में आकर आप दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। खासकर जहां-जहां सड़क के नीचे स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा तीन सौ करोड़ की लागत से सीवर लाइन बिछाई गई है।

शनिवार को एक बार फिर सिकंदरपुर स्टेडियम के पास सड़क धंस गई जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घेराबंदी कर दी ताकि राहगीरों को संभावित दुर्घटना से बचाया जा सके।

सड़क धंसने की घटना ने एक बार फिर सीवर लाइन बिछाने में बरती गई अनियमितता की पोल खोल दी है। सड़क धंसने की यह पहली घटना नहीं। अब तक शहर में जहां-जहां सीवर लाइन बिछाई गई है उनमें से एक दर्जन स्थानों पर सड़क धंसने की घटना हो चुकी है।

प्रमंडलीय आयुक्त एवं समाहरणालय प्रवेश द्वार के पास लगातार दो बार सड़क धंस चुकी है। पहली बार तो सड़क धंसने से नगर निगम का सुपर साकर मशीन पलट गई थी। इसकी चपेट में आने से आधा दर्जन लोग बच गए हैं। इस तरह की घटना अब तक लक्ष्मी चौक, नवयुवक समिति रोड, महेश बाबू चौक आदि स्थानों पर हो चुकी है।

बताते चलें कि स्मार्ट सिटी योजना के तहत शहर में स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा चयनित तोशिबा वाटर साल्युशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तीन सौ करोड़ रुपये की लागत से शहर में सीवर लाइन बिछाया गया है।

बोधगया बनेगा 'भारत का क्योटो', जापानी शिष्टमंडल और विस अध्यक्ष की मुलाकात में विकास का खाका तैयार

बोधगया, एजेंसी। बोधगया को जापान के ऐतिहासिक और सुव्यवस्थित शहर क्योटो की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में एक अहम संकेत तब मिला, जब सौ सदस्यीय जापानी शिष्टमंडल ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार से मुलाकात की।

यह शिष्टमंडल जापान की सबसे प्राचीन बौद्ध मोनेस्ट्री के मुख्य पुजारी इजेन ओनिसी के नेतृत्व में बोधगया पहुंचा था, बोधगया के विभिन्न बौद्ध तीर्थस्थलों का भ्रमण करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान जापानी शिष्टमंडलों ने विधानसभा अध्यक्ष को खादा पहनाकर सम्मानित किया और स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार सरकार की मंशा है कि बोधगया को न सिर्फ एक तीर्थस्थल, बल्कि सुव्यवस्थित, शांत और वैश्विक आध्यात्मिक शहर के रूप में विकसित किया जाए। जापान का क्योटो शहर के तर्ज पर यहां की विकास हो।

उन्होंने भारत-जापान के बीच गहरे सांस्कृतिक और बौद्धिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य में जापान से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और बौद्ध अनुयायी भगवान बुद्ध के दर्शन के लिए बोधगया आएंगे।

6 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या: दरभंगा में भीड़ ने गाड़ी फूंकी

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में 6 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या कर दी गई है। पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। बच्ची शनिवार शाम से लापता थी। परिजन लगातार उसे खोज रहे थे। देर रात गांव के बाहर तालाब के पास कुछ कुत्ते भौंक रहे थे। जिसके बाद परिवार के लोगों को शक हुआ। परिजन मौके पर पहुंचे तो तालाब के किनारे दीवार के पास बच्ची खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

इधर, घटना के विरोध में रविवार को गुस्साए लोगों ने दरभंगा के मुख्य मार्ग पर सुंदरपुर बेला मंदिर के पास सड़क जाम कर दिया। मौके पर 8 थानों की पुलिस तैनात है। गुस्साई भीड़ ने ऑटो को आग के हवाले कर दिया। पुलिस पर पथराव किया। पत्थरबाजी में एसडीएम को पैर में चोट लगी है। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। पुलिस सड़क पिस्टल लहराते हुए भी दिखी।

सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए दरभंगा के वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी भी घटनास्थल पर पहुंचे। इसके साथ ही फॉरेंसिक साइंस लैब और साइबर सेल की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

2 बच्ची मौक से भाग गईं : पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना के समय तीन बच्चियां तालाब के किनारे खेल रही थीं। इसी दौरान आरोपी ने तीनों को पकड़ने की कोशिश की। इसमें एक बच्ची उसके हाथ लग गई, जबकि दो अन्य बच्चियां वहां से भागने में सफल रहीं। आरोप है कि आरोपी बच्ची को अंधेरे की ओर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। दोनों बच्चियों के बयान और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान विकास महतो (22) के रूप में की। पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कपड़ों पर खून के धब्बे मिलने की पुष्टि हुई है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। दरभंगा के वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि बच्ची का शव बरामद कर लिया गया है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी पहुंचे मौके पर, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया : घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी जगुनाथ रेड्डी देर रात मौके पर पहुंचे और हालात को संभाला। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है। वहीं एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है और जरूरी सैंपल जुटाए जा रहे हैं।बताया जा रहा है कि बच्ची शाम के समय घर से बाहर तालाब किनारे दूसरी बच्चियों के साथ खेलने गई थी। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश करने लगे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। देर रात इलाके में कुत्तों के ज्यादा भौंकने की आवाज सुनकर बच्ची के मामा वहां पहुंचे तो देखा कि बच्ची खून से लथपथ हालत में पड़ी हुई थी। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे और देखा गया कि पास की दीवार पर भी काफी खून पड़ा हुआ था।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

संक्षिप्त समाचार

नौ विभूतियों को मिलेगा तिरंगा सम्मान

लखनऊ, एजेंसी। अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नौ विभूतियों को अवॉर्ड-ए-तिरंगा सम्मान से नवाजा जाएगा। एलायंस सोशल एंड कल्चरल सोसाइटी के तत्वावधान में 30 मार्च को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह लखनऊ में सम्मान समारोह का आयोजन होगा। संस्था के सचिव दिलावर हुसैन ने शनिवार को एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि यह छठा सम्मान समारोह है। इस वर्ष मुश्ताक अहमद बावला (समाजसेवी), डॉ. संजीव मोहन (सर्जन), गिडियन मैसी (संगीतज्ञ), दयाल नहलानी (फिल्म निर्देशक), सलमान क़ुरैशी (समाजसेवी), मो. इरफान अली (धावक), एसके शाहनवाज, शिवानी वर्मा (सौंदर्य विशेषज्ञ) और डॉ. अनीता सहगल वसुंधरा (लेखिका) को सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान यादे रफी शीर्षक से एक संगीत रूपक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा, जिसमें राजधानी के वरिष्ठ गायक मोहम्मद रफी के गाए हुए गीतों को कलाकार अपनी आवाज से संवारेंगे। इस दौरान असलम जावेद सिद्दीकी, आरपी सिंह, सोनी त्रिपाठी सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

निषाद समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग

बांगरमऊ। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर तहसीलदार साक्षी राय को ज्ञापन दिया। समाज को पिछड़े वर्ग की सूची से हटाकर अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं का कहना था कि निषाद समाज लंबे समय से सामाजिक और आर्थिक शोषण का शिकार रहा है। उसे उसका संवैधानिक अधिकार नहीं मिल पा रहा है। पूर्व में संशोधन के तहत निषाद, केवट, मल्लाह, कश्यप, कहार, ढीमर, बिंद, बाथम, तुरैहा, गोड़िया, मछुआ आदि जातियों को पिछड़े वर्ग की सूची से हटाकर नई संशोधित सूची जारी करने का आदेश दिया गया था लेकिन जनपद और तहसील स्तर पर इसका पालन नहीं किया जा रहा है। विशेष रूप से तहसील कार्यालय द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से इन जातियों के लोगों को पिछड़े वर्ग का प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने तहसील प्रशासन से मांग की कि शासनादेश का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए और नियम विरुद्ध जारी किए जा रहे प्रमाणपत्रों पर तत्काल रोक लगाई जाए। जल्द कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

महिला की हत्या, कारोबारी पति और देवर पर केस दर्ज

लखनऊ। बीबीडी इलाके से 29 दिसंबर से कारोबरी दीप कुमार सिंह की लापता पत्नी पूनम (40) का शव 28 जनवरी को रायबरेली के हरचंदपुर स्थित इंदिरा नहर में मिला। भाई भानू प्रताप सिंह ने पूनम के पति और देवर बलवीर सिंह के खिलाफ बीबीडी थाने में हत्या का केस दर्ज कराया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, पूनम की मौत दम घुटने से हुई है। अमेठी के मोहनगंज गडेहरी पूरे बैशन गांव निवासी पूनम की शादी 24 साल पहले गोंडा के परसपुर मरचौर पूरे चौहान गांव निवासी दीप कुमार सिंह से हुई थी। दीप कुमार सिंह परिवार के साथ इंदिरानगर में रहते हैं व उनका निर्माण सामग्री का कारोबार है। भानू प्रताप सिंह के अनुसार, 29 दिसंबर को पूनम की सास ने फोन पर बहन के एक्सीडेंट की जानकारी दी। परिजन लखनऊ पहुंचे, तो पता चला कि पूनम इंदिरा नहर में कूद गई हैं। पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से नहर में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन सुराग नहीं मिला।

नौकरी छोड़ बनीं उद्यमी, हैंडमेड साबुन ने दिलाई दुबई तक पहचान

लखनऊ, एजेंसी। सरकारी व निजी संस्थानों की ओर से संचालित रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को स्वरोजगार की राह दिखा रहे हैं। लखनऊ की रिया गुप्ता ने इनवेस्टमेंट सेक्टर की नौकरी छोड़कर अपना उद्यम शुरू किया और हैंडमेड साबुन के जरिये देश-विदेश तक पहचान बनाई। पढ़ाई के दौरान सोप मेकिंग का प्रशिक्षण लेने वाली रिया ने बाद में बंगलूरू में कॉर्पोरेट सेक्टर की नौकरी छोड़ी और फल, फूल व सब्जियों के रस से प्राकृतिक साबुन बनाने का काम शुरू किया। उनके उत्पादों के ग्राहक अब दुबई तक हैं। निरालानगर निवासी रिया गुलाब, हल्दी, खीरा, पपीता, ओट्स एंड मिल्क, ग्रीन टी व कॉफी फ्लेवर के साबुन के साथ कॉफी स्क्रब और मसूर दाल उबटन भी तैयार करती हैं। चार वर्ष पहले नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने अपने हुनर को व्यवसाय में बदला। रिया के अनुसार, उद्योग विभाग के ट्रेड फेयर और ऑनलाइन मार्केटिंग से उन्हें बड़ा मंच मिला।

बसपा को ब्राह्मणों से है उम्मीद

पार्टी उठा रही है उनके सम्मान का मुद्दा

लखनऊ, एजेंसी। बसपा को उम्मीद है विधानसभा-2027 चुनाव में सवर्ण जीत का स्वाद चखा सकते हैं। इसमें ब्राह्मणों की भूमिका सबसे अहम हो सकती है। इसलिए बसपा सुप्रीमो मायावती लगातार ब्राह्मणों के हितों के लिए लगातार मुखर होकर मुद्दों पर बात रख रही हैं। शुक्रवार को पदाधिकारियों संग हुई बैठक में एक बार फिर ब्राह्मणों के हितों की बात करते हुए बसपा को ही समाज का हितैषी बताया है। लोकसभा चुनाव में मायावती ने मुस्लिमों पर भरोसा जताकर टिकट दिए थे। इसके बावजूद बसपा को मुस्लिमों के ही वोटों का संकट रहा था। तब मायावती ने बयान दिया था कि भविष्य में वह मुस्लिमों को सोच समझकर ही टिकट देंगी। चूंकि सवर्ण चार बार उनको जीत का स्वाद चखा चुके हैं। इसलिए उन्होंने इस बार ब्राह्मणों को केंद्र में रखकर विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंका है।

इसका एक ताजा उदाहरण विवादित वेब सीरीज घूसखोर पंडत है। जिस पर मायावती ने ब्राह्मणों के पक्ष में खुलकर बात रखी और फिल्म की आलोचना की। ये भी कहा कि कुछ समय से यूपी ही नहीं बल्कि अब फिल्मों में भी पंडत को घूसखोर आदि बताकर अपमानित किया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने सीरीज पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। साफ है कि मायावती ब्राह्मण कार्ड के सहारे आगामी चुनाव में अपनी खोई हुई सियासत जमीन हासिल करना चाहती हैं। इसी संदेश को मायावती ने पदाधिकारियों को भी दिया है।

एक माह में लगातार तीसरी बार ब्राह्मणों के हित की बात : बसपा सुप्रीमो मायावती ने विधानसभा चुनाव-2027 के लिए एक बार फिर ब्राह्मण समाज को साथ लाने की रणनीति का संकेत दिया है। मायावती ने एक माह में तीसरी बार शनिवार को ब्राह्मणों के सम्मान और हितों की बात की। इससे पहले 15 जनवरी को उन्होंने प्रेसवार्ता कर कहा था कि ब्राह्मणों को बाटी चोखा नहीं सम्मान चाहिए। वहीं एक दिन पहले शुक्रवार को घूसखोर पंडत फिल्म को ब्राह्मणों का अपमान बताते हुए इस पर प्रतिबंध की बात की थी

शनिवार को मायावती ने कहा कि पार्टी के लोग विपक्षी पार्टियों के हथकंडो व साजिशों से पूरी तरह वाकिफ हैं। हमारी पार्टी इनका डटकर सामना कर रही है। जिससे संगठन मजबूत हो रहा है। चुनावी तैयारियों के मद्देनजर संगठन में जरूरी फेरबदल बड़े पैमाने पर किया गया है। मिशन-2027 को मिशन-2007 की तर्ज पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर पूरा किया जाएगा और कानून का राज स्थापित किया जाएगा।

यूसीसी बना सामाजिक तनाव का कारण : मायावती ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण-विरोधी नीति की वजह से इन वर्गों के लोगों को सरकारी नौकरी पाने व प्रमोशन में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। गलत नीति की वजह से यूनिफॉर्म सिविल कोड को सामाजिक समरसता की बजाय सामाजिक तनाव का नया कारण बना दिया। केंद्र व राज्यों की भी अधिकांश सरकारें पिछले कुछ समय से जनहित के इन मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय जाति व धर्म की आड़ में ही अपनी राजनीति चमकाने में लगी हैं। इससे समाज में नफरत की भावना पैदा हो रही है, जो देश व जनहित में सही नहीं है।

एक दूसरे को नीचा दिखा रहे पक्ष-विपक्ष : बसपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सरकार व विपक्ष के बीच राजनीति व टकराव की वजह से संसद के वर्तमान बजट सत्र के हंगामे की भेंट चढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस समय संसद सत्र चल रहा है, जिसमें सत्ता व विपक्ष देश व जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने की बजाय एक-दूसरे को नीचा दिखाने का जो घटिया ड्रामा व खेला कर रहे हैं। पक्ष-विपक्ष को भारतीय संविधान की गरिमा ध्यान रखनी चाहिए। संसद को चलाने के लिए जो नियम-कानून बने हैं, उन पर अमल करना चाहिए। मायावती ने कहा कि वर्तमान में टैरिफ व अन्य कई ऐसे देश व जनहित के मुद्दे हैं, जिन पर संसद में स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए थी लेकिन इनकी आपसी लड़ाई के कारण ये मुद्दे दरकिनार कर दिए गए। देश की जनता सब देख रही है। ऐसे में सत्ता व विपक्ष को ऐसे कृत्यों से बचना चाहिए।

कोई योग्य व्यक्ति वोटर बनने से न छूटे : एसआईआर को लेकर मायावती ने कहा कि हर स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया जाए किसी भी सूरत में योग्य व्यक्ति वोटर बनने से न छूटे। गरीब, मज़दूर, महिलाएं, अशिक्षित लोगों में अगर जानकारी का अभाव है तो अफसर इनसे संपर्क कर इनके नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाएं।

मंडल जोन प्रभारी नियुक्त: बसपा ने मंडल जोन के प्राभरियों को नियुक्त किया है। चुनाव में इन प्रभारियों को बेहद अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। मौजीलाल गौतम, विनय कश्यप को लखनऊ, उन्नाव व रायबरेली की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ सुशील कुमार मुन्ना, राकेश गौतम को सीतापुर, हरदोई व लखीमपुर खीरी के पार्टी संबंधी कार्य सौंपे गए हैं। मुनकाद अली को मेरठ, गिरीश चंद्र को मुरादाबाद, सूरज सिंह जाटव को अलीगढ़ मंडल के जिलों को बांटकर कार्य करेंगे। यूपी बीएसपी स्टेट अध्यक्ष विश्वनाथ पाल अयोध्या लखनऊ मंडल के भी प्रमुख कार्य करेंगे।इसके अलावा लखनऊ की सभी 9 विधानसभा सीटों के प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इसमें श्रवण गौतम व सत्य कुमार गौतम को मलिहाबाद, मनीष यादव व राकेश कुमार को बीकेटी, नैमीलाल गौतम व अनुरेंद्र कुमार को सरोजनीनगर, मुन्नालाल गौतम व हरीश सैलानी को लखनऊ पश्चिम, शैलेंद्र सिंह गौतम व महादेव प्रसाद जागरुक को लखनऊ उत्तरी, इंद्रजीत गौतम व राकेश कुमार गौतम को लखनऊ पूर्वी, एडवोकेट उमेश गौतम व गंगाराम गौतम को लखनऊ मध्य, देवेश गौतम व बृजेश चौधरी को लखनऊ कैंट और सुरेश राव व अनुज कुमार वर्मा को मोहनलालगंज विधानसभा सीट का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

स्नेहधरा वृद्धाश्रम को एसबीआई महिला क्लब की सौगात

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक महिला क्लब लखनऊ मंडल की ओर से बैंक सामुदायिक सेवा कार्यक्रम के तहत स्नेहधरा वृद्धाश्रम में उपहार दिए गए। सृजन फाउंडेशन से संचालित स्नेहधरा (अम्मा-बप्पा का अपना घर) वृद्धजन सेवा केंद्र में निशक्त वृद्धजनों की सेवा में एसबीआई महिला क्लब ने वॉशिंग मशीन, कॉमर्शियल जूसर, वॉटर कूलर, कंप्यूटर, अलमारियों के अलावा बेड, बेडशीट, गद्दे, तकिया, समेत कच्चा अनाज व खाद्य सामग्री भेंट की। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ मंडल अध्यक्ष ऋतुपर्णा दे ने की। इस दौरान उपाध्यक्ष रेणु राय, सचिव निवेदिता, सृजन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अमित सक्सेना और डॉ. अर्चना सक्सेना, वृद्धाश्रम के बुजुर्गों सहित भारतीय स्टेट बैंक महिला क्लब के कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे। संयोजन नीतू कुमार ने किया।

गर्ल्स स्कूलों के सामने नहीं हैं सुरक्षित हालात

छुट्टी से पहले जुट गए अराजक तत्व; नहीं दिखी पुलिस

लखनऊ, एजेंसी। बालिका विद्यालयों के बाहर जाम की समस्या के बीच छात्राओं को तंग करने की घटनाओं पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। लखनऊ खंडपीठ ने इनकी सुरक्षा और स्कूलों के बाहर यातायात प्रबंधन को लेकर ठोस सुझाव मांगते हुए डीजी ट्रैफिक को 17 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया है।

छुट्टी से पहले जुट गए अराजक तत्व: राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शाहमीना में छुट्टी दोपहर 3:30 बजे होती है। इससे 10 मिनट पहले ही अराजक तत्वों का जमावड़ा शुरू हो गया। छुट्टी होते ही मुख्य द्वार पर भीड़ लग गई। इससे छात्राओं को निकलने में भी परेशानी हो रही थी। विद्यालय प्रशासन की ओर से इनकी सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं दिखी। राजकीय बालिका जुबिली इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार के बाहर भी कुछ ऐसे ही हालात थे।

करामत कॉलेज के बाहर भी नहीं दिखी पुलिस

महानगर स्थित करामत गर्ल्स मुस्लिम डिग्री कॉलेज की छुट्टी दोपहर दो बजे हुई। अतिक्रमण के बीच टेंपो, ई ऑटो के जमावड़े से छात्राएं को काफी

परेशानी हुई। चाय व पान की दुकान पर कुछ युवक हंसी-मजाक कर रहे थे, जिन्हें देखकर छात्राएं असहज नजर आईं। स्कूल और कॉलेज के छुट्टी के समय पुलिस की मौजूदगी का आदेश है, लेकिन कॉलेज के पास कोई पुलिसकर्मी नजर नहीं आया। पास की गोपाल पुरवा पुलिस चौकी भी बंद मिली। चौराहे पर एक ट्रैफिक सिपाही यातायात संभालता नजर आया।

गेट के बाहर ई रिक्शा, ऑटो चालकों का कब्जा : दोपहर तीन बजे केकेसी कॉलेज के बाहर छात्राओं का आवागमन जारी था। हालांकि, इनकी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। कॉलेज प्रबंधन की ओर से कोई सुरक्षाकर्मी नहीं तैनात किया गया था और पुलिस भी नदारद थी। कॉलेज के गेट तक ई-रिक्शा व ऑटो चालकों का कब्जा था।

सड़क पर वाहन बेतरतीब तरीके से खड़े थे, जिससे छात्राओं को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। गेट पर बस भी खड़ी मिली। जेसीपी एलओ बबलू कुमार का कहना है कि स्कूल-कॉलेजों के बाहर सुबह व दोपहर के वक्त पुलिस रहती है। इसके अलावा भी बीच-बीच में टीम गश्त करती है। मिशन शक्ति के कार्यक्रमों के दौरान छात्रों को पुलिस के नंबर दिए गए हैं। छात्राओं से अपील की गई है कि किसी भी दिक्कत में मदद के लिए फोन कर सकती हैं। यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी लगाई जाती है।

2027 के चुनावों का दादरी से चुनावी बिगुल फूंकेगी सपा, यह है राजनीतिक वजह; पार्टी ने बनाई ये रणनीति

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी 2027 विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर पूरे प्रदेश में समाजवादी समानता भाईचारा रैली करेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 29 मार्च को नोएडा के दादरी से इसकी शुरुआत करेंगे। इसके बाद ये रैलियां प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित की जाएंगी। इस रैली की जिम्मेदारी समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी संभालेंगे। नोएडा से इस अभियान की शुरूआत के पीछे माना जा रहा है कि पार्टी इस कमजोर गढ़ में अपने को मजबूत दिखाने का संदेश देना चाहती है। पार्टी का मानना है कि अगर इन इलाकों में संगठन मजबूत किया गया, तो चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है

विधानसभा चुनावों के करीब 11 महीने पहले नोएडा से शुरू होने वाली इस रैली की तर्ज पर प्रदेश के सभी जिलों में रैली का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए समाजवादी पार्टी के नेता स्थानीय स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। इन रैलियों के आयोजन के जरिये सपा की कोशिश उन विधानसभा क्षेत्रों में अपनी स्थिति

मजबूत करने पर है, जहां समाजवादी पार्टी को 2022 विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था।

रैलियों की शुरुआत के साथ ही समाजवादी पार्टी ने विधानसभा चुनावों के उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया भी तेज कर दी है। जातीय समीकरणों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पार्टी की कोशिश है कि ऐसे नेताओं को प्रत्याशी बनाया जाए, जिनकी विधानसभा क्षेत्र में स्वीकार्यता हो। इसके अलावा टिकट के चयन में एसआईआर में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नेताओं का भी अहमियत दी जाएगी। सपा हर सीट पर प्रत्याशियों को टिकट देने के लिए सर्वे भी करा रही है।

पार्टी शुभ संकेत के रूप में देख रही: पार्टी के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि अखिलेश यादव ने 2012 में गौतमबुद्धनगर से साइकिल यात्रा की शुरुआत की थी। उसी वर्ष समाजवादी पार्टी को जीत मिली थी। एक बार फिर नोएडा से अभियान की शुरुआत को उसी 'शुभ संकेत' से जोड़कर देखा जा रहा है।

नोएडा को लेकर लंबे समय से राजनीतिक मिथक भी रहा है कि जो भी मुख्यमंत्री नोएडा जाता है। वह छह महीने के भीतर कुर्सी गवां देता है। इसी कारण मुख्यमंत्री के अपने कार्यकाल के दौरान अखिलेश यादव नोएडा नहीं गए थे। 2017 और 2022 के चुनावों में भी उन्होंने अभियान की शुरुआत दूसरे जिलों से की, लेकिन सत्ता हासिल नहीं कर सके।

सोनभद्र में वारदात : क्रेसर प्लांट के कार्यालय में सो रहे खनन व्यवसायी की सिर कूचकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

सोनभद्र, एजेंसी। सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के बघमनवा खनन क्षेत्र में शनिवार रात खनन व्यवसायी विष्णु हरि उपाध्याय (76) की निर्मम तरीके से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। वारदात बघमनवा के पास स्थित एक प्लांट के समीप बने कार्यालय में हुई, जहां विष्णुहरि सो रहे थे। खनन व्यवसायी माधव हरि उपाध्याय के भाई थे और मूल रूप से थाना गोपीगंज, जिला भदोही के निवासी थे। ओबरा क्षेत्र में व्यवसाय के चलते वह बाबा धुलाई शिवनगर कॉलोनी में रह रहे थे। रविवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही पीआरबी और ओबरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना पाकर पहुंचे परिजनों का शव देखकर रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने वारदात के दौरान कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं चोरी की आशंका भी जताई जा रही है। एडिशनल एसपी अनिल कुमार ने बताया कि मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। आशंका है कि पत्थर से वार कर हत्या की गई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए खाएं मोटा अनाज

लखनऊ, एजेंसी। गोमतीनगर के हुसड़िया चौराहा स्थित हिंदी मीडिया सेंटर में लोक जीवन फाउंडेशन की ओर से दो दिवसीय ÷आरोग्य पाकशाला÷ का शुभारंभ शनिवार को हुआ। वैद्यों ने ÷शुद्ध भोजन और शुद्ध सोच÷ विषय पर विचार साझा किए। साथ ही, जैविक (ऑर्गेनिक) खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए। मध्यप्रदेश से आये वैद्य पुनाराम पवार ने रासायनिक भोजन के नुकसान बताए। अच्छे स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज का सेवन जरूरी है। ललितपुर से आई वैद्य सीतूराजा ने बताया कि मधुमेह नियंत्रण के लिए रागी और बाजरा लाभदायक है। ज्वार और बाजरा मैग्नीशियम कोलेस्ट्रॉल को कम करने और हृदय की कार्यक्षमता सुधारने में मदद करते हैं। वैद्य केशवदास यादव और भगवानदीन कुश्वाहा ने कहा कि अगर पारंपरिक अनाज को कम से कम एक वक्त के भोजन में शामिल करें तो 70त्न बीमारियों को रोक सकते हैं। कार्यशाला में आयुर्वेद, जैविक खेती, पोषण वाटिका (किचन गार्डन) का प्रशिक्षण दिया गया। संस्थापक डॉ. राजेश वर्मा, कार्यक्रम संयोजक प्रिया वर्मा, प्रेस सूचना ब्यूरो के पूर्व अपर महानिदेशक अरिमर्दन सिंह, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की पूर्व सदस्य सुमन गुप्ता, विजय शंकर, केके चौधरी, सीतापुर के कटिया स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. दया श्रीवास्तव व अन्य लोग मौजूद रहे।

कागजों पर चार महीने में 76 करोड़ रुपये का लेन-देन, पकड़ी गई कर टैक्स चोरी; 70 लाख की वसूली

आगरा, एजेंसी। विभाग की जांच के दौरान दिनेश ने बताया कि उन्हें धोखे में रखकर सुमित जिंदल ने छल से चालू खाता खुलवाया। इस पर दिनेश ट्रेडर्स के खाते से 70.74 लाख वसूला गया। साथ ही सुमित की फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

कारोबारी ने अपनी अपंजीकृत फर्म के जरिये कागजों पर चार महीने में 76 करोड़ का कारोबार दिखाकर टैक्स चोरी की। प्रारंभिक जांच में मामला सामने आने पर राज्य कर विभाग ने 70 लाख रुपये की वसूली कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आगरा जोन के अपर आयुक्त ग्रेड-1 पंकज गांधी ने बताया कि दिनेश ट्रेडर्स नाम की अपंजीकृत फर्म चलाने वाले सुल्तानपुरा आगरा कैंट निवासी दिनेश अग्रवाल ने पंजाब नेशनल बैंक, शाखा बैंक कॉलोनी में मंडी समिति से आढ़तिये का लाइसेंस लेकर चालू खाता खुलवाया। फर्म में 76.14 करोड़ रुपये का लेन-देन होने पर विभाग ने जांच की।

इसमें 17 करोड़ रुपये का लेन-देन अकेले

सुमित जिंदल नाम के कारोबारी की फर्म शिव ट्रेडर्स के साथ निकला।

आगे की जांच में पता चला कि सुमित के नाम पर विभाग में ही एसजे इंटरप्राइजेज नाम से एक अन्य फर्म पंजीकृत थी। इस फर्म पर भी बिना माल के कागजों पर ही खरीद बिक्री दिखाकर नौ करोड़ रुपये की आईटीसी चोरी पकड़ी गई थी।

एसआईबी ने संयुक्त आयुक्त बीडी शुक्ला के नेतृत्व में दिनेश ट्रेडर्स के ठिकाने पर दस्तक दी। जांच के दौरान दिनेश ने बताया कि उन्हें धोखे में रखकर सुमित जिंदल ने छल से चालू खाता खुलवाया। इस पर दिनेश ट्रेडर्स के खाते से 70.74 लाख वसूला गया। साथ ही सुमित की फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पूरे मामले का पर्यवेक्षण अपर आयुक्त ग्रेड-2 अंजनी कुमार अग्रवाल ने किया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में स्टूडेंट ने महिला टीचर को थप्पड़ मारा

अहमदाबाद। गुजरात के पंचमहल जिले में 12वीं के एक छात्र ने महिला टीचर को क्लासरूम में थप्पड़ मार दिया। घटना 24 जनवरी को शेरा कस्बे के एस.जे. डेव हाई स्कूल में हुई। मामले का CCTV फुटेज सामने आने के बाद विवाद बढ़ा और 3 फरवरी को FIR दर्ज की गई। पुलिस के मुताबिक, छात्र 12वीं की दूसरी प्रीलिम परीक्षा के लिए देर से पहुंचा था। महिला इन्विजिलेटर ने जब उससे देरी की वजह पूछी, तो छात्र भड़क गया। उसने कहा, "घर में मुझसे कोई कुछ नहीं पूछता, आप कौन होती हैं सवाल करने वाली।" CCTV फुटेज में दिखा कि क्लासरूम में स्टूडेंट्स परीक्षा दे रहे थे। सभी आरोपी छात्र आया। गेट पर टीचर से उसकी बहस हुई। इसके बाद उसने महिला टीचर के गाल पर थप्पड़ मारा और जोर से धक्का दे दिया। इतने देर में दूसरे स्टूडेंट्स डेस्क से उठकर आ गए। इसके बाद आरोपी भाग गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामले को लेकर काफी नाराजगी देखने को मिली। पुलिस ने बताया कि उसी दिन आरोपी छात्र के पिता ने टीचर और स्कूल के प्रभारी प्रिंसिपल से माफी मांगी थी। हालांकि, 27 जनवरी को छात्र अपने पिता और 15–20 अन्य लोगों के साथ दोबारा स्कूल पहुंचा। आरोप है कि उसने टीचर को धमकाया और कहा- तुम शहर में अकेली रहती हो, देख लेंगे। पुलिस के अनुसार, छात्र का दावा है कि वह अपने साथियों के साथ टीचर और स्कूल स्टाफ से माफी मांगने गया था।

राजस्थान समेत 5 राज्यों में सुबह-शाम की सर्दी

नई दिल्ली/भोपाल/देहरादून/शिमला। मौसम विभाग ने देश के किसी भी राज्य में रविवार के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। हालांकि जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल में हुई बर्फबारी के कारण उत्तर भारत के सभी राज्यों में अभी भी सर्दी का असर है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और चंडीगढ़ में सुबह और शाम सर्दी हो रही है। जबकि दिन के समय कई जिलों में पारा 30° का आंकड़ा पार कर रहा है। इन राज्यों में फरवरी में ही मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। हालांकि मध्य प्रदेश और बिहार का मौसम एक बार फिर बदल गया है। एमपी के 11 जिलों और बिहार के 4 जिलों में टेंपरेचर 10 °C से कम रहा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर समेत बाकी जिलों में सुबह-शाम हल्की सर्दी पड़ रही है, जबकि दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है। यूपी में आज से पारा चढ़ने वाला है। बिहार में 13 फरवरी से मौसम बदलेगा। रविवार को चेन्नई में कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम रही। सुबह 9 बजे तक कोहरा छाए रहने के कारण 3 फ्लाइट्स को तिरुचिरापल्ली डायवर्ट करना पड़ा। चेन्नई में कोहरे का कारण ज्यादा नमी, धीमी रफ्तार की हवाएं और रात के समय कम तापमान था। हिमालयी राज्य उत्तराखंड और हिमाचल में मौसम विभाग ने 9 फरवरी से ऊंचे इलाकों में बर्फबारी का अनुमान जताया है। 10 फरवरी को दोनों ही प्रदेशों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

अजित पवार की अस्थियां लेकर बेटा नंगे पैर संगम पहुंचा, प्राइवेट जेट से परिवार प्रयागराज आया

प्रयागराज। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी CM अजित पवार की अस्थियां रविवार को संगम में प्रवाहित की गईं। बेटे जय पवार ने संगम पर पूजा-पाठ की। फिर मंत्रोच्चारण के बीच अस्थि विर्सजन किया। इस दौरान जय पवार भावुक नजर आए। वह पूरे कार्यक्रम के दौरान चुप रहे। किसी से बात नहीं की। यही नहीं, जब पत्रकारों ने जय से सवाल किए तो भी वह चुप रहे, कुछ भी नहीं कहा। पवार परिवार चार्टर्ड फ्लाइट से पुणे से प्रयागराज पहुंचा था। जय पिता की अस्थियां लेकर नंगे पैर एयरपोर्ट से बाहर आए। उनके हाथ में अस्थियों का बॉक्स था। एयरपोर्ट से संगम तक लंबे काफिले के साथ परिवार घाट तक पहुंचा। अस्थि विसर्जन के दौरान भाजपा और NCP के नेता भी मौजूद रहे। दरअसल, एनसीपी की युवा इकाई राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा की अगुवाई में कश्मीर से कन्याकुमारी तक अजित पवार की 'अस्थि कलश यात्रा' निकाली गई थी। 12 राज्यों से गुजरी यात्रा का समापन आज बेटे और परिवार की मौजूदगी में संगम में हुआ। धीरज शर्मा ने बताया- परिवार समेत लाखों राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं और दादा के समर्थकों के लिए बहुत भावुक पल हैं। मैं अस्थि कलश यात्रा को लेकर हरिद्वार से तेलंगाना तक गया। अजित दादा सिर्फ महाराष्ट्र के नहीं, बल्कि देश की बड़ी राष्ट्रीय राजनीतिक शख्सियत थे। अजित पवार का 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। हादसे में उनके साथ दो पायलट, एक महिला क्रू मेंबर और एक सुरक्षाकर्मी समेत कुल 5 लोगों की जान चली गई थी। विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से पहले गिर गया था और उसमें आग लग गई थी। अजित के निधन के बाद पत्नी सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

'कुत्ता-मुक्त गांव' के नाम पर हत्या, तेलंगाना में 1600 कुत्तों को दी मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के गांवों में अब अजीब सन्नाटा है। कुछ दिन पहले तक गांव में कोई अजनबी आता था तो आवारा कुत्ते भौंक-भौंक कर गांव को चेता देते थे। अब यहां कोई हलचल नहीं होती। यह हालात किसी एक गांव के नहीं। राज्य के छह जिलों के 12 से ज्यादा गांवों में इस साल की शुरुआत से अब तक 1600 से अधिक कुत्ते मार दिए जाने के आरोप सामने आए हैं। शुरुआत में यह संख्या कम थी। धीरे-धीरे आंकड़ा बढ़ता गया। दरअसल, गांवों में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ीं तो दिसंबर में हुए सरपंच चुनाव में यह मुद्दा प्रमुख रूप से उठा। कई जनप्रतिनिधियों ने 'कुत्ता मुक्त गांव' बनाने का वादा किया। इसके बाद गांव से कुत्ते गायब होने लगे। गांव के बाहर सामूहिक कब्र मिलीं, तो संदेह गहराया। जांच में साफ हो गया कि यह सब योजनाबद्ध तरीके से किया गया। आरोप है कि आंध्र प्रदेश से डॉग कैचर्स बुलवाए और 500 रुपए प्रति कुत्ते के हिसाब से जहरीले इंजेक्शन दिए गए। हनुमानकोंडा जिले के श्यामपेट और अरपेल्ली गांवों में 300 कुत्तों की हत्या की शिकायत दर्ज कराई गई है। कामारेड्डी जिले के वाड़ी, फरीदपेट, बंदारमश्वेरपल्ली, भवानीपेट और पलवनचा गांवों में 200 कुत्ते मारे गए। जगित्याल जिले में धर्मपुरी क्षेत्र में 30, पगड़ापल्ली गांव में 300, रंगारेड्डी जिले के याचरम में 140, निर्मल जिले में 200 कुत्ते मारे जाने के आरोप हैं। 2020 से जुलाई 2025 तक 14,88,781 लोगों को कुत्तों ने काटा और उन्हें इलाज की जरूरत पड़ी। यूथ फॉर एंटी करप्शन की आरटीआई अर्जी के जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस दौरान 36,07,989 एंटी-रेबीज वैक्सीन डोज दी गईं।

पाकिस्तान से 8 महीने बाद घर लौटेगा अमृतपाल

फाजिल्का। फाजिल्का सेक्टर के किसान अमृतपाल की जल्द रिहाई की खबर सामने आ रही है। सरहदी गांव खैरेके उताड़ का किसान अमृतपाल 21 जून, 2025 को अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंच गया था। किसान के पिता जगराज सिंह के अनुसार, अमृतपाल खेत में चूहों को बेहोश करने वाली दवा का छिड़काव कर रहा था। दवा के असर और उसके बाद चाय पीने की वजह से उसे चक्कर आने लगे और बेहोशी की हालत में वह गलती से पाक सीमा में दाखिल हो गया। वहां उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में लेकर कंगनपुर के अस्पताल में दाखिल कराया था। बीते दिन पाकिस्तान की जेल में बंद पंजाब के 7 लोगों की सजा पूरी होने के बाद रिहाई की गई है, जिनकी अंबेसी बुधवार को क्लीयर हो गई थी। जगराज सिंह के अनुसार अमृतपाल के केस की अंबेसी शुक्रवार को क्लीयर हो चुकी है और किसी भी समय अमृतपाल की रिहाई हो सकती है। पाकिस्तानी पुलिस ने बॉर्डर क्रॉसिंग का केस दर्ज कर अमृतपाल को अदालत में पेश किया था। पाक की अदालत ने अमृतपाल को एक महीने के कारावास और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी, जो अब पूरी हो चुकी है। पाकिस्तानी वकील सुहैल अंसारी अमृतपाल का केस निःशुल्क लड़ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में किसान से जेल में मुलाकात कर उनका एक 15 सेकेंड का वीडियो परिवार को भेजा था, जिसमें अमृतपाल ने खुद के बिल्कुल ठीक होने की बात कही थी। अमृतपाल की सजा की अवधि और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अब उसकी रिहाई और वतन वापसी का रास्ता साफ होता दिख रहा है। ताजा घटनाक्रम के अनुसार, कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद किसी भी समय उसे बीएसएफ के हवाले किया जा सकता है, जिससे उसके परिवार का लंबा इंतजार खत्म होगा।

केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशील

नवोत्थान और वैश्विक भारत की प्रतिष्ठापना का है केन्द्रीय बजट : मनोहर लाल

एजेंसी, नई दिल्ली

रायपुर। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल रविवार को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशील है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल आज राजधानी रायपुर में पत्रकार वार्ता के माध्यम से बजट संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने केन्द्र सरकार के बजट को नवोत्थान और वैश्विक भारत की प्रतिष्ठापना वाहक बताया और कहा कि इस बार के बजट में सिर्फ आँकड़े ही नहीं हैं, बल्कि विकसित भारत-2047 का विजन भी सामने रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर ने बजट प्रावधानों की सराहना की और इसे केवल एक वार्षिक वित्तीय विवरण न मानकर देश के अगले 25 वर्षों के विकास का मार्गदर्शक 'विजन डॉक्यूमेंट' बताया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष का बजट पहली बार 'कर्तव्य भवन' (वित्त मंत्रालय का नया परिसर) में तैयार किया गया। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के संबोधन का उल्लेख करते हुए बताया कि यह बजट तीन विशेष कर्तव्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बनाएंगे। इस बजट में 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी स्वीकार किया गया है, जिसकी योजनाएँ आगामी 5 वर्षों के लिए महत्वपूर्ण दिशा तय करेंगी।

केन्द्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि बजट में निर्धारित लक्ष्यों के माध्यम से देश बिजली, बुनियादी ढांचे और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति करेगा। यह बजट समावेशी विकास की ओर बढ़ता हुआ एक सशक्त कदम है। इस दौरान केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, सांसद व मुख्य प्रवक्ता संतोष पाण्डेय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, शिवनारायण पाण्डेय व प्रमोद शर्मा भी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश को 35 साल बाद नया पीएम मिलेगा

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। ऐसे में 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी गई है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं।

♦ चुनाव पर भारत-पाक और चीन की नजर, बदल जाएगा साउथ एशिया का पावर बैलेंस

हसीना के तख्तापलट के बाद विदेश नीति में बदलावः बांग्लादेश में अगस्त 2024 से नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप में अंतरिम सरकार काम कर रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं।

नेपाल-भारत में कानूनी सहायता से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी चल रही है। हालांकि, इसे चुनाव से पहले किया जाए या चुनाव के बाद, इस विषय पर अभी चर्चा जारी है।

पिछले वर्ष जुलाई में नई दिल्ली में हुई गृह सचिव स्तरीय बैठक में इस समझौते पर प्रारंभिक सहमति बनी थी। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले अक्टूबर में इस पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया था।

नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल इस समझौते पर हस्ताक्षर को लेकर चर्चा चल रही है। विदेश सचिव अमृत राई ने बताया कि आपसी सहमति के आधार पर जल्द ही हस्ताक्षर की तिथि तय कर ली जाएगी।

इस समझौते के बाद सीमा-पार अपराधों पर नियंत्रण, सूचना आदान–प्रदान को आसान बनाने, जांच से जुड़े सबूत साझा करने, अभियोजन में सहयोग करने तथा दोनों देशों की कानूनी एजेंसियों के बीच आपराधिक जांच में समन्वय को मजबूती मिलेगी। इसके लिए दोनों देश वर्षों से संवाद करते आ रहे थे।

पारस्परिक कानूनी सहायता और प्रत्यर्पण संधि के अभाव में सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों को एक-दूसरे को अपराधियों को सौंपने में लंबे समय से कानूनी और प्रशासनिक जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है।

जापान चुनाव, पीएम ताकाइची बोलीं- हारी तो इस्तीफा दे दूंगी, 465 में से 300 सीटें मिलने की उम्मीद

एजेंसी, टोक्यो

जापान में रविवार को लोअर हाउस के लिए मतदान शुरू हो गया है, जिसमें प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में बर्फबारी के कारण मतदान प्रतिशत घटने की आशंका जताई जा रही है। यहां रविवार को 27 से 28 इंच तक बर्फबारी होने का अनुमान है। ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने अक्टूबर में पद संभाला था।

ओपिनियन पोल के अनुसार, उनकी कंजर्वेटिव गठबंधन (लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और जापान इनोवेशन पार्टी) को संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की 465 सीटों में से 300 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। फिलहाल गठबंधन के पास 233 सीटें हैं, और अगर यह 310 सीटें जीत लेता है तो ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिल जाएगी। ताकाइची ने कहा है कि अगर गठबंधन बहुमत खो देता है तो वह इस्तीफा दे देंगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ताकाइची को समर्थन जता चुके हैं।

ताकाइची ने चीन के खिलाफ रुख मजबूत कियाः ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8% सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी एफजीएस ग्लोबल के मैनेजिंग डायरेक्टर सेइजी इनाडा के मुताबिक, 'अगर ताकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तो उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।'

ट्रम्प बोले थे- तकाइची शक्तिशाली और बुद्धिमान नेताः डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 फरवरी को एक पोस्ट में साने ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने तकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करेंगे। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

किसानों के हित सर्वोपरि, ट्रेड डील से भारतीय कृषि उत्पादों को कोई नुकसान नहीं : शिवराज सिंह

एजेंसी, भोपाल

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह डील पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, समझौते में झुकने की नहीं। इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे। किसानों के हित सर्वोपरि हैं, उन पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को अपने भोपाल स्थित आवास पर भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संतुलित रणनीति अपनाकर सकारात्मक संवाद करते हुए यह ट्रेड डील की गई है। डिप्लोमेसी मतलब राष्ट्र प्रथम, डेवलपमेंट यानी विकसित भारत की दिशा में भारतीय कदम बढ़ाने लिए ट्रेड डील बड़ा आधार है। भारतीय कृषि और किसान की सारी चिंताओं का समाधान इस ट्रेड डील में किया गया है। यह डील हमारे कृषि उत्पादों को नए अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि और किसान को सर्वोपरि रखा गया है। यूपीए की सरकार में भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी और अब हम तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर तेजी से अग्रसर हैं। हमारे वो सारे कृषि उत्पाद, जो

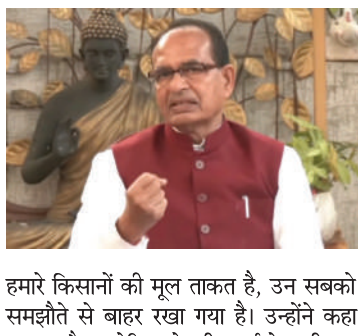

हमारे किसानों की मूल ताकत है, उन सबको इस समझौते से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील अपने आप में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयाँ और गति देने वाली है। यह समझौता केवल व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड डील डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का एक उत्तम उदाहरण है। यह ट्रेड डील हमारे किसानों को न केवल पूरी तरह से सुरक्षित रखती है, बल्कि हमारे कृषि उत्पादों को नए अवसर प्रदान करती है।

चौहान ने कहा कि अगर कृषि और कृषि उत्पादों को देखें, तो भारतीय किसानों को नुकसान हो, ऐसा कोई भी उत्पाद सम्मिलित नहीं किया गया है। सभी ऐसी वस्तुओं को समझौते के बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूँ, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केला, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल, तंबाकू जैसे उत्पादों पर कोई टैरिफ में छूट नहीं दी गई है। सबसे ज्यादा चिंता इसी बात की थी कि हमारे प्रमुख अनाज सुरक्षित रहने चाहिए, वो सब के सब सुरक्षित रखे गए हैं। प्रमुख अनाज, प्रमुख फल, हमारे डेयरी उत्पाद उनके लिए कोई द्वार अमेरिका के लिए नहीं खोला गया है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय किसानों के कई कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, लेकिन अमेरिकी किसानों के कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में यह छूट नहीं दी गई है। भारत के कृषि और डेयरी के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। कृषि क्षेत्र में कई उत्पादों पर जो टैरिफ था, उसे अमेरिका ने 50 परसेंट से घटाकर शून्य किया है। इनमें मसाले प्रमुख हैं, हमारे मसालों का बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। इसके अलावा चाय, कॉफी, नारियल, नारियल का तेल, सुपारी, काजू, वनस्पति मोम, एवोकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम तथा जौ जैसे कुछ अनाज भी इसमें सम्मिलित हैं।

उन्होंने कहा कि डब्बा बंद सब्जियां भी भारत नहीं आएंगे। वर्ष 2024-25 में 4.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने के साथ भारत ने वैश्विक निर्यातक के रूप में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी है और हमारे मसाला निर्यात में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब हमारे मसालों को भी नया बाजार मिलेगा।

गौरव गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

एजेंसी, गुवाहाटी

असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजेगी। असम कैबिनेट ने शनिवार को यह फैसला लिया। जिसके बारे में रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का OCI/वीजा रद्द करने की मांग भी करेगी क्योंकि उनकी मौजूदगी भारत के लिए नुकसानदायक है। असम CM का आरोप है कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था।

हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के

बीच 13 बार भारत आया था। उसका मकसद दुनिया में भारत विरोधी नैरेटिव तैयार करना था। असम CM की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया के सामने मंच पर खुद को शर्मिंदा किया। असम में कोई उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता। असम कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि हिमंता परिवार ने कथित तौर पर पूरे असम में 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की। उन्होंने कहा कि राज्य में भविष्य की कांग्रेस सरकार ऐसी जमीनों को गरीबों में बांट देगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिमंता ने बताया कि हमने मौजूदा सांसद गौरव गोगोई से पाकिस्तान कनेक्शन के बारे में पूछताछ नहीं की है। हमने उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए यह मामला केंद्र पर छोड़ दिया है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर पंडुम उत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे अमित शाह

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में आयोजित 'बस्तर पंडुम उत्सव 2026' के समापन समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। इसको लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। अमित शाह के आगमन को देखते हुए यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गये हैं। अमित शाह अपने दौरे के आखिरी दिन यानी 9 फरवरी 2026 को जगदलपुर (बस्तर) जाएंगे। यहां वे 'बस्तर पंडुम उत्सव' के समापन समारोह में शिरकत करेंगे। यह उत्सव बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और वहां लौट रही शांति का प्रतीक माना जा रहा है। 'बस्तर पंडुम उत्सव' के समापन समारोह को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है, वहीं गृहमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है : डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी, मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वात्रंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न मिला तो उस सम्मान का सम्मान ही बढ़ेगा।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित "नए क्षितिज" कार्यक्रम के दूसरे दिन के दूसरे सत्र को संबोधित कर रहे थे। संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उसके लिए संघर्ष की स्थिति पैदा न हो।

उत्तराखंड राज्य ने समान नागरिक संहिता के संबंध में पहले प्रस्ताव किया, फिर लोगों के सुझाव मांगे, तीन लाख सुझाव आए। उसके बाद उन्होंने कानून बनाया। कानून बन जाना पर्याप्त नहीं है। कानून का पालन होना चाहिए। इस सबके बावजूद हम विविधता में एकता के पक्षधर हैं। हम एक समाज है, हमें अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक मानकर विचार नहीं करना चाहिए। अलग-अलग होने पर हम सब अल्पसंख्यक ही हैं।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि बुद्ध ने अपने धर्म को भी सनातन धर्म ही कहा है। हिन्दू अपने आप में कोई धर्म नहीं है। सनातन

♦ कहा-स्वातंत्र्यवीर सावरकर को भारत रत्न मिला तो उस सम्मान का सम्मान ही बढ़ेगा

धर्म की दो शाखाएँ-वैदिक धर्म और बौद्ध धर्म हैं। आज जो इस्लाम का स्वरूप दिख रहा है, वह मोहम्मद साहब का इस्लाम नहीं है। आज जो ईसाइयत है, वह ईसा मसीह की ईसाइयत नहीं है। आज का इस्लाम और ईसाइयत उनकी आध्यात्मिक अवधारणा को छोड़कर राजनीतिक वर्चस्व के रास्ते पर चल निकले हैं। वे सच्चे इस्लाम और सच्ची ईसाइयत की ओर लौटें, इसकी आवश्यकता है। हिंदू को सबको अपनेपन और शांति की बात करनी है। हिंदू के बारे में बस इतना हो जाए कि इनका कोई बाल-बाँका नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कोई एकाकी नहीं रह सकता, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर डील करनी ही पड़ती है। उसमें कुछ लेना पड़ता है तो कुछ छोड़ना भी पड़ता है। अपने हित में क्या है, इसका ध्यान रखना ही चाहिए। हमें विश्वास है कि वर्तमान समय में उसका ध्यान रखा ही गया होगा। पिछले 10 वर्षों का जो एडमिनिस्ट्रेशन है, वह अड़नेवाला और तन कर खड़ा रहने वाला है। ज्ञान तो सारी दुनिया से आना चाहिए, परंतु जो लेना है, परिक्षण करके लेना चाहिए। बिना अपने देश की आकांक्षा, परंपरा और किसानों के हित को जाने, नया है इसलिए बराबर स्वीकार कर लेना ठीक नहीं। इसलिए हमारा संवेदनशील होना ठीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने से हमारे अच्छे दिन शुरू हुए, ऐसा नहीं है। बल्कि उसका उल्टा है। हम राम मंदिर के पक्ष में खड़े हुए, जो राजनीतिक पक्ष उस पक्ष में खड़े हुए, उसको लाभ हुआ। बाकी दलों के लोग साथ नहीं आए। आपातकाल, गुरूजी जन्मशती, राम मंदिर आंदोलन आदि के माध्यम से आप सभी के सहयोग और स्वयंसेवकों के पुरूषार्थ से ही हमारे अच्छे दिन आए हैं। उसका लाभ हमारा समर्थन करने वालों को मिला है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

टी20 वर्ल्ड कप विवाद

श्रीलंका के अनुरोध पर भारत से मैच बहिष्कार पर पुनर्विचार करेगा पाकिस्तान

एजेंसी, कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने संकेत दिया है कि वह टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर पुनर्विचार करने के लिए अपनी सरकार से बातचीत करेगा। यह कदम श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के उस औपचारिक अनुरोध के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान से कहा है कि भारत से मैच न खेलने के फैसले से सह-मेजबान होने के नाते उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को टी20 विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी तो दे दी है, लेकिन साथ ही निर्देश दिया है कि टीम भारत के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा नहीं लेगी। भारत–पाक मैच आईसीसी के लिए सबसे अधिक राजस्व देने वाला मुकाबला माना जाता है, जो प्रसारकों और आयोजकों के लिए भी बड़े आर्थिक लाभ का स्रोत होता है। पाकिस्तान के इस फैसले ने न सिर्फ टूर्नामेंट की वाणिज्यिक संभावनाओं पर असर डाला है, बल्कि क्रिकेट जगत में भी चिंता बढ़ा दी है। श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को ईमेल भेजकर साफ कहा है कि भारत-पाक मैच रद्द होने से उन्हें टिकट बिक्री, प्रसारण अधिकार और आतिथ्य सेवाओं से मिलने वाला बड़ा राजस्व नहीं मिल पाएगा। इसके अलावा टूर्नामेंट की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को दुनिया भर में करोड़ों दर्शक देखते हैं। श्रीलंका इस टूर्नामेंट का सह-मेजबान है और पाकिस्तान अपने सारे मैच कोलंबो और पाल्लेकल में खेल रहा है, ऐसे में यह निर्णय मेजबान बोर्ड के लिए और भी चुनौतीपूर्ण बन गया है। पीसीबी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान और श्रीलंका के क्रिकेट और सरकारी स्तर पर हमेशा सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं, इसलिए श्रीलंका क्रिकेट के इस अनुरोध को अनदेखा करना मुश्किल है। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी से सीधे संपर्क करके स्थिति की गंभीरता बताई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में श्रीलंका को पाकिस्तान के समर्थन की आवश्यकता है, क्योंकि भारत-पाक मैच रद्द होने से उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान होगा। अब गेंद पाकिस्तान सरकार के पाले में है कि वह इस संवेदनशील और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दे पर क्या रुख अपनाती है। क्रिकेट जगत की निगाहें इस फैसले पर टिकी हुई हैं, क्योंकि यह न सिर्फ वर्ल्ड कप के कार्यक्रम को प्रभावित करेगा, बल्कि एशियाई क्रिकेट कूटनीति पर भी बड़ा असर डाल सकता है।

अंडर-19 विश्व कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान, वैभव सूर्यवंशी समेत भारत के तीन खिलाड़ी शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया है। इस बीच रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंडर-19 विश्वकप की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' की घोषणा कर दी। फाइनल मैच में ऐतिहासिक पारी खेलने वाले भारतीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस टीम में जगह मिली है। 14 वर्षीय वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंदों पर 175 रनों की दमदार पारी खेलकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीता था। उनके साथ कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे को सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह नहीं मिल सकी। कनिष्क ने पूरे टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अहम योगदान दिया, जबकि हेनिल ने 11 विकेट चटकाए, जिसमें अमेरिका के खिलाफ 5/16 का शानदार स्पेल शामिल रहा। उपविजेता इंग्लैंड के भी तीन खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली है। थॉमस रेव को टीम का कप्तान और विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। रेव ने टूर्नामेंट में 66 की औसत से 330 रन बनाए, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में खेली गई मैच जिताऊ शतकीय पारी भी शामिल है। इंग्लैंड के ही मैनी लुम्सडेन और बेन मेस को बी जगह मिली है। मैनी ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 16 विकेट लिए और बेन मेस 444 रनों के साथ प्रतियोगिता टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। श्रीलंका के वीरन चामुदिथा को सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने जापान के खिलाफ ऐतिहासिक 192 रन की पारी खेली थी, जिसमें 26 चौके और एक छक्का शामिल था। अफगानिस्तान के फैसल खान शिनोजादा और नूरिस्तानी उमरजई को अपनी टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने के बाद चुना गया है। फैसल ने आयरलैंड और भारत के खिलाफ शतक लगाया था, जबकि नूरिस्तानी उमरजई ने टूर्नामेंट में 14 विकेट लिए, जिसमें तंजानिया के खिलाफ 9 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओलिवर पीक भी टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शतक जमाए थे। पाकिस्तान के अली रजा और वेस्टइंडीज के स्पिनर विटेल लावेस को भी टीम में जगह मिली है। अली रजा ने 13.92 की औसत से 13 विकेट झटके, जबकि लावेस ने पांच मैचों में 10 विकेट लिए।

अंडर-19 विश्व कप 2026 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट

वैभव सूर्यवंशी (भारत), वीरन चामुदिथा (श्रीलंका), फैसल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर/कप्तान, इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरिस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

टी-20 विश्व कप मैच के बाद अमेरिकी राजदूत ने आईसीसी और जय शाह को कहा धन्यवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई में भारत और अमेरिका के बीच टी-20 विश्व कप मैच में शामिल होने के बाद भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और उसके चेयरमैन जय शाह को "क्रिकेट की एक अविश्वसनीय शाम" के लिए धन्यवाद दिया। रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि टी-20 विश्व कप में क्रिकेट की अविश्वसनीय शाम के लिए आईसीसी और जय शाह को धन्यवाद। मुझे लगता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, जिसमें आगामी ओलंपिक्स भी शामिल है। मैच के दौरान सर्जियो गोर ने आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मुलाकात की और अमेरिका में क्रिकेट के तेजी से विकास पर चर्चा की। अमेरिकी राजदूत ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि टी-20 विश्व कप में आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हमने विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और अद्भुत प्रशंसकों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के तेजी से विकास पर चर्चा की इसके अलावा अमेरिकी राजदूत ने अमेरिका की क्रिकेट टीम और जय शाह के साथ एक तस्वीर भी पोस्ट की। इसमें उन्होंने लिखा कि हमारी अमेरिकी क्रिकेट टीम पर गर्व है। मुंबई में आज रात एक बेहद रोमांचक मैच हुआ।" मैच की बात करें, तो शनिवार रात मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम और अमेरिका टीम के बीच मैच खेला गया। मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव की 84 रनों की नाबाद पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 20 ओवरों में नौ विकेट पर 161 रन बनाए थे। इसके जवाब में अमेरिका की टीम-20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 132 रन ही बना पाई और 29 रनों से मैच हार गई।

स्पेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में लवलीना बरगोहाईं ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी, नई दिल्ली

गुवाहाटी। भारत की स्टार मुक्केबाज़ और ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है। स्पेन में आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान लवलीना बरगोहाईं का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने विभिन्न देशों से आई अनुभवी और मजबूत प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज़ों को लगातार पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हर मुकाबले में उनकी तकनीक, आक्रामकता और रणनीतिक समझ साफ नजर आई, जिसने दर्शकों और विशेषज्ञों को प्रभावित किया। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। उन्होंने पूरे मैच के दौरान नियंत्रण बनाए रखा और सटीक पंचों के जरिए प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से उन्हें विजेता घोषित किया, जिसके साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया। लवलीना की इस जीत पर खेल जगत में खुशी की लहर है। भारतीय बॉक्सिंग संघ, खेल विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने उन्हें इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाइयां दी हैं। इसे भारतीय बॉक्सिंग के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। गौरतलब है कि लवलीना बरगोहाईं पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं और उनकी यह ताजा सफलता भारतीय खेल इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ती है। उनकी इस जीत से आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और ओलंपिक तैयारियों के लिए भी भारत की उम्मीदें और मजबूत हुई हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस शानदार परफॉर्मेंस ने वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई का आत्मविश्वास भी बढ़ा दिया है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी शेपर्ड की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को जीत की सबसे मजबूत राह पर ला खड़ा किया है।

संक्षिप्त

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना : राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है। हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के 'घरेलू मैदान' बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है।" राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, "भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी।" राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी।

सूर्यकुमार ने अमेरिक के खिलाफ मैच में सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को अंडर-19 विश्वकप के पहले ही मुकाबले में कप्तानी पारी खेलकर जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव ने इसका श्रेय कोच गौतम गंभीर की एक सलाह को दिया है। सूर्या ने कहा कि एक समय जब आधी टीम 77 रनों पर पेवेलियन लौट गयी थी तब उनपर काफी अधिक दबाव था पर ब्रेक के दौरान कोच कोच ने उनसे अंत तक टिके रहने को कहा था। कोच का मानना था कि अगर वह अंत तक खेलेंगे तो रन बन जाएंगे। सूर्यकुमार ने इस मैच में 49 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर नाबाद 84 रन बनाए। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाकर 29 रन से जीत हासिल की। सूर्यकुमार ने बताया कि गंभीर ने उनसे कहा था कि वह अंत तक तक बल्लेबाजी करें क्योंकि वह जमने के बाद बड़े शॉट लगा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे बल्लेबाज के समय अंदाजा हो गय था कि इस विकेट पर 140 रन ही काफी हैं। मुझे इस प्रकार के विकेटों पर खेलने आ अनुभव है। इसलिए मेरा मानना था कि मैं यहां बड़ी पारी खेल सकता हूं। सूर्यकुमार छठे ओवर में बल्लेबाजी करने आए थे और शुरुआत में उन्होंने धीमी बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बनाये। बाद में उन्होंने तेजी से खेलते हुए कमी पूरी कर दी। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। अंतिम ओवर में उन्हों चौके, छक्के लगाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचा दिया।

पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन बने दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और अर्जुन अवॉर्डी शिखर धवन को दिल्ली खेल महाकुंभ का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह खेल महाकुंभ दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल निदेशालय की एक पहल है। इस दूरदर्शी प्रतियोगिता का मकसद राजधानी में जमीनी स्तर पर खेलों में भागीदारी को मजबूत करना और प्रतिभा की पहचान करना है। दिल्ली खेल महाकुंभ का पहला एडिशन 13 फरवरी से राजधानी के 16 जगहों पर होगा, जिसमें हजारों युवा एथलीट बास्केटबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, स्क्वैश और वॉलीबॉल में हिस्सा लेंगे। दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मामलों के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ को प्रतिभा और खेल के विकास के लिए एक बदलाव लाने वाले प्लेटफॉर्म के तौर पर देखा जा रहा है। शिखर धवन का ब्रांड एंबेसडर के तौर पर जुड़ना इस पहल को बहुत ज्यादा विश्वसनीयता और प्रेरणा देता है और यह जमीनी स्तर पर विकास, बड़े पैमाने पर भागीदारी को बढ़ावा देने और भविष्य के खेल टैलेंट को पहचानने के हमारे मकसद के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। भारत के जाने-माने खेल चेहरों में से एक शिखर धवन लंबे समय से देश भर के युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा रहे हैं। वह अपने वेंचर दा वन स्पोर्ट्स के जरिए अपने खेलने के करियर के बाद भी भारत की खेल आकांक्षाओं को आकार देने में एक प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने पर शिखर धवन ने कहा कि मैं बहुत आभारी महसूस कर रहा हूं। इस सम्मान के लिए दिल्ली सरकार और शिक्षा एवं खेल निदेशालय को धन्यवाद देना चाहता हूं। दिल्ली खेल महाकुंभ इस क्षेत्र में खेल के विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जो प्रतिभा से भरा हुआ है और सही अवसर और एक्सपोजर की तलाश में है। एक प्रोफेशनल एथलीट होने के नाते, मैं अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म मिलने के महत्व को समझता हूं और अपने वेंचर दा वन स्पोर्ट्स के जरिए मैं युवाओं को उनके सपनों को पूरा करने के लिए एक रास्ता और इकोसिस्टम बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहा हूं। धवन ने कहा कि भारतीय खेलों में दिल्ली की एक समृद्ध विरासत है और मुझे उम्मीद है कि इस जुड़ाव के जरिए मैं उभरती हुई प्रतिभा को खुद पर विश्वास करने और इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रेरित कर पाऊंगा, जिससे दिल्ली को देश की स्पोर्ट्स कैपिटल बनाने के हमारे विजन में योगदान मिलेगा।

टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया

एजेंसी, चेन्नई

आईसीसी टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। रविवार को चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम खेले गए ग्रुप डी के मुकाबले में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की टीम ने गुलबदीन नईब (63 रन) के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट की 65 रनों की अर्धशतकीय पारी की मदद से 17.5 ओवर में पांच विकेट खोकर 183 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। रचिन रवींद्र बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि फिन एलन सिर्फ एक रन बना सके। इसके बाद टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 74 रनों की अहम साझेदारी की। फिलिप्स ने 25 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। सीफर्ट ने 42 गेंदों पर सात चौकों और तीन छक्कों के साथ 65 रनों की शानदार पारी खेली। न्यूजीलैंड को पांचवां झटका मार्क चैपमैन के रूप में लगा। वह 17 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद डेरिल मिचेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत तक पहुंचा दिया। मिचेल 14 गेंदों पर 25 रन और सैंटनर आठ गेंदों पर 17 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब उर रहमान ने दो विकेट झटके, जबकि अजमतुल्लाह ओमरजई, राशिद खान और मोहम्मद नबी को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 182 रन बनाए थे। टीम को इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने सधी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। हालांकि पावरप्ले में ही दोनों सलामी बल्लेबाजों आउट हो गए। जादरान ने 10 और गुरबाज ने 27 रन बनाए। इसके बाद सेदिकुल्लाह अतल और गुलबदिन नईब ने अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। सेदिकुल्लाह 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि गुलबदिन नईब ने 35 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 63 रनों की अहम पारी खेली। अंतिम ओवरों में दारविश रसूली (20) और ओमरजई (14) ने तेज रन जोड़े, जबकि मोहम्मद नबी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट लिए, जबकि मैट हेनरी, जैकब डफी और रचिन रवींद्र को एक-एक विकेट मिला।

फहीम अशरफ बने T20 विश्व कप 2026 के पहले प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को तीन विकेट से हराकर टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की। यह जीत हालांकि पाकिस्तान के लिए आसान नहीं थी। 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने शुरुआत अच्छी की और दस ओवर में दो विकेट पर 90 रन बना लिए थे, लेकिन मध्यक्रम के लगातार विफल होने से मैच बेहद रोमांचक हो गया। 16.1 ओवर में पाकिस्तान का स्कोर सात विकेट पर 114 रन था और उसे जीत के लिए 34 रन चाहिए थे। मैदान पर संकट की इस घड़ी में फहीम अशरफ ने एक बार फिर साबित किया कि वे बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। 11 गेंदों पर नाबाद 29 रन की उनकी आतिशी पारी ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। 19वें ओवर में लोगान वान बीक की गेंद पर उन्होंने तीन लंबे छक्के और एक चौका लगाकर 24 रन बटोरे, जिससे मैच पूरी तरह पाकिस्तान की ओर झुक गया। आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर मारा गया फहीम का चौका पाकिस्तान को तीन गेंद शेष रहते जीत दिला गया। उनकी इसी दमदार पारी के लिए उन्हें टी20 विश्व कप 2026 का पहला प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। फहीम को 19वें ओवर में बड़ा जीवनदान भी मिला, जब ओडाउड ने उनका कैच तब छोड़ा जब वे केवल सात रन पर थे। यह गलती नीदरलैंड को मैच गंवाने की सबसे बड़ी वजह साबित हुई। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान ने 31 गेंद पर 47 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि सईम अयूब ने 13 गेंद में 24 रन बनाए। कप्तान बाबर आजम इस मैच में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे और 18 गेंद पर केवल 15 रन बनाकर आउट हो गए। नीदरलैंड की ओर से पॉल वान मीकेरेन ने शानदार गेंदबाजी की और फरहान व उस्मान खान को एक ही ओवर में आउट किया। अगली ही ओवर में बाबर का विकेट गिरा और पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती गईं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

अधिक उत्पादन के लिए मिट्टी परीक्षण आवश्यक

मिट्टी परीक्षण का महत्व

अत्यधिक एवं असंतुलित उर्वरकों तथा कृषि रसायनों के प्रयोग से खेत की मिट्टी मृत हो रही है या उत्पादन क्षमता घट रही है। जिन क्षेत्रों में अधिक उपज देने वाली उन्नत या संकर किस्में उगाई जाती हैं वहां मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी बहुत तेजी से होती है अतः भरपूर उत्पादन लेने के लिए खेत की मिट्टी में उपलब्ध तत्वों की मात्रा एवं मिट्टी का स्वास्थ्य जानने के लिए मिट्टी परीक्षण करना आवश्यक हो जाता है।

मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता क्यों?

भूमि में पौधे का भोजन पोषक तत्वों के रुप में उपस्थित रहता है जिन्हें पौधा लगातार लेता रहता है। यदि यह पौध पौषक तत्व काफी समय तक भूमि को नहीं दिये जाएं तो भूमि में प्राकृतिक रुप से उपस्थित पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। जब ये आवश्यक पोषक तत्व पौधों का उपलब्ध नहीं होते हैं तो फसल की उपज में कमी आती है और भूमि की उर्वराशक्ति का संतुलन भी बिगड़ जाता है। उदाहरण के लिए फसल में नत्रजन की आवश्यकता से अधिक मात्रा तथा स्फुर एवं पोटाश की कम मात्रा प्रयोग करने से फसल की वानस्पतिक बढ़वार तो बहुत अधिक होती है, पत्तियां गहरी हरी आकार में बड़ी तथा फसल देर से पकती है, लेकिन स्फुर एवं पोटाश की कम मात्रा के कारण फूल व फलों का विकास नहीं हो पाता है, दाना चमकदार नहीं होता है तथा कभी–कभी तो फसल में बिल्कुल फूल एवं फल नहीं बनते हैं फसल की कीट–व्याधियों से लड़ने की प्रतिरोधी शक्ति विकसित नहीं होती है तथा तना मजबूत न होने के कारण फसल तेज हवा या वर्षा से शीघ्र गिर जाती है।

इसके विपरीत यदि फसल में नत्रजन की मात्रा कम तथा स्फुर एवं पोटाश की अधिक मात्रा प्रयोग की जाती है तो फसल की वानस्पतिक बढ़वार अच्छी तरह नहीं हो पाती है, पत्तियों का रंग हल्का हरा या पीला होता है लेकिन स्फुर तथा पोटाश की अधिकता के कारण फसल में फूल एवं फल शीघ्र आते हैं तथा फसल जल्दी पक जाती है लेकिन अच्छी पैदावार प्राप्त नहीं होती है।

अतः इन पोषक तत्वों का एक निश्चित अनुपात में संतुलित उपयोग होना चाहिए अन्यथा उपज में तो कमी आएगी ही साथ ही भूमि की उर्वराशक्ति का ह्रास भी होगा।

फसलों की औसत उपज में स्थिरता व भूमि की उर्वराशक्ति में कमी के लिए उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को भी एक कारण माना जा रहा है। किसी भी एक तत्व की कमी या अधिकता से फसल की पैदावार पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। यदि इन तत्वों को सही अनुपात में प्रयोग नहीं किया जाता है तो जो खर्च इन तत्वों की पूर्ति हेतु उर्वरक के रुप में किया जाता है वह सब व्यर्थ होने की पूरी–पूरी सम्भावना रहती है। इन समस्याओं के निराकरण हेतु यह आवश्यक है कि मिट्टी में उपलब्ध तत्वों की पूर्ण जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा प्राप्त कर विभिन्न फसलों की आवश्यकतानुसार निश्चित मात्रा में उर्वरक फसल में दिए जायें। साथ ही लक्षित उत्पादन प्राप्त करने, उर्वरकों की उपयोगिता क्षमता में वृद्धि के लिए, समस्याग्रस्त अम्लीय व क्षारीय मिट्टी के सुधार हेतु एवं विभिन्न क्षेत्रों के लिए मिट्टी उर्वरता मानचित्र तैयार करने के लिए मिट्टी की जांच कराई जाना बहुत आवश्यकता होती है।

प्रतिनिधि मिट्टी नमूना तैयार करने की विधि

सर्वप्रथम खेत को उसकी स्थिति (समतल, ऊंची, नीची, ढ़लान) एवं मिट्टी की किस्म के अनुसार बांट लें। फिर नमूना लेने के स्थान की ऊपरी सतह को साफ कर खुरपी की सहायता से लगभग 15 सेंमी (6 इंच) की गहराई तक अंग्रेजी के आकार का गढ्डा खोदकर मिट्टी निकालकर फेंक दें फिर दोनों किनारों से 6 इंच गहराई तक 2 इंच मोटाई की मिट्टी लेकर तगारी या पॉलीथिन में एकत्र कर लें। उपरोक्त विधि से एक हेक्टेयर खेत में से लगभग 8 से 10 जगह से यादृच्छिक रेन्डम विधि से मिट्टी लेकर एक साफ पॉलीथिन पर एकत्र कर लें। फिर मिट्टी को अच्छी तरह मिलाएं तथा उसको पॉलीथिन पर गोलाई में समान रुप से फैलाएं।

उंगली से इसे चार भागों में विभाजित करें तथा चार भागों में से किन्हीं दो आमने–सामने वाले भाग की मिट्टी को अलग निकाल दें। शेष बचे दो भागों की मिट्टी को लेकर फिर से गोलाई में समान रुप से फैलाए तथा पुनः चार भागों में विभाजित कर आमने–सामने के किन्हीं दो भागों की मिट्टी एकत्र करें। पुनः इसी क्रिया को तब तक दोहराएं जब तक कि लगभग 500 ग्राम मिट्टी शेष रह जाए।

इस नमूने को प्रतिनिधि नमूना कहते हैं। इस नमूने की मिट्टी को साफ कपड़े या पुराने अखबार पर रखकर छाया में सुखाकर साफ पॉलीथिन या कपड़े की थैली में भर लें।

अब मिट्टी परीक्षण के लिए सूचना–पत्र में जानकारी दो प्रतियों में भरकर सूचना–पत्र की एक प्रति मिट्टी नमूने की थैली के भीतर तथा दूसरा प्रति थैली के मुंह पर धागे की सहायता से संलग्न कर दें। इस प्रकार से तैयार मृदा नमूने को मिट्टी नमूने को मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भिजवाएं।

मिट्टी परीक्षण कहां कराएं?

उपरोक्त विधि से लिए गए प्रतिनिधि मिट्टी नमूने का परीक्षण निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र या कृषि विभाग की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में कराया जा सकता है।

मिट्टी परीक्षण क्या है?

मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों के वैज्ञानिक विश्लेषण को मिट्टी परीक्षण कहते हैं। मिट्टी परीक्षण के अंतर्गत मुख्य रुप से नत्रजन, स्फुर, पोटाश, पीएच एवं घुलनशील लवणों का निर्धारण किया जाता है। इन विश्लेषणों के आधार पर उर्वरकों का सही एवं संतुलित प्रयोग कर अधिक पैदावार प्राप्त की जा सकती है। मिट्टी परीक्षण एक ऐसी युक्ति है जिसके द्वारा संतुलित उर्वरकों के उपयोग से उर्वरकों पर बढ़ते खर्च को कम कर अधिक पैदावार प्राप्त की जा सकती है। साथ ही मिट्टी परीक्षण से पता चलता है कि खेत में किसी भूमि सुधारक रसायन जैसे जिप्सम अथवा चूने की आवश्यकता है कि नहीं। यदि है तो भूमि सुधारक रसायन की कितनी मात्रा डालनी चाहिए।

मिट्टी परीक्षण हेतु प्रतिनिधि नमूना तैयार करना

मिट्टी परीक्षण एक तकनीकी विषय है। मिट्टी परीक्षण हेतु लगभग एक हैक्टेयर क्षेत्र से आधा किलो मिट्टी का प्रतिनिधि नमूना तैयार किया जाता है जो पूरे क्षेत्र की पोषक तत्वों की उपलब्धता को प्रकट कर सके। अतः मिट्टी का प्रतिनिधि नमूना बहुत की सावधानी से तैयार करना चाहिए। अन्यथा पूरी मेहनत व्यर्थ हो जाती है तथा मिट्टी परीक्षण की कोई उपयोगिता नहीं रह जाती है।

मिट्टी नमूना लेने के लिए आवश्यक सामग्री

- मिट्टी खोदने के औजार जैसे गैंती, फाबड़ा, खुरपी।
- नमूना एकत्र करने के लिए तगारी या पॉलीथिन।
- नमूना सुखाने के लिए साफ कपड़ा या पुराने अखबार।
- नमूना रखने के लिए 500 ग्राम क्षमता वाली साफ पॉलीथिन या कपड़े की थैली।
- नमूने के बारे में सूचना–पत्र।।

मृदा नमूना तैयार करते समय ध्यान में रखने योग्य बिन्दु

- मिट्टी नमूने को खाद की खाली थैली में एकत्र नहीं करना चाहिए।
- प्रत्येक खेत का अलग–अलग नमूना लेना चाहिए।
- यदि एक ही खेत में फसल की पैदावार एक समान न हो तो खेत को उर्वराशक्ति के अनुसार विभाजित कर अलग–अलग नमूना लेना चाहिए।
- एक मिट्टी नमूना अधिक से अधिक 1 हेक्टेयर क्षेत्रफल से तैयार करना चाहिए।
- विश्लेषण हेतु तैयार किया मिट्टी नमूना खेत से लगभग 8–10 जगह से मिट्टी लेकर बनाना चाहिए।
- मेड़ों के किनारे, वृक्षों के नीचे की जगह, खलिहान बनाई गई जगह, खाद के गड्ढे की जगह, सिंचाई की नाली की जगह, दलदल की जगह आदि से मिट्टी नमूना एकत्र नहीं करना चाहिए।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच के लिए मिट्टी नमूना लेने में पीतल, कांसा या गेल्वनाइज्ड औजार उपयोग में नहीं लाने चाहिए क्योंकि उनका तांबा या जस्ता नमूने को दूषित कर देगा।
- बागवानी के लिए मिट्टी के 2 मीटर तक गहराई की जांच करानी चाहिए।
- ऊसर भूमि में क्षार व नमक की मात्रा मौसम के अनुसार भूमि की सतह पर घटती–बढ़ती रहती है। इसलिए ऐसे समस्याग्रस्त खेतों की मिट्टी का नमूना 100 सेमी गहराई तक लेना चाहिए।

मिट्टी नमूना लेने का समय

- गर्मियों में रबी फसल की कटाई के बाद से लेकर खरीफ फसल की बुवाई के पहले तक कभी भी मिट्टी नमूना लिया जा सकता है।

तिलहनी तथा गन्ना फसल को पानी की खुराक

तोरिया

तोरिया को फूल निकलने तथा दाना भरने की अवस्था पर नमी की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई बुवाई के 25 से 30 दिन बाद तथा दूसरी सिंचाई फूल वाली अवस्था पर करें। यदि एक सिंचाई उपलब्ध हो तो फूल निकलने की अवस्था पर सिंचाई करना लाभप्रद होगा।

गन्ना

गन्ने की पतली जातियों को 150 सेमी व मोटी जातियों को 200 सेमी पानी की आवश्यकता होती है। गन्नें में पानी की दैनिक आवश्यकता 0.85 सेमी गर्म और सूखे दिनों में तथा 0.25 सेमी ठंडे व नम दिनों में होती है। इससे हम पानी की प्रति सिंचाई मात्रा का अनुमान लगा लेते हैं। बुआई के समय खेत में नमी कम होने पर सिंचाई करने का बहुत ही लाभदायक प्रभाव पाया गया है। सिंचाई करने के 7 दिन बाद 'हो' द्वारा पपड़ी अवश्य तोड़ देनी चाहिए। कल्ले फूटना गन्ने की ऐसी क्रांतिक अवस्था है, जिस पर पर्याप्त मात्रा में भूमि में जल होना चाहिए। कल्ले फूटते समय गन्ने की क्रियाशीलता काफी बढ़ जाती है तथा अधिक पानी की आवश्यकता पड़ती है। अतः इस अवस्था में जल की कोई कटौती नहीं करना चाहिए। गन्ने की सबसे अधिक वानस्पतिक बढ़वार (12 से 15 सेमी प्रति सप्ताह की दर से) वर्षाकाल में होती है। इसलिए पानी की सबसे अधिक आवश्यकता इसी समय होती है। यदि मानसून काल में 20 या इससे अधिक दिनों तक वर्षा न हो तो सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिये। शरदकालीन फसल में बुआई के 15–20 दिन के अंतर पर सिंचाई करने से अच्छी उपज प्राप्त होती है। यदि सीमित सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो तो कम से कम दो सिंचाई जिनमें पहली अंकुरण के समय (मध्य अप्रैल) तथा दूसरे कल्ले फूटने के समय (मई में) करें (बसंतकालीन फसल में) प्रत्येक सिंचाई में 10 सेमी जल पर्याप्त पाया गया है। जल की मात्रा बढ़ाने या दो सिंचाई का अंतर कम करने पर पानी जड़ों के नीचे रिसने अथवा वाष्पन से अपव्यय होता है। इसके विपरीत पानी की मात्रा कम कर दी जाय या अंतराल बढ़ा दिया जाय तो फसल सूखे की स्थिति में बढ़ती है और उपज घट जाती है। पेड़ी की फसल में पहली सिंचाई बावक गन्ने की फसल काटने के बाद करनी चाहिए। गर्मी के दिनों में 15 से 20 दिन के अंतर पर सिंचाई करें। सिंचाई सर्पाकार विधि से करें। गर्मी में पानी की मात्रा कम होने पर एक गरेड छोड़कर सिंचाई देकर फसल बचावें। कम पानी उपलब्ध होने पर ड्रिप (टपक विधि) से सिंचाई करने से 40 प्रतिशत पानी की बचत होती है।

सरसों

सरसों की फसल की जल आवश्यकता 30 सेमी है तथा प्रति सेमी जल पूर्ति से लगभग 90 किलोग्राम उपज प्राप्त होती है। सरसों दो अवस्थाओं पर विशेष संवेदनशील है, जब जल की कमी से विशेष हानि होती है। फूल आने की अवस्था (बोने के 40–45 दिन के बीच), – फलियां भरने की अवस्था (70–80 दिन के बीच)। फूल आने की अवस्था के साथ ही शाखाओं तथा फलियां छटती हैं। फलियां भरने की अवस्था पर यदि जल की कमी रहती है तो दानों का आकार छोटा हो जाता है तथा फलियां खाली रह जाती हैं।

अलसी

जब व्यापारिक उद्देश्य से अधिक क्षेत्रफल पर अलसी की खेती की जाती है, उस समय 1–2 सिंचाईयां करना जरुरी है। यह सिंचाईयां पौधों की पत्तियों की वृद्धि तथा फूलने के समय करें। इससे उपज में वृद्धि होती है, किन्तु इससे पहले सिंचाई करने से ऐसी वृद्धि नहीं पायी है। पहली सिंचाई बुआई के 60–65 दिन बाद करें। भूमि में 40 प्रतिशत नमी के घट जाने पर सिंचाई करने से अच्छे परिणाम मिले हैं।

सिंघाड़े की हाईटेक खेती

सिंघाड़ा जल की फसल है, जो तालाब, पोखर या झील के स्थिर जल में उगाई जाती है। सिंघाड़ा का उपयोग व्रत और उपवास में फलाहारी के रूप में किया जाता है। सिंघाड़ा छिलका उतारकर खाया जाने वाला स्वादिष्ट फल है। सिंघाड़े से तैयार किया गया आटा उपवास के दिनों में हलवा बनाने के काम में आता है। पोषण की दृष्टि से सिंघाड़े का काफी महत्व है। इसमें प्रोटीन तथा खनिज लवण प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। सिंघाड़े का फल मीठा शीतल बलवर्धक, ज्वरनाशक, कफनाशक होता है, और जलन, थकान, सूजन एवं खत विकारों को दूर करता है। हरे रंग के छिलके वाले सिंघाड़े बड़े आकार के तथा अधिक वजन वाले होते हैं।

सिंघाड़े की फसल 7-8 माह में तैयार हो जाती है। फूल आने के 21 दिन पश्चात फल तोड़ने योग्य हो जाता है। जलवायु एवं भूमि-सिंघाड़ा जलीय पौधा है। इसकी खेती के लिये चुने गये जलाशयों में हमेशा पानी उपलब्ध रहना चाहिये गंदे पानी वाले तालाबों में भी सिंघाड़े की फसल ली जा सकती है, लेकिन पानी स्वच्छ हो तो फसल की बढ़वार अच्छी होती है। सिंघाड़े की बेलों को बढ़ने के लिये गर्म वातावरण आवश्यक है। पाले से हानि होती है। अधिक शीत से बेलें मुरझा जाती हैं। सिंघाड़े की खेती के लिये मिट्टी चिकनी एवं उपजाऊ होनी चाहिये।

प्रवर्धन : सिंघाड़े का प्रवर्धन दो प्रकार से किया जाता है

1. नर्सरी द्वारा 2. सीधे बीज द्वारा

नर्सरी तैयार करना : बड़े आकार के स्वस्थ सिंघाड़े के फल को तोड़कर नवंबर-दिसंबर माह में बीज के लिये उपयोग में लेना चाहिये। फलों को नमी युक्त स्थान में संग्रहित करके रखें। संग्रहण के लिये मिट्टी के घड़े उपयोग में लायें। घड़े में पानी भरकर गर्म स्थान पर रख दें। घड़े की वायुसंचार अच्छी होनी चाहिये इसके लिये घड़े को कपड़े से बांध दें। अंकुरण के लिये 25-30 सेंटीग्रेट तापक्रम उचित है। अंकुरित फलों को छोटे एवं कम गहरे वाले तालाबों में बिखेर दें, अंकुरित बीज कीचड़ में धंस जाते हैं। और जड़ निकलकर भूमि में चली जाती है तथा तना एवं पत्तियां निकलकर पानी की सतह पर फैल जाती है। तने की प्रत्येक गांठ में जड़े निकलती हैं। इस प्रकार एक पौधे से अनेक पौधे तैयार हो जाते हैं। तैयार पौधों का जून-

रोपण अंतराल

पंक्ति से पंक्ति 1-2 मी., पौधे से पौधे 80-100 सेमी.

बीज द्वारा रोपण

यह विधि काफी आसान है। बीजों को सीधे तालाब में बिखेर दिया जाता है। पौधों के बीच उचित दूरी नहीं होने के कारण वांछित उपज प्राप्त नहीं होती है।

बीज की मात्रा

2 से 2.5 क्विंटल प्रति हेक्टर।

उर्वरक

नाइट्रोजन 40 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर, फॉस्फोरस 40 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर, पोटाश 60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 9 फरवरी, 2026

क्या 'अमर विश्वास' बन सच्चाई की जंग जीत पाएंगे राजीव खंडेलवाल

बीते कुछ दिनों से अभिनेता राजीव खंडेलवाल अपने सोशल मीडिया पर वकालत से जुड़ी तस्वीरें शेयर कर रहे थे। उनकी पोस्ट देख ये कयास लगाए जा रहे थे कि उन्होंने एक्टिंग छोड़कर वकालत शुरु कर दी है। लेकिन अब एक्टर ने सारी कन्फ्यूजन क्लियर कर दी है। उनके द्वारा शेयर की गई पोस्ट उनकी आगामी वेब सीरीज 'अमर विश्वास' से जुड़ी हुई थी।

'अमर विश्वास' लेखक सुहास शिर्वालकर के उपन्यासों पर आधारित है। कहानी एक मर्डर मिस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसे शुरु में ही 'ओपन एंड शट' घोषित कर दिया जाता है। लेकिन फिर बाद में इसकी परतें खुलती हैं। ट्रेलर की शुरुआत जाने-माने फिल्म निर्माता जेस्सू मोमिन के मर्डर से होती है। शक बहार चक्रवर्ती नाम की एक लड़की पर जाता है, जिसे शुरुआत में अपराधी माना जाता है। इस बीच अमर विश्वास के कैरेक्टर में राजीव खंडेलवाल आते हैं। एक अनोखे और तेज दिमाग वाले वकील। जो जानते हैं कि सच हमेशा उतना सरल नहीं होता जितना दिखता है। जब अमर बहार की ओर से केस लड़ते हैं, तो वे धीरे-धीरे कई राज खोलने लगते हैं।

ट्रेलर सिर्फ सीरीज की एक झलक

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में राजीव खंडेलवाल ने अपने रोल के बारे में बताते हुए कहा, 'अमर विश्वास कोई पारंपरिक कोर्टरूम हीरो नहीं है। वह इंसानियत से भरा, भावनात्मक और न्याय के लिए हमेशा खड़ा रहने वाला है। मुझे यह रोल इसलिए पसंद आया क्योंकि यह पूरी सीरीज में मोरल टेंशन में रहता है। हर सच पर नई कीमत चुकानी पड़ती है। ट्रेलर सिर्फ इस सफर की एक झलक दिखाता है।'

शशांत शाह द्वारा निर्देशित 'अमर विश्वास' का निर्माण अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी. निशंदर ने किया है। सीरीज में राजीव खंडेलवाल के अलावा आमिर अली, रवि बेहल और बर्खा बिष्ट भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। यह सीरीज 11 फरवरी से स्ट्रीम होगी।

इस बिजनेसमैन को डेट कर रहीं शमिता शेट्टी? एक्ट्रेस के लिए किया पोस्ट

फिल्म 'मोहब्बतें' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शमिता शेट्टी ने हाल ही में अपना 47वां जन्मदिन मनाया। इस जश्न में उनके साथ बहन शिल्पा शेट्टी और जीजू राज कुंद्रा भी मौजूद रहे। सोशल मीडिया पर सामने आई शमिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की तस्वीरों में एक शख्स ऐसा भी नजर आया, जिसके साथ शमिता का नाम जोड़ा जा रहा है। ये शख्स है टेक्नो आर्टिस्ट-बिजनेसमैन दीपेश शर्मा।

दीपेश ने शमिता के लिए किया प्यारा पोस्ट

पिछले कुछ वक्त से दीपेश शर्मा और शमिता शेट्टी के रिलेशनशिप को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। इन अटकलों को तब और भी बल मिला, जब दीपेश शर्मा ने शमिता के जन्मदिन पर उन्हें खूबसूरत अंदाज में शुभकामनाएं दीं। दीपेश ने शमिता के लिए जो बर्थडे पोस्ट किया है, उसमें शमिता दीपेश के साथ नजर आई रही हैं। साथ में शिल्पा और राज कुंद्रा भी मौजूद हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में दीपेश ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरी हमेशा की हंसी का राज, जिसे मेरी सारी कहानियां पता हैं और फिर भी साथ है। लव यू माई शम्स्टर।' दीपेश की पोस्ट पर शमिता के दीपेश की इस पोस्ट पर शमिता ने कमेंट करते हुए लिखा और इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट इमोजी भी बनाए। दीपेश की पोस्ट और उस पर शमिता के इस तरह के कमेंट के बाद अब दोनों के रिलेशन को लेकर चर्चाएं होने लगीं। फैन्स ये कयास लगाने लगे कि शमिता, दीपेश को डेट कर रही हैं। क्योंकि तस्वीरें दोनों की नजदीकियों की गवाही दे रही हैं। शमिता के रिलेशनशिप की चर्चा हुई, तो लोग दीपेश के बारे में भी सर्च करने लगे हैं।

क्या करते हैं दीपेश शर्मा?

दीपेश शर्मा की बात करें तो वो एक टेक्नो संगीत कलाकार और बिजनेसमैन हैं। वो मुंबई के फेमस नाइटलाइफ प्लेस पर मिलाग्रो और द कॉकटेल रूम के सह-संस्थापक के रूप में जाने जाते हैं। वो टुमॉरोलैंड जैसे बड़े फेस्टिवल्स में परफॉर्म करते हैं। यही नहीं दीपेश गोवा में क्रॉनिकल बीच क्लब के मालिक भी हैं। उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के अनुसार, दीपेश को बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त और सोनाक्षी सिन्हा जैसे स्टार्स फॉलो करते हैं।

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है 'दो दीवाने सहर में'

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक-दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में 'दो दीवाने सहर में' से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है। संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, 'फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो।

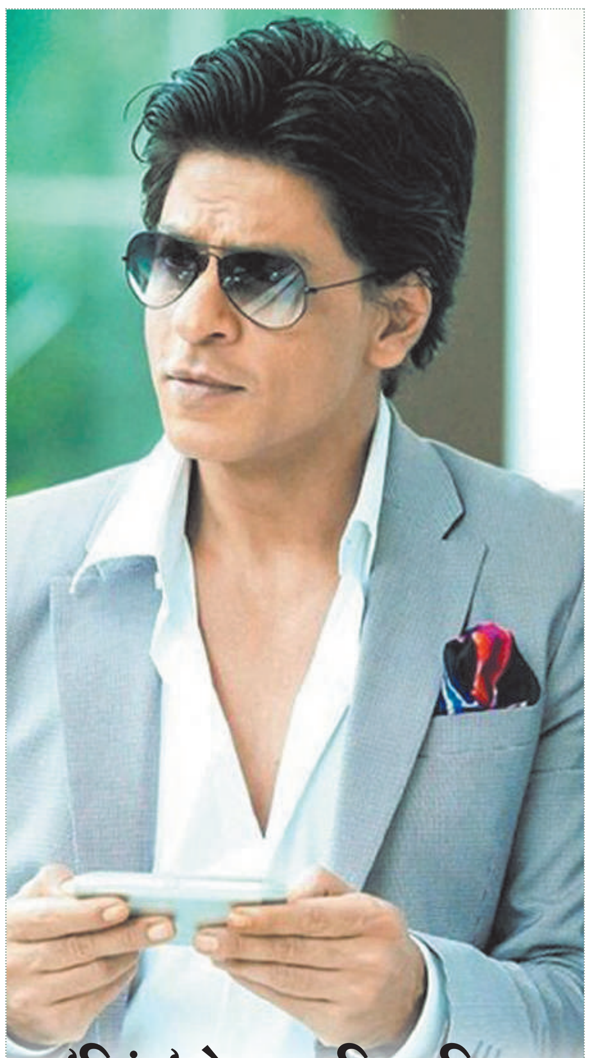

'किंग' के बाद किस फिल्म में नजर आएंगे शाहरुख खान? नए प्रोजेक्ट पर फराह खान से जारी है बातचीत

शाहरुख खान इन दिनों फिल्म 'किंग' की शूटिंग में बिजी हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही फराह खान के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं। खबर यह भी है कि फराह खान 'मैं हूं ना 2' की स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। पिंकविला के मुताबिक 'किंग' के बाद शाहरुख खान की अगली बड़ी फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। फिल्म को लेकर शाहरुख और फराह के बीच बात चल रही है।

शाहरुख के होंगे डबल रोल

अगर यह खबर सही है तो दो दशकों के बाद 'मैं हूं ना' का सीक्वल 'मैं हूं ना 2' बनेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फराह खान ने शाहरुख खान के लिए डबल-रोल तय किया है। फिल्म में शाहरुख खान दो अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

बताया जाता है कि 'मैं हूं ना 2' देशभक्ति से भरपूर होगी। इसमें ओरिजिनल कास्ट दोबारा नजर आएगी। इसकी कहानी भारत पर एक नए खतरे के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसमें एक्शन और कॉमेडी भी होगी। मेन आइडिया खुद शाहरुख खान का है। इस आइडिया को आकाश कौशिक डेवलप कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी सुनेंगे शाहरुख

'किंग' के बाद शाहरुख खान के बिजी शेड्यूल को देखते हुए टाइमलाइन पर काम किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि शाहरुख खान मई 2026 में 'किंग' की शूटिंग खत्म करने के बाद 'मैं हूं ना 2' की कहानी सुनेंगे। इसके बाद वह प्रोजेक्ट पर फैसला लेंगे।

'मैं हूं ना' की स्टारकास्ट

'मैं हूं ना' (2004) को फराह खान ने डायरेक्ट किया था। इसे गौरी खान और रतन जैन ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और वीनस मूवीज के तहत प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन, सुनील शेट्टी, अमृता राव और जायद खान ने अहम रोल निभाए थे।

'एनिमल पार्क' को लेकर संदीप रेड्डी वांगा ने दी बड़ी अपडेट, बताया कब शुरू होगी शूटिंग

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। भारत में रिलीज और अपार सफलता के लगभग दो साल बाद अब 'एनिमल' जापान में रिलीज होने वाली है। 13 फरवरी को फिल्म की रिलीज से पहले कुछ खास दर्शकों के लिए फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। इस दौरान निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और अभिनेता रणबीर कपूर ने लोगों से बात भी की। इसी दौरान जब फिल्म के सीक्वल 'एनिमल पार्क' के बारे में पूछा गया तो संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि कब फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

2027 के मिड में शुरू होगी 'एनिमल पार्क' की शूटिंग

'एनिमल पार्क' के बारे में बात करते हुए संदीप रेड्डी वांगा ने कहा, 'मौजूदा फिल्म खत्म होते ही 'एनिमल पार्क' की शूटिंग शुरू हो जाएगी। इसमें और भी जानवर होंगे क्योंकि अजीज भी एक जानवर है। इसे ध्यान में रखते हुए अब कहानी दो भाइयों के बीच होगी, जो दिखने में एक जैसे हैं। इसलिए मुझे लगा कि एनिमल पार्क सही टाइटल रहेगा। मैं 2027 के मिड में शूटिंग शुरू करूंगा।' संदीप रेड्डी वांगा अभी फिलहाल प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर 'स्पिरिट' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी 'एनिमल'

एक्शन-थ्रिलर 'एनिमल' साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में पिता-पुत्र के उलझे हुए रिश्ते को दिखाया गया था। रणबीर ने रणविजय विजय सिंह का किरदार निभाया था। जबकि अनिल कपूर ने पिता का किरदार निभाया था। फिल्म में रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसने दुनिया भर में 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। हालांकि, फिल्म के कई सीन और अत्यधिक हिंसा को लेकर इसकी आलोचना भी की गई थी।

'एनिमल पार्क' को लेकर उत्साहित हैं रणबीर

इस मौके पर रणबीर कपूर ने भी फिल्म को लेकर बात की और 'एनिमल पार्क' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। अभिनेता ने कहा, 'संदीप के साथ सेट पर वापस आने और इस किरदार को निभाने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। अब एक और किरदार है। चूंकि यह एक निरंतर कहानी है, इसलिए पहले भाग की शूटिंग के दौरान ही उनके दिमाग में दूसरे पार्ट की कहानी भी स्पष्ट थी। एक अभिनेता के तौर पर यह मेरे लिए बहुत रोमांचक और प्रेरणादायक है। हम दोनों लगातार बातचीत करते रहते हैं और अलग-अलग आइडिया पर चर्चा करते रहते हैं।'

'लव एंड वॉर' और 'रामायण' में नजर आएंगे रणबीर

रणबीर कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहे हैं। यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है। इसमें उनके साथ पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके इसी साल रिलीज होने की संभावनाएं हैं। इसके अलावा रणबीर नितेश तिवारी की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण: पार्ट वन' में भी नजर आएंगे। इसमें वह भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म इस साल दिवाली पर रिलीज होगी।